राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 18 जुलाई 2025

वर्ष 06, अंक 284, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

संवेदनशीलता और सतर्कता की मिसाल बनी निगोहां पुलिस, युवक की बचाई जान..03

अपराध का रास्ता क्यों अपनाते युवा आखिरकार सिर्फ पछतावा ही रह जाता है लाता है मायूसी..04

बिहार वोटर पुनरीक्षण के बीच तेजस्वी का गंभीर आरोप

●BJP का निशाना क्लोज मार्जिन वाली सीटें, मतदाता सूची में धांधली का प्लान

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज – एक और चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसमें प्रवास, मृत्यु और डुप्लिकेट पंजीकरण जैसी वर्तमान वास्तविकताएं प्रतिबिंबित हों। दूसरी और तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में कुल 77,895 पोलिंग बूथ हैं, और हर विधानसभा में औसतन 320 बूथ हैं। उनके अनुसार, अगर एक बूथ से मात्र 10 वोट भी हटाए जाते हैं, तो एक विधानसभा के सभी बूथों से कुल 3200 मत हट जाएंगे। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में दावा किया है कि बीजेपी चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम छांटने की कोशिश कर रही है, जिसका सीधा उद्देश्य लोकतंत्र को कमजोर करना है। तेजस्वी यादव ने अपने बयान में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बिहार में कुल 7 करोड़ 90 लाख मतदाता हैं। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि अगर BJP के निर्देश पर न्यूनतम 1त्न मतदाताओं को भी छांटा जाता है, तो लगभग 7 लाख 90 हजार मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि BJP का इरादा इससे कहीं अधिक 4-5त्न मतदाताओं के नाम हटाने का हो सकता है।

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए बताया कि अगर 7 लाख 90 हजार मतदाताओं को बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों में विभाजित किया जाए, तो प्रति विधानसभा 3251 मतदाताओं का नाम कटेगा। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में कुल 77,895 पोलिंग बूथ हैं, और हर विधानसभा में औसतन 320 बूथ हैं। उनके अनुसार, अगर एक बूथ से मात्र 10 वोट भी हटाए जाते हैं, तो एक विधानसभा के सभी बूथों से कुल 3200 मत हट जाएंगे। तेजस्वी यादव ने पिछले दो विधानसभा चुनावों के करीबी मुकाबले वाली सीटों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 2015 के विधानसभा चुनाव में 3 हजार से कम मतों से हार-जीत वाली कुल 15 सीटें थीं, जबकि 2020 के चुनाव में यह संख्या बढ़कर 35 हो गई। अगर 5 हजार से कम अंतर से हार-जीत वाली सीटों को देखें, तो 2015 में ऐसी 32 सीटें थीं और 2020 में कुल 52 सीटें थीं।

तेजस्वी यादव का आरोप है कि BJPका निशाना अब ऐसी ही हर सीट पर है। उनके मुताबिक, चुनिंदा बूथों, समुदायों और वर्गों के बहाने से यह लोग वोट छांटना चाहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, "हम सब सतर्क हैं, हमारे कार्यकर्ता हर जगह हर घर जाकर इनकी बदनीयती का भंडाफोड़ करते रहेंगे। हम लोकतंत्र को ऐसे खत्म नहीं होने देंगे।"विपक्षी दलों ने अनुमान लगाया है, चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के परिणामस्वरूप बिहार की मतदाता सूची से 35 लाख से अधिक नाम बाहर हो जाएंगे।

चुनाव आयोग (ईसी) ने बताया है कि अब तक 6.6 करोड़ मतदाताओं ने अपने गणना फॉर्म जमा कर दिए हैं। यह राज्य के कुल

मतदाताओं का 88.18% है। मतदाताओं के पास 25 जुलाई तक अपने फॉर्म जमा करने का समय है, जिसके बाद मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने ताज़ा आँकड़े जारी किए हैं जिनसे पता चलता है कि 1.59 प्रतिशत मतदाता, यानी 12.5 लाख मतदाता, मर चुके हैं, लेकिन उनके नाम सूची में बने हुए हैं। 2.2 प्रतिशत यानी 17.5 लाख मतदाता स्थायी रूप से बिहार से बाहर चले गए हैं और अब राज्य में मतदान के पात्र नहीं हैं। 0.73 प्रतिशत यानी लगभग 5.5 लाख मतदाता दो बार पंजीकृत पाए गए हैं।

कुल मिलाकर, इन निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि लगभग 35.5 लाख मौजूदा मतदाताओं के नाम बिहार की मतदाता सूची से हटा दिए जाएँगे। यह कुल मतदाताओं का 4.5 प्रतिशत से भी ज़्यादा है, जो इस और भविष्य के चुनावों से पहले एक बड़ा बदलाव है। विवाद को और बढ़ाते हुए, चुनाव आयोग ने यह भी खुलासा किया कि क्षेत्रीय दौरे के दौरान, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों के कुछ विदेशी नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत पाए गए। चुनाव आयोग के अधिकारियों के अनुसार, एसआईआर मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह प्रवासन, मृत्यु और डुप्लिकेट पंजीकरण जैसी वर्तमान वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इसका उद्देश्य 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की अखंडता और सटीकता को बनाए रखना है।हालाँकि, इस प्रक्रिया की विपक्षी नेताओं ने तीखी आलोचना की है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पहले ही चेतावनी दी थी कि हर निर्वाचन क्षेत्र में 1 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाने का मतलब होगा कि हर क्षेत्र में लगभग 3,200 नाम हटाए जाएँगे। अब जब यह प्रतिशत 5 प्रतिशत को पार कर गया है, तो इस संशोधन के चुनावी नतीजों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंताएँ बढ़ रही हैं। यह मामला सुप्रीम कोर्ट की भी जाँच के दायरे में है, जो वर्तमान में एसआईआर से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। अपनी पिछली सुनवाई में, अदालत ने चुनाव आयोग को मतदाताओं के उचित सत्यापन के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र का उपयोग करने की सलाह दी थी। चुनाव आयोग आगामी 11 दिनों में मतदाता सूची का मसौदा प्रकाशित करने के लिए समय की कमी से जूझ रहा है, और यह संशोधन प्रक्रिया बिहार में एक राजनीतिक मुद्दा बनती जा रही है। लाखों नाम हटाए जाने और मतदाता पात्रता को लेकर नए सवाल उठने के साथ, अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ती है।

आठ माह से रोजगार सेवकों को मानदेय धनराशि नहीं मिली

रोजगार सेवकों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। बहादुरपुर विकास खंड के ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय सहित कई अन्य मांगों को लेकर बुधवार को जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर को सौंपा। इस दौरान दर्जनों रोजगार सेवक उपस्थित रहे। रोजगार सेवकों ने अपने ज्ञापन में कहा कि उन्हें छह से आठ महीने बकाये मानदेय का भुगतान नही किया गया और न ही ईपीएफ प्रदान किया गया। यही नही कंटीजेंसी का हवाला देकर उनका आर्थिक और मानसिक शोषण किया जा रहा है और मनरेगा कार्य के अतिरिक्त विभिन्न सर्वेक्षण कार्यों, चुनाव ड्यूटी, जल दूत, आवास प्लस सर्वे, अमृत वन जीरो पॉवर्टी सर्वे आदि कार्य कराएं जाते हैं। उन्होंने अपने मांग पत्र में कहा कि मनरेगा के अतिरिक्त ड्यूटी हेतु डीएम और सीडीओ के आदेश जारी किया जाना चाहिए। आरोप है कि लंबित मानदेय भुगतान हेतु शासन से 10 जुलाई 2025 को धनराशि उपलब्ध कराया गया था किंतु अधिकारियों की उदासीनता से मानदेय का भुगतान नहीं किया जा सका। जिला उपाध्यक्ष मानसिंह, ब्लॉक अध्यक्ष पंकज सिंह, महामंत्री अमरेंद्र सिंह, महेंद्र प्रताप सिंह, राम बहादुर सिंह, अनिल कुमार यादव, हेमंत शुक्ला, पवन कुमार, राधा गौतम, अनीता, रन्नो यादव, जीतेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बांग्लादेश संकट- NCP रैली में बवाल, गोपालगंज में हिंसा में 14 गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के गृहनगर गोपालगंज में हुई झड़पों में चार लोगों की मौत के बाद 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सैन्य टुकड़ियों, अर्धसैनिक बलों और पुलिस ने बृहस्पतिवार को गोपालगंज में 22 घंटे का कर्फ्यू सुनिश्चित करने के लिए गश्त की। अधिकारियों ने बताया कि युद्ध के लिए तैयार सैन्य वर्दी पहने और बख्तरबंद वाहनों में लाल झंडे लहराते हुए सैनिक दक्षिण-पश्चिमी गोपालगंज कस्बे में गश्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार की हिंसा के बाद निवासियों को घरों के अंदर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा, व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे और वाहन सड़कों से नदारद रहे।

उन्होंने बताया कि नेशनल सिटीजन पार्टी (NCP) की रैली के दौरान हुई झड़पों में चार लोग मारे गए। NCP के नियोजित मार्च से पहले मजीबुर्रहमान की बेटी और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के सैकड़ों समर्थकों की पुलिस से झड़प के बाद हिंसा हुई थी। ढाका से लगभग 160 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित कस्बे से एक स्थानीय पत्रकार ने फोन पर बताया कि गोपालगंज में स्थिति तनावपूर्ण है। पुलिस ने बताया कि उसने हिंसक झड़पों में कथित संलिप्तता के लिए अब तक 14 लोगों को हिरासत में लिया है, लेकिन इस घटना में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। स्थानीय मीडिया ने गोपालगंज सदर पुलिस थाने के निरीक्षक (जांच) अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से कहा, "संयुक्त बलों ने 14 व्यक्तियों को हमें सौंप दिया।"

उन्होंने कहा कि मामले दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने कहा कि गोपालगंज में बुधवार रात आठ बजे से 22 घंटे का कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि एनसीपी पर हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। एनसीपी, "स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन" (ग्रुष्ठ) समूह की एक शाखा के रूप में उभरी है, जिसने पिछले साल हिंसक प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था और अंततः पांच अगस्त, 2024 को हसीना के 16 साल के अवामी लीग शासन को उखाड़ फेंका था। इस बीच, अंतरिम सरकार ने गोपालगंज हिंसा की जांच के लिए एक समिति गठित कर दी। एनसीपी संयोजक नाहिद इस्लाम ने बृहस्पतिवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, "हम गोपालगंज और पूरे बांग्लादेश को आतंकवाद और फासीवाद से मुक्त कराएंगे।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एनसीपी की मांग के बावजूद, अवामी लीग और उसकी छात्र शाखा, "छात्र लीग" के लोगों की "बड़े पैमाने पर"गिरफ्तारी नहीं की गई और गिरफ्तार किए गए लोगों में से कई को अदालत से जमानत मिल गई या वे पुलिस थानों से फरार हो गये।

संक्षिप्त ख़बरें

गाजा में इकलौते चर्च पर मिसाइल हमला, 2 शर्णाथियों की मौत व पोप फ्रांसिस का करीबी पादरी सहित कई घायल

गाजा पट्टी में युद्ध के बीच एक बड़ा और संवेदनशील मामला सामने आया है। बृहस्पतिवार सुबह गाजा के इकलौते कैथोलिक चर्च पर इजराइल की ओर से कथित हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चर्च से जुड़े पादरी सहित कई लोग घायल हो गए हैं। कैथोलिक चैरिटी संस्था कैरिटास यरुशलम के मुताबिक, मारे गए लोगों में चर्च का 60 वर्षीय एक कर्मी और 84 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस हमले में घायल हुए पादरी फादर गेब्रियल रोमानेली दिवंगत पोप फ्रांसिस के करीबी थे और गाजा में युद्ध के हालात पर उनसे लगातार संवाद में रहते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमले के वक्त चर्च में कई ईसाई और मुस्लिम परिवार शरण लिए हुए थे, जिनमें विकलांग बच्चे भी शामिल थे। इजराइली सेना ने कहा है कि उसे घटना की जानकारी है और वह हमले की जांच कर रही है। हालांकि सेना ने अभी तक इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की है। इस घटना से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोष और चिंता बढ़ गई है। चर्च के अधिकारियों और मानवाधिकार समूहों ने इसे युद्ध अपराध मानते हुए इजराइल पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस बीच, ईसाई समुदाय में भी इस हमले को लेकर भारी आक्रोश है और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक संगठनों ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है।

ट्रंप की चेतावनी के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का सख्त रुख, कहा- राष्ट्रीय हित सर्वोपरि अमेरिका की धमकी से नहीं डरेगा भारत

स्वतंत्र प्रभात

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि भारत अब तेल आयात के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा कि देश ने अपनी तेल आपूर्ति के स्रोतों में पर्याप्त विविधता ला दी है, जिससे अमेरिका द्वारा रूस पर संभावित प्रतिबंधों की धमकी का भारत पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऊर्जा वार्ता 2025 के दौरान केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि भारत अब 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है, जबकि वर्ष 2007 में यह संख्या महज 27 थी। उन्होंने कहा, "आज वैश्विक बाजार में तेल की कोई कमी नहीं है। ईरान और वेनेजुएला जैसे देश अभी प्रतिबंधों के अधीन हैं, लेकिन यह हमेशा के लिए नहीं रहेगा। ब्राजील, कनाडा जैसे देश उत्पादन बढ़ा रहे हैं। हम अपनी आपूर्ति को लेकर अनावश्यक रूप से चिंतित नहीं हैं क्योंकि हमने स्रोतों में विविधता ला दी है।"

ट्रंप की धमकी पर भारत का रुख स्पष्ट

हरदीप पुरी का यह बयान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस चेतावनी के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर यूक्रेन युद्ध के मसले पर 50 दिनों में कोई समाधान नहीं निकलता, तो वे रूस पर गंभीर व्यापारिक प्रतिबंध लगाएंगे। ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों, खासकर

भारत और चीन को भी सेकेंडरी सैंक्शन की चेतावनी दी थी।

"भारत ने कीमतें स्थिर रखने में निभाई अहम भूमिका"

ट्रंप की धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पुरी ने कहा, "कुछ बयान राजनीतिक होते हैं और विवाद सुलझाने के मकसद से दिए जाते हैं। लेकिन भारत की रूस से तेल खरीद ने वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है। अगर भारत-रूस के बीच तेल व्यापार नहीं होता तो कच्चे तेल की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती थीं।"उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत केवल 0.2% कच्चा तेल रूस से आयात करता था, लेकिन अब यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 40% हो गया है।

प्रतिबंधों का सम्मान, लेकिन राष्ट्रीय हित सर्वोपरि

पुरी ने स्पष्ट किया कि भारत अब भी अपने उस रुख पर कायम है कि वह किसी ऐसे देश से तेल नहीं खरीदेगा जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के अधीन है। उन्होंने कहा, "हमने कभी प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं किया। रूसी तेल की कीमतें हमेशा 60 डॉलर प्रति बैरल की सीमा में रहीं और उन पर कोई प्रतिबंध नहीं लगा।"

केंद्रीय मंत्री ने यह भी जोड़ा कि, "रूस दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक है। अगर रूस की आपूर्ति बाजार से हट जाती तो यह वैश्विक आपूर्ति का 10% हिस्सा खत्म कर देता, जिससे कीमतें 120-130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती थीं। इसका असर सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता।"

भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने को तैयार INS निस्तार

भारतीय नौसेना जल्द ही अपनी ताकत में वृद्धि के लिए स्वदेशी 'निस्तार' नामक नए गोताखोरी सहायता पोत को शामिल करने जा रही है। इस जहाज का निर्माण पूरी तरह भारतीय तकनीक और संसाधनों से किया गया है। इसे 18 जुलाई को विशाखापत्तनम के नेवल डॉकयार्ड से औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। यह जहाज भारतीय नौसेना के लिए समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। 'निस्तार' जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी प्रणालियों से लैस है और इसकी डिजाइन 1000 मीटर की गहराई तक निगरानी के लिए तैयार की गई है। यह जहाज पनडुब्बियों में फंसे कर्मियों को बचाने की क्षमता रखता है, जिससे संकट के समय नौसेना की ऑपरेशन्स मजबूत होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस जहाज की लंबाई लगभग 118 मीटर और वजन करीब 10,000 टन है। इसमें सैचुरेशन डाइविंग की सुविधा भी मौजूद है, जो 300 मीटर तक समुद्र में डाइविंग करने में सक्षम है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी को चुनाव लड़वाने की तैयारी में था छांगुर बाबा, लाल डायरी से खुलेंगे राज

स्वतंत्र प्रभात

रमेश कुमार यादव

बलरामपुर- छांगुर के करीबी रहे बब्बू खान ने बताया कि एक पूर्व आईपीएस अधिकारी से छांगुर के करीबी रिश्ते रहे हैं। अवैध धर्मांतरण के खेल में उसे पुलिस अधिकारी से भी पूरा संरक्षण मिलता रहा है। अपनी पहुंच से वह छांगुर को समय-समय पर कार्रवाई से बचा रहा था। हिंदू परिवारों का धर्मांतरण कराकर जनसांख्यिकीय बदलाव में जुटे सनातन विरोधी छांगुर पीर की राजनीतिक महत्वाकांक्षा भी प्रबल थी। वह खुद को राजनीति में स्थापित कर सत्ता तक पहुंच बनाने के प्रयास में था। इसके लिए उतरौला निवासी एक पूर्व पुलिस अधिकारी को विधानसभा चुनाव में उतारने की तैयारी में था। वहीं, नीतू उर्फ नसरीन के कमरे से बरामद लाल डायरी में ऐसे कई राजनेताओं के नाम मिले हैं, जिन्हें छांगुर ने विधानसभा चुनाव के दौरान मोटी रकम दी थी। प्रचार के लिए पानी की तरह पैसे भी बहा रहा था। गिरफ्तारी से पहले भी जगह-जगह जलसों में वह पुलिस अधिकारी को मुख्य अतिथि के तौर पर प्रस्तुत कर रहा था। पूर्व सांसद दद्दन मिश्रा बताते हैं कि छांगुर अब चुनाव को भी प्रभावित करने लगा था। उसकी अपील का असर मतदान पर पड़ता था।

छांगुर के करीबी रहे बब्बू खान ने बताया कि एक पूर्व आईपीएस अधिकारी से छांगुर के करीबी रिश्ते रहे हैं। अवैध धर्मांतरण के खेल में उसे पुलिस अधिकारी से भी पूरा संरक्षण मिलता रहा है। अपनी पहुंच से वह छांगुर को समय-समय पर कार्रवाई से बचा रहा था। उसी की पहल पर छांगुर अपनी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन के साथ दो महीने तक पुलिस और एटीएस को चकमा देकर लखनऊ में डटा रहा। लखनऊ में छांगुर के लिए वही अधिकारी वकीलों की टीम भी उपलब्ध करा रहा था। नेपाल से सटे संवेदनशील बलरामपुर जिले की राजनीति को देखें तो बीते दस वर्षों से सभी विधानसभा क्षेत्रों में छांगुर की पैठ बढ़ी थी। बात चाहे लोकसभा चुनाव की हो या फिर विधानसभा की, सनातन विरोधी छांगुर पीर सभी में सक्रिय रहता था। प्रत्याशियों को फंडिंग करता था। अपने अनुयायियों से उनके पक्ष में मतदान की अपील भी करता था। तहसील क्षेत्र में तो त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सीधे प्रभावित कर रहा था।

लाल डायरी में कई राजनेताओं के भी नाम मिले

सूत्रों के अनुसार एटीएस की जांच में नीतू उर्फ नसरीन के कमरे से बरामद लाल डायरी में ऐसे राजनेताओं के भी नाम मिले हैं, जिन्हें 2022 के विधानसभा चुनाव में छांगुर ने

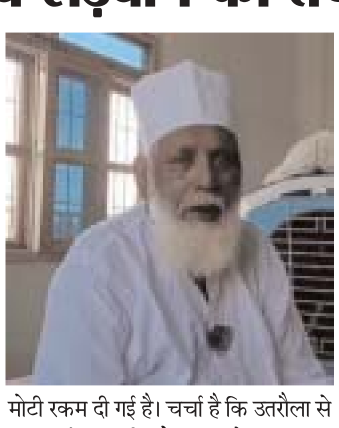

मोटी रकम दी गई है। चर्चा है कि उतरौला से एक पूर्व प्रत्याशी को छांगुर ने 90 लाख रुपये दिए थे, लेकिन वह चुनाव नहीं जीत सके। ऐसे में इस बार एक राष्ट्रीय दल से जुड़े पूर्व आईपीएस अधिकारी को 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरौला से चुनाव मैदान में उतारने के लिए जमीन तैयार कर रहा था।

एटीएस के गवाह पर छांगुर के गुर्गों ने किया हमला, बयान न बदलने पर दी हत्या की धमकी

अवैध धर्मांतरण के मामले में बयान न बदलने पर जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुर्गों ने एटीएस के गवाह हरजीत कश्यप पर हमला कर दिया। उन्हें बुरी तरह से पीटा और हत्या की धमकी दी। पुलिस ने तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रसूलाबाद निवासी हरजीत एटीएस के गवाह हैं। उन्होंने छांगुर पर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया है। इसी बात को लेकर हरजीत से छांगुर के गुर्गों रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने मारपीट की। हरजीत के अनुसार उन्हें धमकाया गया कि रसूलाबाद गांव पाकिस्तान है। यहां रहकर मुसलमानों से बगावत करते हो। इसका अंजाम तुम सबको भुगतना पड़ेगा। योगी सरकार कब तक रहेगी, जब यह सरकार जाएगी तो तुम्हें सबक सिखाया जाएगा।

हरजीत ने बुधवार को बताया कि तीन जुलाई को लखनऊ में राष्ट्रविरोधी छांगुर पीर के खिलाफ सताए व जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने के मामले में बयान दिया था। पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। हरजीत ने बताया कि वह सात जुलाई को दवा लेने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैड़ास बुजुर्ग जा रहे थे। उतरौला चौराहा डुमरियागंज रोड पर पहले से खड़े रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने रोक लिया और मारने लगे। जान-माल की धमकी दी। कहा कि 24 घंटे के अंदर लखनऊ जाकर बयान बदलो। पिटाई करते हुए कह रहे थे कि छांगुर के खिलाफ आवाज उठाने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक उतरौला कोतवाली अवधेश राज सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छांगुर के करीबी की तलाश में गोंडा पहुंची एटीएस

छांगुर के करीबी की तलाश में मंगलवार रात एटीएस की टीम धानेपुर के रेतवागाड़ा पहुंची। जांच में रमजान का नाम सामने आया था। वह कव्वाली सहित अन्य कार्यक्रमों में ढोलक बजाता था। कार्यक्रम के सिलसिले में ही उसकी मुलाकात छांगुर से हुई थी। बताया जाता है कि छांगुर ने रमजान को धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2024 में उसकी मौत हो गई। एटीएस ने रमजान के नाम वाले एक अन्य व्यक्ति के बारे में भी जानकारी की।

अफसरों की मेहरबानी से छांगुर ने जमाए पांव

नेपाल सीमा से सटे संवेदनशील उतरौला क्षेत्र में अवैध धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का जाल मजबूती से बुना गया है। भ्रष्ट पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मेहरबानी से छांगुर अपने साम्राज्य का विस्तार करता रहा। तब एक प्रमोटी अधिकारी के बंगले तक छांगुर की सीधी पहुंच रही।

छांगुर के राजदार बब्बू चौधरी ने तत्कालीन एसपी की भी शिकायत शासन से की है

उनका कहना है कि छांगुर को सबसे अधिक महत्व पुलिस महकमे से ही मिला, जिससे वह लगातार राष्ट्र विरोधी गतिविधियों की ओर कदम बढ़ाता गया। अब उसके तंत्र को खत्म करने में शासन और प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। फिलहाल छांगुर मामले में तहसील के अधिकारियों के साथ ही एक एसपी, एक एएसपी, दो सीओ और दो थानों के पूर्व प्रभारी निरीक्षकों का नाम चर्चा में हैं। यह अलग बात है कि पुलिस का कोई अधिकारी आरोपों को सही नहीं मान रहा है।

उतरौला व गैड़ास बुजुर्ग पुलिस पर डीएम ने भी उठाए थे सवाल

वर्ष 2024 में ही तत्कालीन जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने उतरौला पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। उतरौला में एक मकान पर कब्जा होने के मामले में डीएम ने जांच भी बैठाई थी। इसी तरह गैड़ास बुजुर्ग पुलिस पर तो गरीब परिवार की जमीन कब्जाने के आरोप की जांच शुरू करा दी थी, जिसमें बाद में पुलिस उपमहानिरीक्षक मंजिल सैनी की अध्यक्षता में बनी एसआईटी ने जांच की। इससे जिले के डीएम व एसपी में ही ठन गई और बाद में शासन ने दोनों अधिकारियों को जिले से हटा दिया। अब इन्हीं दोनों क्षेत्रों में छांगुर की पैठ उजागर हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

तुलसीपुर के 600 लोगों की ब्लड स्लाइड फेल, फिर से चलेगा अभियान

बलरामपुर - जिले के तुलसीपुर ब्लॉक में फाइलेरिया पहचान के अभियान की रिपोर्ट में गड़बड़ी मिली है। इससे 10 अगस्त से फाइलेरिया उन्मूलन अभियान (एमडीए) फिर से चलेगा। फाइलेरिया उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बीते माह ब्लड नाइट सर्वे कराया गया था। सैंपलों की जांच के बाद तुलसीपुर को छोड़कर अन्य सभी ब्लॉकों में ब्लड स्लाइड की गुणवत्ता ठीक पाई गई। तुलसीपुर में 600 लोगों के नमूने लिए गए थे। विभाग का कहना है कि उच्च स्तर की रिपोर्ट के अनुसार ब्लड स्लाइड पर ही सवाल उठा है। ऐसे में स्वास्थ्य निदेशालय से सिर्फ तुलसीपुर में ही फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगा प्रशिक्षण

जिला मलेरिया अधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान से पहले तुलसीपुर क्षेत्र के स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में फाइलेरिया अभियान में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। जिससे इस बार किसी तरह चूक न हो।

फर्जी भुगतान कर ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चित्रकूट - नकली फेन से एप दिखाकर व्यापारियों को चूना लगाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक गैलेन डीजल व मोबाइल फेन बरामद किया गया है। मऊ थाना प्रभारी दुर्गविजय सिंह ने बताया कि बीते बुधवार की शाम क्षेत्र के एक पेट्रोल फिलिंग स्टेशन पर थाना क्षेत्र के टिकरा निवासी सूरज सिंह ने नकली फेन-पे एप के माध्यम से 5000 रुपये का फर्जी भुगतान कर 2800 रुपया का डीजल लिया तथा शेष बचे 2200 रुपये को कैश से रूप में सेल्समैन से मांगा। इस दौरान भुगतान प्राप्त होने का नोटिफिकेशन न आने पर सेल्समैन ने फिलिंग स्टेशन के कार्यालय जाकर भुगतान की जांच कराई तो पता चला कि कोई भुगतान हुआ ही नहीं। जिसके बाद फिलिंग स्टेशन के मैनेजर द्वारा डायल 112 को मामले की सूचना देते हुए आरोपी को पकड़कर स्थानीय थाना लाया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूंछताछ करने पर पता चला कि आरोपी नकली फेन-पे एप का इस्तेमाल कर दुकानदारों आदि को फर्जी भुगतान कर फ्रॉड करता है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक गैलन डीजल व एक मोबाइल फेन भी बरामद किया है।

पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह का नागरिक अभिनंदन

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के नई बाजार स्थित तेजगांव परिसर में बृहस्पतिवार को पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह का नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक, शुभचिंतक और समर्थक शामिल हुए। सभी ने पूर्व विधायक के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। समारोह में शिक्षक बैसवारा वीरेंद्र शुक्ला ने कहा कि पूर्व विधायक बैसवारे की शान हैं। उन्होंने सदैव जनहित को प्राथमिकता दी। बैसवारे क्षेत्र में ही नहीं देश और प्रदेश के कई स्थानों पर उन्होंने शिक्षा और जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। अन्य वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान को सराहा और उन्हें प्रेरणास्रोत बताया। आयोजकों ने उन्हें बड़ी पुष्प माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सुखेंद्र बहादुर सिंह, प्रधानाचार्य जयप्रकाश सिंह, संतोष तिवारी, रमाशंकर वैद्य, दीपक त्रिवेदी, रणवीर सिंह सिसोदिया, बबलू सिंह, दीपक सिंह, भूपेंद्र सिंह, सनी सिंह, शुभम सिंह तमाम लोग मौजूद रहे।

चौरी महुलानी से अस्पताल जाने वाली सड़क 15 वर्षों से खराब

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार क्षेत्र के महुलानी में स्थित सरकारी अस्पताल पर जाने वाली सड़क काफी खराब है। इन दिनों बरसात में खराब सड़क से मरीज और तीमारदारों को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की उदासीनता का दंश हमे झेलना पड़ रहा है। चौरी महुलानी अस्पताल जाने वाली सड़क अभी खड़ंजा ही है। निशांत पाण्डेय, सत्यम आदि ग्रामीणों का कहना है की यह सड़क 15 वर्षो से इसी हालत के है। मरम्मत के अभाव में आवागमन दुरूह हो गया है। जिम्मेदारों से शिकायत के बाद भी सड़क की दशा जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरसीसी सड़क निर्माण और अस्पताल जाने वाले मार्ग पर सोलर लाइट लगाने की मांग की है।

सोने के सिक्कों की आड़ में करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

●साइबर ठगों की शामत, सोने के सिक्कों की आड़ में करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले की साइबर क्राइम थाना और एसओजी टीम की संयुक्त कार्यवाही में बड़ी सफलता हाथ लगी है। एक सुनियोजित ऑपरेशन में पुलिस ने करोड़ों की साइबर ठगी में लिप्त दो अन्तरजनपदीय अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में डिजिटल उपकरण, नकदी और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की है।यह मामला तब सामने आया जब बस्ती निवासी प्रज्जवल गुप्ता, जो बालकराम ज्वेलर्स के नाम से आभूषण का व्यवसाय करते हैं, ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनसे संपर्क कर सोने के सिक्के खरीदे और 2,06,550 रुपये का भुगतान किया, परंतु बाद में यह लेन-देन फर्जी निकला। इस शिकायत पर थाना कोतवाली में एफआईआर संख्या 0033/2025 दर्ज की गई, जिसमें बीएनएस की धारा 318(4), 319(2) और आईटी एक्ट की धारा 66 डी के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

जांच में जुटी साइबर क्राइम थाना बस्ती और एसओजी टीम ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, डिजिटल फुटप्रिंट और ओपन सोर्स इंटेलिजेंस टूल्स की मदद से अपराधियों की लोकेशन ट्रेस की और अंततः अमहट क्षेत्र, थाना कोतवाली बस्ती से दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों गिरोह के सक्रिय सदस्य और ठगी के पूरे तंत्र के संचालन में प्रमुख भूमिका निभा रहे थे।

पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि दोनों अभियुक्त बेहद शातिर और तकनीकी रूप से दक्ष साइबर अपराधी हैं। ये लोग फर्जी सिम कार्ड, म्यूल बैंक खाते और इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करते थे। साथ ही, वे ज्वेलरी की दुकानों से महंगे सोने के सिक्के

खरीद कर वैध लेनदेन का आभास देते थे, और बाद में ट्रांजेक्शन को फर्जीवाड़े में बदल देते थे। इनके काम करने का तरीका इतना चतुर था कि वह आसानी से पुलिस की निगरानी से बच जाते, लेकिन इस बार पुलिस की तेज निगरानी और तकनीकी विश्लेषण ने इनकी चालाकी को मात दे दी।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान श्रीकान्त वर्मा (21 वर्ष), निवासी पटेल नगर, थाना मनकापुर, जनपद गोण्डा और सोनू कुमार (29 वर्ष), निवासी मदनपुरा, थाना खोडारे, जनपद गोण्डा के रूप में हुई है। इन दोनों के कब्जे से 4 महंगे एंड्रॉइड/आईओएस मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल, नकद 2,200 रुपये, 5 फर्जी पासबुक, 10 डेबिट कार्ड, 7 सिम कार्ड, 1 पैन कार्ड, 1 आधार कार्ड, 1 चेक बुक और 1 ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया गया।इस अहम सफलता को साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विकास यादव, निरीक्षक रामकुमार राजभर, प्रभारी एसओजी चन्द्रकान्त पाण्डेय, उपनिरीक्षक रामफल चौरसिया समेत पूरी टीम ने अंजाम दिया, जिसमें कांस्टेबल्स ऋषिदेव त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी, संदीप कुमार, जितेन्द्र यादव, सुजीत यादव, घनश्याम, रूपेश, गौरव, रमेश यादव, अभय उपाध्याय, चन्दन भारती, धर्मेन्द्र, शिवम यादव, संतोष समेत सर्विलांस और एसओजी के अन्य अधिकारी शामिल थे।

बस्ती पुलिस की इस त्वरित और तकनीकी रूप से सुदृढ़ कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि साइबर अपराधी अब कानून की पकड़ से ज्यादा दूर नहीं हैं। यह गिरफ्तारी न केवल एक ज्वेलर को न्याय दिलाने की दिशा में बड़ी सफलता है, बल्कि बस्ती पुलिस की प्रोफेशनलिज्म और तकनीकी क्षमताओं का प्रमाण भी है।

मनरेगा में बजरी घोटाला उजागर, मंडलायुक्त से की गई शिकायत

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। जनपद के विकास खण्ड बस्ती सदर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बनगवां प्रथम में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत चल रहे चक मार्ग निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का खुलासा पत्र में किया गया है। शिकायत कर्ता हरीराम पुत्र रामअवतार ने मंडलायुक्त से लिखित शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि गांव के राजेंद्र यादव के घर से डीह बाबा के स्थान होते हुए बगवा सरहद तक बनने वाले चकमार्ग निर्माण कार्य में कई दिनों से फर्जी हाजिरी लगाई जा रही है और सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। शिकायत में यह भी स्पष्ट किया गया है कि उक्त परियोजना स्थल पर कोई भी निर्माण कार्य नहीं हुआ है न तो मजदूर कार्य पर दिखाई नही दियें। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि ऐसे मामलों में अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार मुमकिन नहीं। क्या बस्ती जिले में मनरेगा सिर्फ कागजों पर चल रही है? सरकार की तमाम घोषणाओं और पारदर्शिता के दावों के बावजूद ज़मीनी हकीकत इससे इतर दिख रही है। अगर परियोजना स्थल पर काम नहीं हुआ,फिर मजदूरों को भुगतान कैसे हुआ? किसके हस्ताक्षर से कार्य पूर्ण दिखाया गया? क्या कहता है प्रशासन अब तक प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। मंडलायुक्त को मिली शिकायत के बाद यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो कई चेहरे बेनकाब हो सकते हैं।

नगर अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने सात परियोजनाओं का किया लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले के आज आदर्श नगर पंचायत नगर में लगभग 1 करोड़ 90 लाख की सात परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने शिवाजी नगर वार्ड स्थित बलगोड़ा में तालाब का जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण कार्य, दीन दयाल नगर वार्ड के फुलवरिया निषाद में सी सी रोड और लोहिया नगर स्थित देवापार में दो सी सी मार्गो का उद्घाटन करते हुए स्थानीय लोगों को बधाई दिया। श्रीमती राना ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण समयबद्ध विकास कार्य नगर पंचायत की प्राथमिकता है। इसके पूर्व वशिष्ठ नगर वार्ड में शांति मेमोरियल हॉस्पिटल की गली, गुरु प्रसाद नगर वार्ड के चुड़सापुर और लक्ष्मी बाई नगर वार्ड स्थित बिरऊपुर में सी सी मार्गो का लोकार्पण स्थानीय गणमान्य लोगों द्वारा कर कर नगर पंचायत में नई परम्परा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह

ने कहा कि नगर को देश के मानचित्र पर स्थापित करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा में नगर पंचायत की भूमिका को रेखांकित किया। श्री राना ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह और सरजू भगत निषाद के सपनों का नगर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर सभासद दिनेश चौरसिया, राज कुमार चौधरी, राजेश पाण्डेय, सत्याम निषाद, अखिलेश यादव, विजय साहनी, विजय जैसवाल, राम सजन यादव, तुलसीराम, भाजपा नेता जगदीश पांडेय, मोहंती दूबे, डॉ अनिल श्रीवास्तव, मोनू पाण्डेय, बिपिन पाण्डेय, चंद्र मणि मिश्रा, जगदंबा पांडेय, विजय श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, पंडित चंद्र धर द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत गोरखर में बड़े पैमाने पर सरकारी धन डकारने की चल रही तैयारी पूर्ण - सूत्र

●सचिव अमरनाथ गौतम की मनमानी / लापरवाही से ग्राम पंचायत गोरखर में मनरेगा मजदूर भूखे पेट रहने को मजबूरजेसीबी मशीन से मनरेगा कार्य होने से मनरेगा मजदूरों को नही मिल पा रहा गांव में रोजगार

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले केविकासखंड सल्टौवा गोपालपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गोरखर में पूर्व में आनलाइन जारी फर्जी मस्टर रोल पूर्ण हो गया है और सचिव अमरनाथ गौतम व टी ए / जेई की मिलीभगत से फर्जी भुगतान कराने की तैयारी पूर्ण हो चुकी है। रोजगार सेवक राम तौल मनरेगा एक्ट की धज्जियां उड़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। कमीशन के चक्कर में बेधड़क मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने में मस्त रहता है। सचिव अमरनाथ गौतम अपने ग्राम पंचायत गोरखर में विकास कार्यो को कराने के बजाएं सरकारी धन लूट करने में सहयोगी बने रहते हैं। सचिव की मनमानी ग्राम पंचायत गोरखर में मनरेगा मजदूरों पर भारी पड़ रही है। मनरेगा मजदूर मनरेगा कार्यो करने के लिए आस लगाये बैठे रहते हैं। ग्राम प्रधान श्री चन्द्र, रोजगार सेवक राम तौल, सचिव अमर नाथ गौतम व तकनीकी सहायक कागज में मनरेगा कार्यो को कराने में जुटे हैं (सूत्रों की माने तो ग्राम पंचायत गोरखर में समय माता मंदिर के सामने अमृत सरोवर निर्माण कार्य पहले जेसीबी मशीन से खुदाई व सफाई कार्य कराया गया था और बाद में ट्रैक्टर ट्राली का भी प्रयोग किया गया था। ठीक उसी प्रकार सुगही तालाब की खुदाई व सफाई कार्य जेसीबी मशीन कराया गया है। चकबंध निर्माण कार्य में भी सड़क के दोनों तरफ एक भी फावड़ा मिट्टी निकल नहीं गई है अतः स्पष्ट है कि चकबंध निर्माण कार्य में मशीनरी यंत्र का प्रयोग हुआ है। वर्तमान समय में तीनों साइडों पर मनरेगा कार्य के नाम पर फर्जी मस्टर रोल जारी है फर्जी फोटो के

सहारे मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाने में रोजगार सेवक राम तौल सफल है (सूत्रों की माने तो फर्जी मस्टर रोल पूर्ण कर तकनीकी सहायक के पास फाइल पहुंची थी तो बेधड़क जे ई ने फर्जी एमबी कर कागज़ात पूर्ण कर लिया। बाद में सचिव अमरनाथ गौतम फर्जी मस्टर रोल पर हस्ताक्षर कर भ्रष्टाचार की नैया पार कर दिया। इन जिम्मेदार अधिकारियों / कर्मचारियों की मनमानी कार्यो से प्रदेश सरकार की साफ - सुथरी छवि धूमिल हो रही है।

रोजगार सेवक रामतौल ,ग्राम प्रधान श्री चंद्र सिंह ,सचिन अमरनाथ गौतम व टी ए / जे ई ने सरकारी धन को डकारने के प्रयास में लगे हुए हैं और लग रहा है कि सरकारी धन को लूटने में सफल हो जायेंगे। जिसमें खंड विकास अधिकारी अनिल यादव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यदि खंड विकास अधिकारी ग्राम पंचायत गोरखर में चल रहे मनरेगा कार्यो की जांच पड़ताल करते तो इतने बड़े पैमाने पर मनरेगा भ्रष्टाचार करने में सचिव अमरनाथ गौतम सफल न होते और सरकारी धन को दुरुपयोग होने से बचाया जा सकता है। जिम्मेदार अधिकारियों / कर्मचारियों के मनमानी कार्यो से प्रदेश सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। अब देखना है कि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल के द्वारा ग्राम पंचायत गोरखर में पूर्ण आनलाइन फर्जी मनरेगा कार्यो हेतु मस्टर रोल का भुगतान हो पाता है या नही जो पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है (सम्मानित समाचार पत्रों में ग्राम पंचायत गोरखर में मनरेगा भ्रष्टाचार की खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी लेकिन खंड विकास अधिकारी सल्टौवा गोपालपुर अनिल यादव समेत अन्य जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले का संज्ञान नहीं लिया था जिससे भ्रष्टाचारियों का मनोबल बढ़ रहा है।

तेज तर्रार मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल के लिए चुनौती बना कप्तानगंज ब्लाक में फर्जी टेंडर भुगतान को रोकना

●घोटाले का मास्टरमाइंड एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव को कई बार सूचना देने के भी फर्जी टेंडर भुगतान मामले का नहीं ले रहे संज्ञान दो वर्षों से विकासखंड कप्तानगंज में कुछ सचिवों द्वारा टेंडर भुगतान में किया जा जमकर लूटपाट

स्वतंत्र प्रभात

बस्ती। बस्ती जिले केविकास खंड कप्तानगंज के अंतर्गत एक ग्राम पंचायत में 05 निविदा / टेंडर का भुगतान फर्जी बिल वाउचर के सहारे हुआ है जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। एडीओ

पंचायत (सहायक विकास अधिकारी) सुशील कुमार श्रीवास्तव की शिथिलता से कुछ सचिवों द्वारा ग्राम पंचायतों के टेंडर / निविदा के प्रकाशन व भुगतान में जमकर लूट खसोट किया जा रहा है। कुछ सचिवों को नौकरी की चिन्ता नही है उनका सीधा मतलब है कि नौकरी चली जाए मंजूर है लेकिन कमीशन न छूटे। अर्थात् उच्च अधिकारियों के आंख में धूल झोंककर सरकारी धन को खाली करने में जुटे हुए हैं (सूत्रों की माने तो सरकारी शासनादेश के अनुसार के एक ग्राम पंचायत में 02 या अधिकतम 03 टेंडर / निविदा का प्रकाशन हो सकता है। जब से विकासखंड हर्रैया से एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव विकासखंड कप्तानगंज पर स्थानांतरित होकर आए हैं तब से सचिव मनमानी तरीके से समाचार पत्रों में टेंडर / निविदा का प्रकाशन कराते हैं और धीरे-धीरे मनचाहा बिल वाउचर बनवाकर भुगतान करते हैं अर्थात् एडीओ पंचायत से दुरभि संधि करके कुछ सचिव सरकारी धन पर डाका डाल रहे हैं। दो वर्षों में लगभग लाखों रुपए से ऊपर का फर्जी भुगतान टेंडर के नाम पर हो चुका है यदि विकासखंड कप्तानगंज में 2 वर्षों में ग्राम पंचायतों में प्रकाशित टेंडर / निविदा की निष्पक्ष जांच हो जाए तो कुछ सचिव व कुछ प्रधानों पर गाज गिर सकती है। उक्त प्रकरण में नवागत खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज ने फोन के माध्यम से बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था लेकिन हम मामला संज्ञान में आ गया है इस प्रकरण की गंभीरता से जांच कराकर दोषी सचिवों व प्रधानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

गंदगी का ढेर नालियां बज बजा रही स्वच्छ भारत मिशन बना दिखावा

●तुलसीपुर ब्लॉक की बदहाल सफाई व्यवस्था उजागर

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर - स्वच्छ भारत मिशन और विशेष संसारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर सरकार और प्रशासन के दावे चाहे जितनी भी बुलंद हो जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है, तुलसीपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। अभियान की हकीकत जानने पर सामने आया की अधिकांश गांव गांव में सफाई कर्मचारी की तैनाती नहीं है, जगह जगह कूड़े के ढेर लगे हैं नालियां बज बजा रही है सामुदायिक शौचालय झाड़ियों में तब्दील हो गए हैं स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आधा दर्जन सफाई कर्मचारी ब्लॉक

मुख्यालय पर ए.डी.यो पंचायत के कार्यालय में लगे है। जिससे गांव के गली मोहल्ले में कूड़ा और गंदगी का अंबार लगा रहता है विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान भी महज कागजों पर चल रहा है स्वास्थ्य विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। कुछ दिन पहले ग्रामीणों द्वारा गांव में सफाई कर्मीयों के न आने के सन्दर्भ में पंचायत विभाग से बात की गई थी, तत्कालीन एडीओ पंचायत नी रिपोर्ट लगाकर मामला रफा-दफा कर दिया शिकायत को गंभीरता से न लेने के कारण अब सफाई कर्मचारियों के हौसले बुलंद है, ना तो कोई निरीक्षण हो रहा है और ना ही कोई कार्यवाही हो रही है गांव की मौजूदा स्थिति यह है कि जगह जगह कूड़े का ढेर मच्छरों का प्रकोप दूषित पानी और खुले में शौच की स्थिति से संक्रमण बीमारी का खतरा बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों को मलेरिया और दस्त जैसी बिमारियों से दो चार होना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख बंद किए हुए हैं स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन प्रशासन से मांग की है की ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता अभियान को गंभीरता से लिया जाए नियमित सफाई की व्यवस्था की जाए अगर प्रशासन नहीं जागा तो संचारी रोग का प्रकोप फैलना तय है। अब देखना यह होगा कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर स्थिति को कब तक नजर अंदाज करते हैं।

संस्था प्रबंधक ने सीएचसी अधीक्षक शुकुलबाजार के साथ किया वृक्षारोपण

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा सीएचसी को हरा भरा बनाना मुख्य उद्देश्य - अधीक्षक सुधीर वर्मा

शुकुलबाजार अमेठी। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि द्वारा अन्तराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस से ही वृक्षारोपण अभियान अनवरत जारी है उसी क्रम में संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शुकुलबाजार पहुंचकर अधीक्षक सुधीर चन्द्र वर्मा के साथ अस्पताल परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण संदेश दिया वहीं अधीक्षक डा सुधीर चन्द्र वर्मा ने समाजसेवी पी के तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए संस्था द्वारा कराए जा रहे कार्यों को पुनीत कार्य बताया प्रत्येक वर्ष पांच सौ से अधिक वृक्षारोपण करने वाले समाजसेवी पी के तिवारी ने कहा कि इस वर्ष वह अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का कोशिश करेंगे जिससे पर्यावरण संरक्षण किया जा सके उनकी इस मुहिम का समाज का प्रत्येक वर्ग सराहना कर रहा है।

बांध में 1.5 किलोमीटर गैप होने से 10 गांवों के लोग परेशान

स्वतंत्र प्रभात

बलरामपुर- के गैसड़ी विकासखंड के सदवापुर गांव के पास बने बांध में लगभग 1.5 किलोमीटर का गैप किसानों की फसल पर भारी पड़ रहा है। भोजपुर उत्तरौला पंप से वजीरगंज डिहवा तक का यह हिस्सा अब तक जमीनी विवाद के कारण नहीं बन पाया। जिसका खामियाजा करीब 10 गांवों के किसान भुगत रहे हैं। किसान कृष्ण कुमार सिंह ने किसान दिवस के दौरान मंच से बताया कि साहब...पिछले एक साल से शिकायत कर रहा हूं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिलता है। बारिश होते ही चार हजार बीघा फसल डूब जाती है। किसान दिवस की अध्यक्षता कर रहे उपनिदेशक कृषि श्याम नारायण राम ने मौके पर मौजूद सरयू नहर खंड के अधिशासी अभियंता और नोडल सिंचाई विभाग को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी संतोष दूबे, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश शर्मा, एलडीएम अमित कुमार, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक अमरेश मणि तिवारी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। कार्यालय में बैठकर तैयार कर ली जाती है रिपोर्ट

रामपुर बगनहा निवासी बच्छराज वर्मा ने लघु सिंचाई विभाग पर घटिया क्वालिटी की सामग्री देने का आरोप लगाया। विशुनापुर के बृजेश विश्वकर्मा ने फ्री सिंचाई कनेक्शन की मांग की। गंगापुर से शशिभूषण शुक्ला ने छुट्टा जानवरों से हो रहे नुकसान पर आवाज उठाई। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने जमकर विरोध दर्ज कराया। उनका आरोप था कि अधिकारी कभी खेतों में आते ही नहीं और ऑफिस में बैठकर समस्या सुलझा देने की झूठी रिपोर्ट भेज देते हैं। इससे नुकसान तो होता ही है, समाधान भी अधूरा रह जाता है।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान को सफल बनाने के लिए अधिवक्ता मध्यस्थ गण की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एक जुलाई से 30 सितम्बर तक राष्ट्र के लिए जनपद में मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने हेतु आज ए0डी0आर0 भवन जनपद न्यायालय परिसर अम्बेडकरनगर में अपर जिला जज / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता की अध्यक्षता में संचालित मध्यस्थता केन्द्र में नियुक्त अधिवक्ता मध्यस्थ गण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, अपर जिला जज / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर द्वारा बताया गया कि अभियान का उद्देश्य न्यायालय में लम्बित मामलों को सुलह समझौता के माध्यम से निस्तारित करवाते हुए पक्षकारों को लाभ दिलवाना है। अभियान के अंतर्गत दिनांक एक जुलाई से इकत्तीस जुलाई तक अधिक से अधिक मामलों को न्यायालयों द्वारा सुलह समझौता हेतु चिन्हित कर प्रेषित किया जायेगा एवं निम्नलिखित प्रकार के लम्बित मामलों को सुलह- समझौते के माध्यम से निस्तारण हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर में सन्दर्भित किया जायेगा- वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, चेक बाउंस के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, सेवा विवाद के मामले, शमनीय अपराध के मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, ऋण वसूली के मामले, सम्पत्ति के बंटवारे से सम्बन्धित मामले, बेदखली से सम्बन्धित मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले एवं अतिरिक्त अन्य उपयुक्त दीवानी मामले जिसमें समाधान / सुलह की प्रबल सम्भावना हो, को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर में जनपद के विभिन्न न्यायालयों द्वारा सुलह-समझौते हेतु सन्दर्भित किया जायेगा। मध्यस्थता अभियान के अंतर्गत पक्षकारों को यह भी सुविधा है कि वे अपने मुकदमें की सुनवाई के लिए मध्यस्थता हेतु वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभाग कर सकते हैं। इस बैठक में चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, श्रीमती सुमन, हरि गोविन्द यादव, प्रमोद कुमार सिंह, चन्द्र भूषण वर्मा एवं श्रीराम, अधिवक्ता मध्यस्थ उपस्थित रहे। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बैठक में उपस्थित अधिवक्ता मध्यस्थ गण को अभियान की सफलता हेतु अधिक से अधिक संख्या में पत्रावलियों को सुलह समझौता के माध्यम से निस्तारित करवाने हेतु निर्देशित किया गया एवं अभियान के विषय में अपने स्तर पर प्रचार-प्रसार किए जाने एवं अभियान से सम्बन्धित प्रचार सामग्री पैम्फलेट एवं पोस्टर वितरित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

अधिकारियों की निगरानी में 10 अगस्त तक कराया जाय नि:शुल्क राशन वितरण

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर। जिलापूर्ति अधिकारी शिवाकांत पाण्डेय ने बताया कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उत्तर प्रदेश जवाहर भवन, लखनऊ के द्वारा निर्देशित किया गया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह अगस्त, 2025 के लिए आवंटित खाद्यान्न का वितरण उचित दर विक्रेताओं द्वारा ई-वेइंग लिंक्ड ई-पॉस मशीनों के माध्यम से प्रत्येक अन्त्योदय राशनकार्ड धारकों को प्रति राशन कार्ड (गेहूँ 14 कि0ग्रा0, चावल 21 कि0ग्रा0) कुल 35 कि0ग्रा0 खाद्यान्न तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्ड धारकों को प्रति यूनिट (गेहूँ 2 कि0ग्रा0, चावल 3 कि0ग्रा0) कुल 05 कि0ग्रा0 खाद्यान्न दिनांक - 20 जुलाई से दिनांक-10 अगस्त तक नि:शुल्क वितरण पर्यवेक्षणीय अधिकारियों के समक्ष कराया जाय। निदेशालय द्वारा यह भी निर्देश दिया गया हुआ कि जिलापूर्ति अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षक के साथ-साथ अन्य अधिकारियों द्वारा भी भ्रमणशील रहकर वितरण की सतत मानीटरिंग की जायेगी तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण योजना को सफलीभूत कराये जाने के उद्देश्य से जन सामान्य में भी प्रचार-प्रसार किया जाय।

संक्षिप्त खबरें

तेज हवाओं व बारिश से निगोहा उपकेंद्र के पचासों गांवों की लाइने हुई ब्रेकडाउन घण्टो बाधित रही विद्युत आपूर्ति

निगोहां- तेज हवाओं व रुक रुक कर दिनभर हुई बारिश से देर शाम निगोहा विधुत सबस्टेशन के निगोहा फीडर सहित कई अन्य फीडर ब्रेकडाउन होने से विधुत आपूर्ति घण्टो बाधित रही वही निगोहा कस्बे

से गांव जाने वाले मार्ग पर एक पोल धराशायी हो गया कई जगहों पर पेड़ो की डाले टूट कर एबीसी लाइनों पर आ जाने से 11 हजार केबी लाइने ब्रेकडाउन हुई वही बीती रात हुई बरसात के कारण रघुनाथ खेड़ा फीडर के अंतर्गत आने वाले दयालपुर रघुनाथ खेड़ा मदारी खेड़ा हरि कुँवर खेड़ा राती अहिनिवार वीरसिंह पुर बेरी बरवलिया बेनीगंज आदि गांवों में 6 घण्टे आपूर्ति बाधित रही इस दौरान अवर अभियंता विजय शर्मा लेसा टीम के साथ देर रात तक लाइन की पेट्रोलिंग कराई तब जा कर रघुनाथ खेड़ा फीडर की आपूर्ति नार्मल हो सकी। वही गुरुवार को लेसा के कर्मी ब्रेकडाउन हुई लाइनों की दिनभर पेट्रोलिंग करते रहे।

रामू राजवंशी बने अटल भाजपा सहयोगी मंच युवा प्रदेश मीडिया प्रभारी

मिश्रिख (सीतापुर)- तहसील क्षेत्र मिश्रिख के ग्राम माड़र के मजरा अटारी के रहने वाले दैनिक भास्कर के मिश्रिख तहसील प्रभारी रामू राजवंशी को अटल भाजपा सहयोगी मंच का प्रदेश मीडया प्रभारी युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक वेद पांडेय,दीपक मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा अटल भाजपा सहयोगी मंच,प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश नितेश कुमार शुक्ला समर्थक कार्यसमिति अटल भाजपा सहयोगी मंच के द्वारा नियुक्ति पत्र सौपा गया।युवा पत्रकार रामू राजवंशी को प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर पत्रकार और क्षेत्रीय लोगो मे खुशी की लहर दौड़ गई।रामू राजवंशी का कहना है कि सरकार की जो महत्वपूर्ण योजनाएं है वो हर गरीब व्यक्ति तक पहुँचे।ये उनकी प्राथमिकता रहेगी।

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 के अन्तर्गत निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के लिए बैठक संपन्न

रायबरेली - त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के लिए बैठक कलेक्ट्रट सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने की। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विनायक शुक्ला ने मा0 राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के दायित्व, कर्मचारियों, बूथ लेवल के कर्मचारी व पर्यवेक्षक की नियुक्ति आदि की भी जानकारी दी गयी। अपर जिलाधिकारी (प्र) सिद्धार्थ ने निर्देश दिया की तहसील और ब्लॉक स्तर पर कर्मचारियों की नियुक्त कर उनकी बैठक करा ली जाए। सभी उपजिलाधिकारी पंचायत चुनाव की गंभीरता को देखते हुए लगातार इस पर नजर बनाए रखेंगे। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बृजेश तिवारी ने बीएलओ मोबाइल ऐप के संचालन की विस्तृत जानकारी बैठक में दी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, सभी उप जिलाधिकारी,तहसीलदार, सभी खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मोहनलालगंज कस्बे मे गोसाईगंज मार्ग पर जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त

● सोशल मीडिया पर खबर वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस ।

गोसाईगंज मार्ग पर अतिक्रमण हटवाने के लिए चौकी प्रभारी ने दिए सख्त निर्देश ।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज, लखनऊ- मोहनलालगंज कस्बे की गोसाईगंज मार्ग पर अतिक्रमण और ट्रैफिक जाम की समस्या लंबे समय से स्थानीय लोगों के लिए सिरदर्द बनी हुई थी। फुटपाथों पर अवैध दुकानें, ई-रिक्शा की मनमानी पार्किंग और सड़क पर लगे ठेले सब मिलकर एक अराजक स्थिति पैदा कर रहे थे।स्थानीय पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर यह सब होता रहा, लेकिन सोशल मीडिया पर संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया।एसीपी रजनीश वर्मा व कोतवाली प्रभारी दिलेश कुमार सिंह के निर्देश पर चौकी प्रभारी बीर बहादुर दुबे ने गोसाईगंज मार्ग पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दी सख्त हिदायत उन्होंने नाई फूल, फल, पान मसाला की दुकानें लगाने वाले पटरी दुकानदारों और ऑटो चालकों को चेतावनी दी।अब से कोई भी व्यक्ति सड़क पर ठेले या दुकानें नहीं लगाएगा। अतिक्रमण की स्थिति दोबारा पाई गई तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने यह भी कहा कि अवैध कब्जे यातायात बाधित करते हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत किया, लेकिन साथ ही यह भी मांग की कि यह अभियान एक दिन की खानापूरी तक सीमित न रहे।लोगों का कहना है कि यदि नियमित निगरानी और कड़ाई बरती जाए, तभी मोहनलालगंज की सड़कें जाम से मुक्त हो सकेंगी।

नगराम क्षेत्र से युवक लापता, मानसिक स्थिति ठीक न होने के चलते परिजन चिंतित

●...... पुलिस तलाश में जुटी आखिरी बार लखनऊ के कठौता क्षेत्र में मिली लोकेशन, मोबाइल फोन स्विच ऑफ ।

स्वतंत्र प्रभात

नगराम, लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के गुमवा खेड़ा गांव निवासी एक युवक बुधवार दोपहर बाद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक की मानसिक स्थिति पहले से ही ठीक नहीं बताई जा रही है। परिजनों द्वारा की गई काफी खोजबीन के बावजूद जब युवक का कोई सुराग नहीं मिला तो नगराम थाने में इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगराम क्षेत्र के बहरौली मजरा गुमवा खेड़ा गांव निवासी सुरेश चंद्र वर्मा का 28 वर्षीय बड़ा बेटा आशीष कुमार उर्फ बंटी बुधवार दोपहर को बिना किसी को बताए घर से निकला और वापस नहीं लौटा। छोटे भाई हिमांशु वर्मा ने नगराम थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि आशीष की मानसिक स्थिति कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी। जब वह अचानक घर से गायब हुआ तो परिजनों ने रिश्तेदारों सहित संभावित सभी स्थानों पर उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका।बताया गया कि युवक का मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ जा रहा है, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई है। थानाध्यक्ष नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि गुमशुदगी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और युवक की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि बुधवार शाम लगभग 5 बजे युवक की आखिरी मोबाइल लोकेशन लखनऊ के कठौता क्षेत्र में पाई गई थी, जिसके बाद से उसका मोबाइल बंद हो गया है।पुलिस राजधानी लखनऊ सहित आसपास के जनपदों में भी युवक की तलाश कर रही है और संबंधित थानों को जानकारी दे दी गई है। वहीं परिजन युवक की सकुशल वापसी की प्रार्थना कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने भी पुलिस से युवक की जल्द से जल्द तलाश करने की मांग की है।

केजीएमयू के प्रो.अर्पित को स्पेन के मैड्रिड में किया जाएगा पुरस्कृत

●इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जरी एंड ट्रॉमेटोलॉजी द्वारा दिया जाएगा पुरुस्कार

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में केजीएमयू एक बार फिर से चर्चा में है। इस बार यहां के अर्थोपेडिक्स सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर दुनिया में केजीएमयू और भारत का नाम रौशन किया है। जी हां केजीएमयू के अर्थोपेडिक्स सर्जरी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अर्पित को इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जरी एंड ट्रॉमेटोलॉजी द्वारा पुरुस्कार के लिए चुना गया है। केजीएमयू के ऑर्थोपेडिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अर्पित सिंह द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक शोध लेखों को सितंबर में स्पेन, मैड्रिड में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जरी एंड ट्रॉमेटोलॉजी ऑर्थोपेडिक वर्ल्ड कांग्रेस में प्रस्तुति के लिए स्वीकार कर लिया गया है। इस संदर्भ में एक पत्र वैज्ञानिक समिति द्वारा भेजा गया है। वैज्ञानिक लेखों में डॉ. अर्पित द्वारा केजीएमयू में पहली बार की गई कुछ दुर्लभ और अभिनव सर्जरी शामिल हैं। उनके कुछ रोगियों ने घुटने की सफल रोबोटिक सर्जरी और अच्छी कार्यात्मक रिकवरी की और केजीएमयू के प्रति आभार व्यक्त किया। ज्ञात हो कि देश विदेश से उक्त पुरस्कार के लिए मात्र 4 लोगों को चुना गया है डॉ अर्पित उसमें से एक हैं। डॉ सिंह ने इस उपलब्धि के लिए अपने विभाग और केजीएमयू के प्रति आभार व्यक्त किया है।

युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने युवा समाजसेवी रिषभ सेन दीप

●युवा भीड़ नहीं नेतृत्व है - रिषभ सेन

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली। संघर्षो के साए में इतिहास हमारा पलता है, जिस ओर जवानी चलती है उस ओर ज़माना चलता है। सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों को लेकर रायबरेली के युवा समाजसेवी रिषभ सेन दीप की अपनी एक अलग पहचान है। माध्यम वर्ग से होने के बावजूद भी सामाजिक काम को अंजाम तक पहुंचाते हैं। रिषभ सेन अपनी पॉकेट मनी और अपनों मित्रों के सहयोग से सामाजिक सरोकार से जुड़े काम को करते हैं। रिषभ सेन निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा करते हैं और इसी निस्वार्थ भावना से समाज के लिए जीना भी चाहते हैं। यही वजह है कि रिषभ सेन को समाजसेवी संस्था जीत वेलफेयर फाउंडेशन,उ0प्र0 ने सम्मान पत्र से सम्मानित किया साथ ही साथ समाज के प्रति उनके जज्बे एवं कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए उन्हें संगठन से भी जोड़ा।

रायबरेली के तिलक नगर वार्ड संख्या-14 गोरा बाजार निवासी सुधीर कुमार सेन के पुत्र रिषभ सेन दीप कम उम्र से ही सामाजिक कार्यों में दिलचस्पी लेने लगे थे। युवा अवस्था आते-आते सामाजिक कार्यों में पूरी तरह से रच-बस गए।

रिषभ ने बताया कि लोगों के हित में लगातार काम करते आ रहे हैं। कुछ कर गुजरने का जज्बा और जूनून हो तो कठिन काम भी आसान हो जाता है। समाज में मेरा कर्म ही मेरी पहचान है। इसी कर्म के ज़रिए से समाजवादी पार्टी में मुझे एक स्थान प्राप्त हुआ जहां रहकर मैं निरन्तर समाज की सेवा कर रहा हूं, और हमेशा के लिए निस्वार्थ भावना से समाज के लिए जीना चाहता हूं। उम्र भले ही कम है, लेकिन समाज के लिए कुछ करने की ललक हमेशा प्रेरित करती है। इंसान की लगन और मेहनत उसे सफलता के मुकाम तक ज़रूर ले जाती हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में नवविवाहिता का छत के कुंडी के सहारे साड़ी के फंदे से लटकता हुआ शव मिला, तीन पर केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम मिठौवा में एक नवविवाहिता की छत की कुंडी के सहारे साड़ी के फंदे से लटकता हुआ शव मिला ।मृतका की पहचान सोनू की पत्नी रंजना 21 वर्ष के रूप में हुई। बांसी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भावपुर निवासी राधेश्याम की बेटी रंजना(21) की शादी 29 अप्रैल 2025 को मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के मिठौवा गांव निवासी सोनू पुत्र कम्मल के साथ हुआ था। बुधवार की रात रंजना की, घर के छत की कुंडी के सहारे गले में साड़ी का फंदा से लटकता हुआ शव बरामद हुआ। घटना की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । मृतका के मायके वालों को घटना की सूचना मिलते ही मिठौवा गांव पहुंचकर मृतका के पिता राधेश्याम ने पुलिस को तहरीर देकर मृतका के पति सोनू पुत्र कम्मल, ससुर कम्मल व सास सहित तीन लोगों के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष नारायन लाल श्रीवास्तव ने बताया कि मृतका के पिता राधेश्याम के लिखित तहरीर पर पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, पुलिस जांच में जुटी हुई है,पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय शिक्षक संघ इकाई मोहनलालगंज के कार्यवाहक अध्यक्ष बने आलोक शुक्ला

●......शिक्षकों ने किया जोरदार स्वागत ।

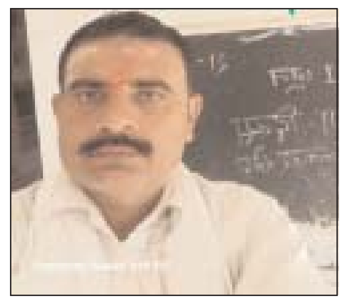

स्वतंत्र प्रभात

निगोहा, लखनऊ- कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय निगोहा में गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ इकाई मोहनलालगंज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के सभी पदाधिकारी, शिक्षक प्रतिनिधि व सदस्य शिक्षकगण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।बैठक की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हाल ही में दिवंगत हुए पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उनके योगदान को याद किया। उनके आकस्मिक निधन से रिक्त हुए अध्यक्ष पद पर नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई।

सर्वसम्मति से शिक्षकों ने आलोक कुमार शुक्ला को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, इकाई मोहनलालगंज का नया अध्यक्ष चुना। जैसे ही उनका नाम घोषित हुआ, उपस्थित शिक्षकों और पदाधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। माहौल उत्साह और ऊर्जा से भर गया।नवनियुक्त अध्यक्ष आलोक शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा, ÷यह मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी का क्षण है। मैं सभी शिक्षक साथियों के विश्वास और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता हूं। संगठन को और अधिक मजबूत बनाना, शिक्षकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और उनके हक के लिए संघर्ष करना मेरी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे पूर्व अध्यक्ष स्व. सुशील मिश्रा द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए संघ के कार्यों को निष्ठा से आगे बढ़ाएंगे।

बैठक में संगठन के अन्य पदाधिकारीगण मंत्री, कोषाध्यक्ष, ब्लॉक प्रतिनिधि सहित अनेक शिक्षकों ने अपने विचार व्यक्त किए और नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं।इस मौके पर क्षेत्रीय शिक्षकों ने कहा कि आलोक शुक्ला एक सक्रिय और ईमानदार शिक्षक नेता हैं, और उनके नेतृत्व में संघ को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक क्वींस इंटर कॉलेज में संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 17 जुलाई, 2025 शिक्षा भवन के कार्यालयों विशेषतया जिला विद्यालय निरीक्षक एवं लेखा विभाग के कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने तथा सिटीजन चार्टर को प्रभावी ढ़ंग से लागू किए जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध संघर्ष किया जायगा। संघर्ष के तीसरे चरण में दिनांक 20 अगस्त, 2025 को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना होगा। धरने के पश्चात जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। यह निर्णय आज जिला संगठन के अध्यक्ष अनिल शर्मा की अध्यक्षता में क्वीन्स इण्टर कालेज में अपरान्ह 02:00 बजे सम्पन्न जिला कार्यकारिणी की बैठक में किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा. आर.पी. मिश्र ने बताया कि लगभग दो वर्षो के संघर्ष के बाद भ्रष्टाचार पर अकुंश लगाए जाने के लिए शिक्षा भवन के कार्यालयों में सिटीजन चार्टर लागू किया गया। जिला संगठन द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक एवं लेखा विभाग के कार्यालयों में सिटीजन चार्टर का प्रभावी ढ़ंग से लागू किए जाने की अनेक बार मांग की गई किन्तु सम्भवतः भ्रष्ट कर्मचारियों के दबाव में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सिटीजन चार्टर को उनके कार्यालयों एवं विद्यालयों में प्रभावी ढ़ंग से लागू नही किया गया जिससे भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलन्द है। यहां तक कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयो विशेषतया लेखा विभाग में दलाल सक्रिय है जिन्हें कार्यालय के सी.सी.टी.वी में सहजता से देखा जा सकता है। डा. मिश्र ने कहा कि जिला कार्याकारिणी ने निर्णय किया है भ्रष्टाचार के विरोध मे तथा सिटीजन चार्टर लागू कराने की मांग को लेकर जिला संगठन चरणबद्ध संघर्ष करेगा। पहले चरण में विद्यालय इकाइयों में दिनांक 19 जुलाई से 19 अगस्त तक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा जिसमें प्रदेशीय पदाधिकारी एवं सदस्य तथा जनपदीय पदाधिकारी विद्यालय इकाइयों का दौरा करेगें। दूसरे चरण में दिनांक 21 जुलाई, 2025 से 31 जुलाई, 2025 तक विद्यालय इकाइयों मे किसी दिन मध्यावकाश में बैठक कर शिक्षा भवन के कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने तथा सिटीजन चार्टर को प्रभावी ढ़ंग में लागू किए जाने की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे, जिन्हें मा. मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा। डा. मिश्र ने बताया अगस्त के प्रथम सप्ताह में जिला संगठन की बड़ी बैठक होगी और उसमें संघर्ष के दो चरणों की समीक्षा की जाएगी और 20 अगस्त को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर आयोजित होने वाले धरने को प्रभावशाली बनाने की रणनीति निर्धारित की जाएगी। जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा एवं जिलामंत्री महेश चन्द्र ने बताया कि सिटीजन चार्टर को प्रभावी ढ़ंग से लागू कराने के लिए विद्यालयो के शाखाध्यक्षों/मंत्रियों से दिनांक 05 अगस्त तक शिक्षा भवन के कार्यालयों में प्राप्त कराये गए अवशेष, पदोन्नति, चयन वेतनमान, प्रोन्नत वेतनमान, जी.पी.एफ अग्रिम, मृतक आश्रित की नियुक्ति, वेतन निर्धारण आदि प्रकरणों की सूचना एकत्र की जाएगी और उसके पश्चात सिटीजन चार्टर के उल्लंघन पर जिला संगठन द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। आज की बैठक में प्रमुख रूप से प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा. आर.पी.मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चन्द्र, सदस्य राज्य परिषद अनुराग मिश्र, विश्वजीत सिंह, सदस्य राज्य कार्यकारिणी डा. मीता श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष आर.पी.सिंह, आय-व्यय निरीक्षक आलोक पाठक, संघर्ष समिति के संयोजक इनायत उल्लाह खां, समिति संयोजक इन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र बहादुर सिंह, एस.के. सिंह, विनीता श्रीवास्तव, विनीत कुमार तिवारी, मो. सिराज अशरफ, संयुक्त मंत्री डा. अनिल तिवारी, डा. शैलजा गुप्ता, सुमित अजॅाय दास, मुनीर अहमद, गायत्री दीक्षित, क्षेत्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार त्रिपाठी, रजनेश कुमार शुक्ल, डा. काजी खलीकुर्रहमान, क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानाचार्या रीता टण्डन, समिति संयोजक एवं प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा, समिति संयोजक हम एवं प्रधानाचार्य एन.एच. पठानियां, नरेंद्र कुमार पाठक, बृजेश त्रिपाठी, दिनेश कुमार पांडे, रचना गुप्ता, अलका शुक्ला, ममता श्रीवास्तव, उपेंद्रनाथ मिश्र, रश्मि मौर्या, प्रेम शंकर शास्त्री, सैयद वसीम महमूद के साथ अन्य सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संवेदनशीलता और सतर्कता की मिसाल बनी निगोहां पुलिस, युवक की बचाई जान

●.......पेड़ से फांसी लगाने जा रहे युवक को समय रहते पुलिस ने उतारा, ग्रामीणों ने जताया आभार ।

स्वतंत्र प्रभात

निगोहां, लखनऊ- निगोहां थाना क्षेत्र के उतरावां का मजरा गौस नगर में एक युवक द्वारा नशे की हालत में आत्महत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। पत्नी से विवाद के बाद युवक ने पेड़ से फांसी लगाने की कोशिश की, लेकिन मौके पर समय रहते पहुंची पुलिस ने उसकी जान बचा ली। यह पूरी घटना गुरुवार शाम की है, जब सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए युवक की जान बचाई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौस नगर निवासी 28 वर्षीय प्रीति, पुत्री सहदेव का विवाह नितिन, पुत्र स्वर्गीय रामप्रसाद निवासी दाऊदपुर, थाना मोहनलालगंज से हुआ था। प्रीति ने बताया कि उसका पति नशे का आदी है और नशा करके आए दिन उसके साथ मारपीट करता है व अशोभनीय भाषा का प्रयोग करता है।बीते मंगलवार को रात्रि करीब आठ बजे नितिन ने नशे की हालत में घर पहुंचकर खाना खाने को लेकर प्रीति के साथ मारपीट की। इसके बाद प्रीति ने अपने मायके वालों को सूचना दी, जिस पर उसके पिता मौके पर पहुंचकर उसे अपने घर ले आए।गुरुवार की शाम नितिन एक बार फिर नशे में धुत होकर प्रीति के मायके पहुंचा और वहां भी परिजनों के सामने गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर वह घर के पास ही एक पेड़ पर रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या की धमकी देने लगा और फांसी लगाने का प्रयास किया।इस दौरान प्रीति के परिजनों ने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही निगोहां थाना पुलिस के सिपाही विपिन कुमार और राज करण मौके पर पहुंचे और पेड़ पर लटकते नितिन को समय रहते फंदे से उतारकर उसकी जान बचा ली। कुछ ही देर में 112 की टीम भी मौके पर पहुंच गई।पुलिस ने युवक को तत्काल थाने ले जाकर उचित कार्रवाई शुरू की।थाना प्रभारी निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामला संज्ञान में लिया गया है और विधिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है।इस घटना के बाद गांव में पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की जमकर सराहना हो रही है। ग्रामीणों व परिजनों ने भी पुलिस का आभार जताया।

निलंबन के विरोध में लेखपाल संघ ने तहसील परिसर डुमरियागंज में किया धरना, प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील परिसर में गुरुवार को लेखपाल संघ ने 29 लेखपालों के कथित अनियमित स्थानांतरण और तीन लेखपालों के निलंबन के विरोध में जोरदार धरना प्रदर्शन किया। लेखपाल संघ के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष रणधीर यादव ने बताया कि 29 लेखपालों का स्थानांतरण किया गया था, जिसकी जानकारी किसी भी लेखपाल को औपचारिक रूप से नहीं दी गई थी। इसके विरोध में संघ धरना प्रदर्शन किया है। रणधीर यादव के अनुसार लेखपालों को मौखिक रूप से स्थानांतरण की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होंने आपस में प्रभार हस्तांतरित कर दिया था। इसके बावजूद, इसी आरोप में उनके तीन साथी लेखपालों को निलंबित कर दिया गया, जिससे संघ में भारी आक्रोश है। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण कार्रवाई बताते हुए निलंबन तत्काल रद्द करने की मांग की।धरने पर बैठे लेखपालों ने प्रशासन के इस रवैये की कड़ी निंदा की और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गई तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। इस धरने से तहसील के कामकाज पर भी असर पड़ा।

वर्तमान परिपेक्ष्य में युद्ध का बदलता स्वरूप

वर्तमान में विश्व के कई देशो के मध्य युद्ध का वातावरण व्याप्त है। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध हुआ वह पिछले दो सालों से चल ही रहा था की दूसरी तरफ ईरान और इजराइल का युद्ध भी सीज़ फायर के बाद भी चालू है। इसी बीच पाकिस्तान के द्वारा भारत के पहलगांव ;कश्मीरद्ध पर हमला किया गया जिसके बाद भारत ने भी हवाई हमले के द्वारा पाकिस्तान को जबाव दिया और भारत व पाकिस्तान के बीच की तनातनी और बढ़ गई। अब विश्व में जो परिस्थितियों उत्पन्न हो रही हैंएउनके चलते यह कहना बिल्कुल भी अनुचित नहीं होगा कि परमाणु अस्त्रों से संपन्न राष्ट्र अगर इस तरह युद्ध के मैदान में कूदते हैं तो परिणाम भयंकर हो सकते हैं।

युद्ध के मायने आखिर क्या हैं

युद्ध एक ऐसा सशस्त्र संघर्ष है जो दो या दो से अधिक समूहों के बीच होता है। युद्ध दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक है। परन्तु युद्ध कभी भी सिर्फ हाथों में हथियार ले लेने से ही शुरू नहीं हो जाता। युद्ध का जन्म किसी व्यक्ति विशेष के एक विचार से होता है। कई दफ़ह ये विचार संपूर्ण राष्ट पर हावी हो जाते है। तो कई दफ़ह जमीन की लालचए आत्म सुरक्षा का भयए तो कई दफ़ह अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी भयंकर युद्धों की वजह बनता है।

आधुनिक युद्ध और भारत का बदलता स्वरूप

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संपूर्ण विश्व वायु सेवा की शक्ति से बखूबी परिचित हो गया था । इसके बाद 1948 में भारत को जब स्वतंत्रता की प्राप्ति हई तो उसके तुरंत बाद ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया और भारत को उसे जवाब देने के साथ ही युद्ध में उतरना पड़ा। इस तरह से पाकिस्तान के साथ भारत ने चार युद्ध लड़े जिसमे पहला 1948 मेंए दूसरा 1965 में तीसरा 1971 मे और चौथा जो कि कारगिल युद्ध हआ था 1998 में लड़ा गया इसी के साथ भारत और चीन के बीच भी 1962 में युद्ध लड़ा गया था।

ईरान.इजराइल युद्ध और वर्तमान परिपेक्ष्य

ईरान के अब तक का युद्ध इतिहास खून खराबे से भरा हुआ है। गाजा पट्टी का युद्ध हो या खाड़ी युद्धए युद्धों ने इन दोनों देशों के मध्य तनाव वृद्धि ही की है।

अब 2024 में इजरायल.ईरान के मध्य का ये शीत युद्ध सीधे संघर्ष में ही बदल गया। और 1 अप्रैल कोए इजरायल ने दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर बमबारी कीए जिसमें कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए। इस हमले के जवाब मेंए ईरान और उसके प्रतिनिधियों ने 13 अप्रैल को इजराइल के अंदर हमले शुरू कर दिए। ईरान और इजराइल के बीच 1979 से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं और आधुनिक संबंध शत्रुतापूर्ण हैं। शीत युद्ध के अधिकांश समय में ये संबंध सौहार्दपूर्ण थेए लेकिन ईरानी क्रांति के बाद ये और भी खराब हो गए और 1991 में खाड़ी युद्ध की समाप्ति के बाद से ये खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण हो गए हैं। इन्हें ईरान .इज़राइल प्रॉक्सी संघर्षए या ईरान.इज़राइल शीत युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। ईरान में जो शिया समुदाय का हुआ विकास इसके बाद इस्लामी खिलाफत का भी विस्तार हुआ। ख़लीफ़ा उमर के शासन में इस्लाम का प्रसार और क्षेत्रीय विस्तार लगातार हुआ। इस्लामी एकता और धर्म के नाम पर लड़ाई होती रहीं।

कालांतर में फारसी संस्कृति को फॉलो करने वालों ने इस्लाम को आत्मसात करना शुरू कर दिया। इसका लाभ यह हुआ कि फ़ारसी भाषाए साहित्य और प्रशासन को इस्लामी काल में नया जीवन मिला। इस तरह ईरान में शिया इस्लाम का विकास धीरे.धीरे हुआए जो बाद में इस्लामी दुनिया में विशिष्ट पहचान बना पाया। आज शिया कम्युनिटी पूरी दुनिया में निवास करती है। वर्तमान ईरान और इसके सुप्रीम लीडर खोमेनेई इसी शिया समुदाय के धार्मिक नेता भी हैं।

ईरान और इज़राइल का छद्म युध्द

ईरान और इज़राइल के बीच चल रहा प्रॉक्सी संघर्ष है। इज़राइली.लेबनानी संघर्ष में ए ईरान ने लेबनानी शिया मिलिशिया का समर्थन किया हैए विशेष रूप से हिज़्बुल्लाह का । इज़राइली.फिलिस्तीनी संघर्ष में ए ईरान ने हमास जैसे फिलिस्तीनी समूहों का समर्थन किया है । 2024 में प्रॉक्सी संघर्ष दोनों देशों के बीच सीधे टकराव में बदल गया है। और जून 2025 मेंए ईरान.इज़राइल युद्ध शुरू हुआए जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल के शामिल हो जाने से अंतरिम परिणामों की भयंकरता से संपूर्ण विश्व में अराजकता का माहौल व्याप्त हो गया है।

पूर्व में जब अमेरिका समेत ढेर सारे पश्चिमी देश इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के साथ ईरान के खिलाफ साये की तरह खड़े थेए वही अमेरिका सद्दाम हुसैन को बंकर से निकालकर मारने से पीछे नहीं हटा। आज जी.7 देश ईरान के खिलाफ खड़े हैंए कोई बड़ी बात नहीं कि कल वे किसी और पाले में खड़े हो जाएंगे । क्यूंकि भले ही सत्ता बदल जाए। यहां न कोई किसी का स्थाई दोस्त हैए न ही दुश्मन। सबके अपने हित हैंण् अपनी.अपनी सुविधा के अनुसार ही सारे देश चालें चल रहते है।

डॉ0अंशुल उपाध्याय

यू-आकार की कक्षा में बैठने से गर्दन में दर्द हो सकता है

मलयालम फिल्म, स्थानार्थी श्रीकुट्टन में चरमोत्कर्ष दृश्य से एक क्यू लेते हुए, दक्षिण भारत के कई स्कूल कक्षाओं में यू-आकार के बैठने की व्यवस्था को अपना रहे हैं। कर्नाटक की एक बाल अधिकार कार्यकर्ता नरसिम्हा राव ने राज्य के शिक्षा मंत्री मधु बांगरप्पा से औपचारिक अनुरोध किया है, जिसमें अर्ध-परिपत्र बैठने के पैटर्न को लागू करने का आग्रह किया गया है। राव ने जोर देकर कहा कि यह बैठने का विन्यास छात्रों के बीच समावेशिता और समान भागीदारी को बढ़ावा देता है, इसके अलावा पीठ की बेंच को खत्म करता है। हालांकि, डॉक्टर इस तरह के बैठने की व्यवस्था के कारण मस्कुलोस्केलेटल और आर्थोपेडिक स्वास्थ्य के बारे में चिंता जताते हैं। ÷10-12 वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चों के लिए, लंबे समय तक पाठ के दौरान मुड़े हुए सिर के साथ बैठने से मांसपेशियों के मुद्दे और गर्दन में दर्द हो सकता है। ष्ह्रुद्यहृद्ध गर्ग ने कहा, चिंता 10-16 वर्ष की आयु के किशोरों के लिए अधिक प्रासंगिक है, जब अकादमिक मांग तेज होती है, तो लंबे समय तक बैठे अध्ययन की आवश्यकता होती है बैठने की व्यवस्था शिक्षकों को भी प्रभावित कर सकती है। ÷यह उन शिक्षकों पर संभावित शारीरिक तनाव पैदा करता है जिन्हें छात्रों के साथ आंखों के संपर्क को बनाए रखने के लिए अपने शरीर को बार-बार मोड़ने की आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, शिक्षक के करीब बैठे छात्र आगे की तुलना में बेहतर सुनते हैं, ÷डॉ अंकुश गर्ग ने कहा हालांकि, उन्होंने बताया कि यह छोटे बच्चों को प्रभावित नहीं कर सकता है - जिनकी आयु 5-10 वर्ष है - जितना कि उनकी रीढ़ काफी लचीली है और उनकी मांसपेशियां अभी भी विकसित हो रही हैं। एक पूर्व बैकबेंचर, डॉ। एक बाल रोग विशेषज्ञ का मानना है कि यू-आकार की बैठने की व्यवस्था संभावित रूप से अपवर्तक त्रुटियों को याद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक बैठने की व्यवस्था के कई फायदे हैं। ÷पीठ पर बैठे बच्चे जो बोर्ड को पढ़ने के लिए संघर्ष करते हैं, उन्हें अक्सर शुरुआती नेत्र परीक्षण मिलते हैं। पढ़ने में कठिनाई की उनकी स्व-रिपोर्टिंग अक्सर आंखों की परीक्षाओं का संकेत देती है। मॉन्टेसरी सेटिंग्स में, जहां छात्र टेबल के चारों ओर बैठते हैं, अपवर्तक त्रुटियां किसी का ध्यान नहीं जा सकती हैं क्योंकि दूरी दृष्टि की कम आवश्यकता है। डॉ। अंकुश गर्ग ने कहा कि इस बैठने की व्यवस्था को शुरू करने वाले स्कूलों में बच्चे समय-समय पर सिर हिला सकते हैं, डॉ। अंकुश गर्ग ने सुझाव दिया कि ÷शिक्षक भी प्रत्येक अवधि के बाद बच्चों को अपनी सीट बदलने पर विचार कर सकते हैं बैठने की प्रणाली ने अपनी सीमाओं के बावजूद शिक्षकों और विद्यार्थियों से समान रूप से समर्थन प्राप्त किया है।

दैनिक राशिफल

डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ

मेष

आज मानसिक शांति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

वृष

आज वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बन सकते हैं। समाजसेवा करने का मन बनेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। आराम का समय नहीं मिलेगा। थकान रहेगी।

कर्क

आज प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में मातहत साथ देंगे।

सिंह

आज समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। खोई हुई वस्तु मिलने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय अच?छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

कन्या

आज शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कारोबार अच?छा चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग ले सकते हैं। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

तुला

आज किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच?छा रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में नया कार्य मिल सकता है।

वृश्चिक

आज कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। थकान व कमजोरी रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें। बेवजह चिड़चिड़ापन रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कार्य में मन नहीं लगेगा।

धनु

आज भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य के संबंध में लापरवाही न करें। स्वास्थ?य पर व्यय होगा। दुन्खद समाचार मिल सकता है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से हानि होगी।

मकर

आज मनपसंद व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय अच?छा चलेगा। प्रमाद न करें।

कुंभ

आज घर, दुकान, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबार में बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके काम बनेंगे। घर-बाहर उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे।

मीन

आज व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच?छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

संपादकीय

महिलाओं द्वारा अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद क्या होता है

महिला साक्षरता और उच्च शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, भारतीय कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी खतरनाक रूप से कम है। महिला सशक्तिकरण सिद्धांतों के अनुसार, भारत में महिला साक्षरता 77 प्रतिशत को पार कर गई है, और महिलाओं के पास अब 48 प्रतिशत उच्च शिक्षा नामांकन है। फिर भी, महिला श्रम बल भागीदारी दर 2023-24 में सिर्फ 41.7 प्रतिशत थी - जो वैश्विक औसत से काफी नीचे थी। यह स्टार्क असमानता शैक्षिक प्राप्ति और वास्तविक रोजगार परिणामों के बीच एक परेशान डिस्कनेक्ट को प्रकट करती है।

असली मुद्दा यह है कि महिलाओं द्वारा अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद क्या होता है। जबकि कॉलेज और विश्वविद्यालय गर्व से बढ़ती महिला नामांकन को उजागर करते हैं, कुछ ट्रैक या समर्थन करते हैं कि इनमें से कितनी महिलाएं औपचारिक नौकरियों, उद्यमिता या नेतृत्व भूमिकाओं में संक्रमण करती हैं। यह निरीक्षण देश की लगभग आधी आबादी की उत्पादक क्षमता को कम करता है।

WEP डेटा के अनुसार, केवल 20 प्रतिशत अकादमिक रूप से मजबूत महिला स्नातक औपचारिक कार्यबल में प्रवेश करते हैं या व्यवसाय शुरू करते हैं। स्पष्ट रूप से, अकेले योग्यता पर्याप्त नहीं है - महिलाओं को अपनी पेशेवर यात्रा में अगला कदम उठाने में मदद करने के लिए अधिक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र की एक दबाव की आवश्यकता है।

एक व्यावहारिक और प्रभावशाली समाधान एक "रूपांतरण दर" को शामिल करना है - छात्रों का प्रतिशत, विशेष रूप से महिलाएं, जो शिक्षा से रोजगार या उद्यमिता में संक्रमण करती हैं - राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में एक महत्वपूर्ण पैरामीटर के रूप में। इसे संस्थागत रैंकिंग में एकीकृत करके, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को शिक्षाविदों से आगे बढ़ने और वास्तविक दुनिया के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह महिलाओं को स्वीकार करने और शिक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं है; संस्थानों को कार्यबल में अपनी सफलता को भी सक्षम करना चाहिए।

इस संक्रमण अंतर को पाटने के लिए, शिक्षण संस्थानों को संरचित कैरियर परामर्श, उद्यमिता प्रशिक्षण और मेंटरशिप कार्यक्रमों की पेशकश करनी चाहिए। विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिज़ाइन किए गए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम आत्मविश्वास बनाने, सामुदायिक-निर्माण कौशल विकसित करने और महत्वाकांक्षा का पोषण करने में मदद कर सकते हैं - उन्हें प्रभावशाली भूमिकाओं को लेने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए लैस कर सकते हैं।

हालांकि एफएलएफपीआर ने हाल के वर्षों में थोड़ी तेजी दिखाई है, लेकिन इस वृद्धि का अधिकांश हिस्सा स्वरोजगार या अवैतनिक परिवार के काम से आता है, खासकर ग्रामीण भारत में। रोजगार के ये रूप अक्सर अस्थिर होते हैं और वित्तीय स्वतंत्रता की गारंटी नहीं देते हैं।

शहरी सेटिंग्स में, जबकि महिलाओं के पास प्रवेश स्तर की 31 प्रतिशत नौकरियां हैं, उनका प्रतिनिधित्व नाटकीय रूप से नेतृत्व की भूमिकाओं में सिर्फ 13 प्रतिशत तक गिर जाता है। यह लिंग असंतुलन न केवल गहरी जड़ें वाले संरचनात्मक मुद्दों को दर्शाता है, बल्कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा या विक्सित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवरोध भी है।

शोध से पता चलता है कि रोजगार में लिंग अंतर को बंद करने से भारत की जीडीपी में 770 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे देश की प्रगति में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में काफी तेजी आ सकती है।

महिलाओं के लिए समान कार्यबल भागीदारी सुनिश्चित करना केवल निष्पक्षता का विषय नहीं है - यह एक रणनीतिक आर्थिक अनिवार्यता है। यह जवाबदेही का समय है। शिक्षण संस्थानों को न केवल सम्मानित डिग्री के लिए, बल्कि अपने स्नातकों के वास्तविक जीवन के परिणामों के लिए जिम्मेदारी लेनी चाहिए। एनआईआरएफ रैंकिंग में रूपांतरण दरों को शामिल करके, हम उच्च शिक्षा परिदृश्य को एक में फिर से आकार देना शुरू कर सकते हैं जो सक्रिय रूप से महिलाओं को कार्यबल में सफल होने का अधिकार देता है। यह केवल एक नीति अनुशंसा नहीं है - यह कार्रवाई के लिए एक कॉल है।

यदि संस्थान और अधिकारी इस दृष्टि से अपने लक्ष्यों को संरेखित करते हैं, तो "महिला सशक्तीकरण" एक नारा होने से एक औसत दर्जे की वास्तविकता की ओर बढ़ेगा। भारत का आर्थिक इंजन अब अपनी आधी क्षमता पर चलने का जोखिम नहीं उठा सकता है। समावेशी विकास की यात्रा शुरू होती है जहां करियर शुरू होता है− हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में।

निष्कर्ष

भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है जहां कार्यबल में महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक नैतिक अनिवार्यता नहीं बल्कि एक रणनीतिक आर्थिक आवश्यकता है। कैरियर परामर्श, उद्यमिता समर्थन और नेतृत्व प्रशिक्षण की पेशकश करके, कॉलेज परिवर्तन के सच्चे उत्प्रेरक बन सकते हैं।

विशेष झ्र18 जुलाई- तमिलनाडु दिवस, इतिहास की स्मृति, अस्मिता की पुनरावृत्ति और भविष्य का संकल्प

कभी-कभी एक दिन केवल कैलेंडर की तारीख नहीं होता, वह समय की परतों में गूंथे हुए इतिहास का दरवाज़ा होता है। 18 जुलाई ऐसा ही एक दिन है, जिसे आज हम तमिलनाडु दिवस के रूप में जानते हैं। यह तिथि केवल प्रशासनिक नाम परिवर्तन की औपचारिकता नहीं थी, बल्कि एक सभ्यता, एक समाज, एक संस्कृति की आत्म-पहचान की पुनर्प्राप्ति का दिन था। यह वह दिन था जब औपनिवेशिक विरासत की दीवारों को पीछे छोड़कर तमिल समाज ने अपने स्वाभाविक नाम, स्वर और आत्मा को फिर से पाने की घोषणा की थी। यह नारा नहीं था, यह आंतरिक पुकार थी। यह कोई राजनीतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण की चेतना थी। 18 जुलाई केवल तमिलनाडु का नहीं, समूचे भारतीय संघवाद का गौरव दिवस है, जो यह सिद्ध करता है कि विविधता में एकता केवल नारा नहीं, व्यवहारिक दर्शन भी है। तमिलनाडु, जिसे आज भारत का एक विकसित, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और सामाजिक रूप से सचेत राज्य माना जाता है, उसकी यह पहचान अचानक नहीं बनी। यह एक लंबी ऐतिहासिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें सभ्यताओं ने आकार लिया, संस्कृतियाँ पनपीं, साम्राज्य खड़े हुए और गिरे, भाषा ने शास्त्र रचे और जनमानस ने प्रतिरोध और पुनर्निर्माण की चट्टानों पर अपने अस्तित्व की नींव डाली। जब ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने मद्रास प्रेसीडेंसी के नाम से इस भूभाग को प्रशासनिक इकाई के रूप में रेखांकित किया, तब वे शायद इस धरती की गहराई को समझ नहीं सके। मद्रास नाम उनकी सुविधा का उत्पाद था, न कि स्थानीय समाज की पहचान का प्रतिबिंब। यह नाम स्थानीय संस्कृति के उस ताप और रंग को नहीं दर्शाता था जो संगम साहित्य से लेकर चोल स्थापत्य तक फैला था। यही कारण था कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी यह प्रश्न तमिल समाज के हृदय में धधकता रहा। जब देश स्वतंत्र हो चुका है, तो हमारी पहचान अब भी उपनिवेश की जंजीरों में क्यों बंधी है? तमिलनाडु का नामकरण केवल एक प्रतीकात्मक क्रिया नहीं थी। यह उस आत्म-संवेदना का औपचारिक स्वीकार था जो समाज की चेतना में दशकों से पल रही थी। यह मांग अनेक बार उठी, कई मोर्चों पर लड़ी गई, लेकिन इसका सबसे भावुक और गंभीर स्वर तब उभरा जब समाजसेवी और आत्मगौरव के प्रतीक सङ्करालिङ्गनार ने इस नाम को लेकर आमरण अनशन किया और अपने प्राणों की आहुति दी। यह बलिदान कोई राजनैतिक लाभ की आकांक्षा से प्रेरित नहीं था, यह एक भाषिक और सांस्कृतिक चेतना की अंतिम परिणति थी। उनका त्याग यह स्पष्ट कर गया कि 'तमिलनाडु' नाम कोई सुविधा या साज-सज्जा का विषय नहीं है, यह एक जीवन मूल्य है ऐसा मूल्य जिसे यदि सम्मान न मिले, तो प्राण भी तुच्छ लगते हैं।1967 में जब डॉ. सी. एन. अन्नादुरै, जो स्वयं द्रविड़ चेतना और सामाजिक न्याय के पुरोधा थे, राज्य के मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने इस भावनात्मक अनुरोध को केवल जनमानस की आकांक्षा के रूप में नहीं देखा, बल्कि इतिहास की ज़िम्मेदारी के रूप में लिया। जब उन्होंने विधानसभा में तमिलनाडु नामकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया, तो उनकी वाणी में केवल राजनैतिक मुखरता नहीं थी, उसमें एक गहरी ऐतिहासिक दृष्टि और सांस्कृतिक संवेदना समाहित थी। जब यह प्रस्ताव पारित हुआ और सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया, तब वह केवल विधानसभा की प्रक्रिया नहीं थी। वह एक युगबोध की स्वीकृति थी। और तभी तमिलनाडु, जो अब तक मद्रास के नाम से संबोधित होता रहा, ने अपने वास्तविक स्वरूप में स्वयं को पहचानने और प्रस्तुत करने का संकल्प लिया। यह उल्लेखनीय है कि यह नाम 1969 में विधिक रूप से लागू हुआ, पर 1967 में लिए गए निर्णय का वह ऐतिहासिक महत्व है जो किसी भी संवैधानिक संशोधन से अधिक गहरा और स्थायी है। वह क्षण किसी दस्तावेज़ में नहीं, समाज की स्मृति में दर्ज हुआ। यही स्मृति तमिलनाडु दिवस का आधार बनी। तमिल समाज का इतिहास केवल नामों में नहीं, आत्माओं में रचा-बसा है। यह वह भूमि है जहाँ संगम साहित्य ने प्रेम, युद्ध, प्रकृति और नीति के विविध रंगों को काव्यबद्ध किया। जहाँ भरतनाट्यम केवल नृत्य नहीं, एक आध्यात्मिक अनुष्ठान बन गया। जहाँ तंजावुर के मंदिर केवल ईट-पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि समय के साथ संवाद करते हुए शिल्प की भाषा बोलते हैं। इस समाज ने न केवल प्रतिरोध किया, बल्कि पुनर्निर्माण भी किया। तमिल भाषा, जो आज भी विश्व की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक मानी जाती है, उसकी रक्षा और प्रचार का जो अभियान यहाँ चला, वह किसी एक सरकार या संस्था का नहीं था, वह जन-चेतना का भाग बन गया। और जब यह चेतना तमिलनाडु नाम के रूप में स्वर पाती है, तो वह एक राज्य की घोषणा भर नहीं होती, वह एक सभ्यता का आत्म-स्वर बन जाती है।तमिलनाडु दिवस केवल एक स्मृति नहीं, वह एक प्रेरणा है यह बताने वाली प्रेरणा कि किसी समाज की पहचान किसी सत्ता से नहीं मिलती, वह उसकी अपनी चेतना से उपजती है। यह चेतना केवल अतीत की स्मृति में नहीं रहती, वह वर्तमान को भी गढ़ती है और भविष्य को भी दिशा देती है।

यही कारण है कि तमिलनाडु आज सामाजिक संकेतकों में सबसे आगे है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कला, सिनेमा, तकनीक और नवाचार हर क्षेत्र में तमिलनाडु ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। यहाँ की राजनीति केवल सत्ताकेंद्रित नहीं रही, बल्कि वैचारिकता, जनहित और सांस्कृतिक गौरव को साथ लेकर चली है। 2022 में जब मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 18 जुलाई को आधिकारिक तमिलनाडु दिवस घोषित किया, तो यह निर्णय केवल प्रतीकात्मक नहीं था, यह एक चक्र की पूर्णता थी। यह उस स्मृति को फिर से जागृत करने का प्रयास था जिसे पीढ़ियों ने जिया था। अब यह दिन तमिल अस्मिता का उत्सव बन चुका है ऐसा उत्सव जो मंदिरों के नाद, कविता के छंद और आत्मबल के संकल्प से सजा हुआ है।तमिलनाडु दिवस हमें यह सिखाता है कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में संघवाद तभी जीवंत रहता है जब वह केवल प्रशासनिक ढांचा नहीं, भावनात्मक संघ भी बने। जब कोई राज्य, कोई समाज, अपनी भाषा, संस्कृति और इतिहास को लेकर सजग रहता है, तब वह केवल अपनी पहचान को नहीं बचाता, वह समूचे राष्ट्र के लिए आदर्श भी बनता है। तमिलनाडु ने यह सिद्ध किया कि विविधता को बचाकर भी एकता को पुष्ट किया जा सकता है। आज यह अत्यंत आवश्यक है कि हम तमिलनाडु दिवस को केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की तरह न देखें। इसे एक पुनः स्मरण के अवसर के रूप में देखें, एक अवसर यह विचार करने का कि हम अपने इतिहास को कितनी गंभीरता से समझते हैं, और अपनी परंपराओं के साथ कितना संवाद करते हैं। क्या हम केवल विकास की भाषा में बोलते हुए जड़ों को बिसरा रहे हैं? क्या हम आधुनिकता की दौड़ में अपनी अस्मिता को पीछे छोड़ रहे हैं?तमिलनाडु दिवस हमें रोककर यह सोचने का अवसर देता है कि आधुनिक भारत में असली विकास वह है जो परंपरा को मिटाकर नहीं, उसे साथ लेकर आगे बढ़ता है।

और जब तमिलनाडु अपनी संस्कृति, अपनी भाषा और अपने संघर्ष को गर्व के साथ धारण करता है, तो वह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा बनता है। इसलिए 18 जुलाई केवल तमिलों का पर्व नहीं है। यह उन सभी का पर्व है जो आत्म-पहचान के लिए संघर्ष करते हैं। यह उन सभी का पर्व है जो मानते हैं कि भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम नहीं, आत्मा की अभिव्यक्ति हैं। यह उन सभी का पर्व है जो मानते हैं कि नाम केवल एक ध्वनि नहीं, एक पहचान है और वह पहचान जब जनचेतना से आती है, तो वह अमिट हो जाती है। तमिलनाडु दिवस भारत की आत्मा के भीतर गूंजती हुई एक आवाज़ है वह आवाज़ जो कहती है, हम अपनी संस्कृति को जानते हैं, उसे जीते हैं, और उसे आगे ले जाने का संकल्प भी करते हैं। यही आत्म-स्वर एक सभ्यता को जीवित रखता है। और यही आत्म-स्वर तमिलनाडु को तमिलनाडु बनाता है।

हंसराज चौरसिया

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उष्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित **संपादक-राजीव कुमार शुक्ल,** मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

आकाशीय बिजली गिरने से दो भैंस की मौत

रूद्रपुर,देवरिया। रुद्रपुर तहसील क्षेत्र के बर्दगोनिया में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही पशुपालक की दो भैंसों के मरने का समाचार मिला है। गांव के रामा टोला निवासी त्रिलोकी मौर्य पुत्र स्व मोतीलाल की दो भैंस दरवाजे पर बंधी थीं। दिन में तेज बरसात के दौरान तड़तड़ाहट के बीच बिजली गिर गई जिससे दोनों भैंसे चपेट में आ गयीं और उनकी मौत हो गई। दो भैंसों की मौत से परिवार में मातम छा गया और लोग दहशत में आ गए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत एक पेड़ माँ के नाम कार्य हुआ क्रम सम्पन्न

वृक्ष हमे प्राण वायु प्रदान करते है तथा फल, फूल लकड़ी तथा औषधि देते है डा0 के पी, चौरसिया

खजनी - गोरखपुर राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में ग्राम सभा हरिहरपुर स्थित वीर बहादुर सिंह स्मारक महाविद्यालय हरिहरपुर में वृक्षारोपण का कार्य संपन्न किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पंच बहादुर सिंह,गणमान्य सुभाष सिंह, संजय सिंह ने सभी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डा.के.पी.चौरसिया प्राचार्य वीर बहादुर सिंह पी.जी.कालेज हरनहीं महुराव गोरखपुर ने कहा कि वृक्ष हमें प्राण वायु प्रदान करते हैंतथा फल, फूल, लकड़ी, ईधन तथा औषधि देते हैं वृक्षारोपण कर रखरखाव किया जाना आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अजीत कुमार पाण्डेय ने कहा कि वैश्विक आधुनिकता के इस दौर में बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के रोकथाम का एओकमात्र उपाय अधिक से अधिक वृक्षारोपण और उन वृक्षों का संरक्षण ही है। महाविद्यालय के प्राध्यापकगण,गीता दुवे,रजनीश पाण्डेय,सत्येन्द्र कुमार, कर्मचारी, छात्र - छात्राओ की उपस्थिति रही।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आईटीईपी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग संपन्न

चित्रकूट - महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 में आईटीईपी (इंटिग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम) पाठ्यक्रमों की कुल 150 सीटों में प्रवेश के लिए तीन दिवसीय प्रवेश काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें देश के आठ राज्यों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। आईटीईपी पाठ्यक्रम (बीएबीएड 50 सीट, बीएससीबीएड 50 सीट, बीकामबीएड 50 सीट) की काउंसिलिंग प्रक्रिया में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आन्ध्रप्रदेश, मध्य प्रदेश राज्यों के सैकड़ों अभ्यर्थी अपने माता-पिता के साथ उपस्थित हुए। अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने इस मौके पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक नवाचार, अध्ययन अध्यापन पद्धति और सुंदर और सुरम्य परिसर को सराहा। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने काउंसिल स्थल में आकर प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित अभ्यर्थियों और अभिभावकों का उत्साह बढ़ाया। प्रवेश समिति और काउंसिलिंग कमेटी के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया और उनके शैक्षणिक अभिलेखों का मिलान करते हुए उनकी वरीयता के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया कराई।

कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान की हुई बैठक

कौशाम्बी। कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत सिराथू ब्लाक की बैठक करनपुर में जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय की अध्यक्षता व जिला संयोजक मनीष मिश्रा जिला संयोजक राजेश साहनी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई इस बैठक ब्लाक अध्यक्ष मोहम्मद कासिफ व नगर अध्यक्ष मोहम्मद दाऊद को माला पहनाकर उन्हें बधाई शुभकामनाओं के साथ पूर्व प्रदेश सचिव राम बहादुर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष, मनोज पटेल, जिला उपाध्यक्ष उदय यादव, जिला महासचिव नसीमुद्दीन सिद्दीकी, जिला महा सचिव श्याम सिंह भदौरिया , जिला सचिव आसिफ़ अल्वी , जिला सचिव हेमंत रैदास , जिला सचिव बालेन्द्र यादव उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया जिसमे सैकड़ों कार्यकर्ताओं मौजूद रहे

गोरखपुर में चोरी के बड़े मामले का खुलासा- तीन शातिर चोर गिरफ्तार, लाखों के आभूषण और नगदी बरामद

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर - पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले में शानदार कामयाबी हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गोरखपुर राज करन नय्यर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत झंगहा पुलिस, सर्विलांस सेल और एंटी-थेफ्ट सेल ने मिलकर तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी के लाखों रुपये के आभूषण, नगदी, स्कूटी, मोबाइल और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।

डायनामाइट न्यूज रिपोर्ट अनुसार घटना का विवरण

28 जून 2025 की रात अभियुक्तों ने वादी के घर में घुसकर आलमारी का ताला तोड़कर कीमती आभूषण और नगदी चुरा ली थी। चोरी गए सामान में 5 सोने की चेन, 1 जोड़ा सोने का झुमका, 4 सोने की अंगूठी, 4 सोने के कंगन, 4 जोड़ा चांदी की पायल और 5000 रुपये नकद शामिल थे। वादी की तहरीर पर थाना झंगहा में मुकदमा संख्या 315/2025, धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक उत्तरी और क्षेत्राधिकारी चौरीचौरा के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह के नेतृत्व में झंगहा थाना पुलिस ने सर्विलांस और एंटी-थेफ्ट सेल के साथ मिलकर अभियान चलाया। इस दौरान तीन अभियुक्तों–आर्यन कन्नौजिया, प्रियांशु श्रीवास्तव और रविन्द्र पासवान–को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से चोरी का सारा माल शत-प्रतिशत बरामद कर लिया गया। मामले में धारा 317(2) बीएनएस को भी जोड़ा गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त

आर्यन कन्नौजिया- पुत्र रामआश्रय कन्नौजिया, निवासी मदरहवा चौराहा, खोराबार, गोरखपुर। प्रियांशु श्रीवास्तव- पुत्र संजय श्रीवास्त, निवासी जाफरागव, सिवान, बिहार (हाल पता- रानीडीहा, एम्स, गोरखपुर)। रविन्द्र पासवान- पुत्र अशोक पासवान, निवासी रौतनिया बाबू, सरदारनगर, चौरीचौरा, गोरखपुर रूप में हुई।

बरामद सामानगनदी 5000 रुपये

आभूषण- 5 सोने की चेन, 1 जोड़ा सोने का झुमका, 4 सोने की अंगूठी, 4 सोने के कंगन, 4 जोड़ा चांदी की पायल ,अन्य सामान- 1 स्कूटी, 3 मोबाइल फोन, चोरी में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण

पुलिस टीम

गिरफ्तारी और बरामदगी में शामिल पुलिस टीम में निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह, वरिष्ठ उप-निरीक्षक राजेश यादव, उप-निरीक्षक अंकुर सिंह, उप-निरीक्षक आलोक चौबे, मुख्य आरक्षी लोकनाथ सिंह, आरक्षी मोहित सिंह, राजित यादव, दीपक यादव, अमित कुमार यादव, रविन्द्र वर्मा और सर्विलांस सेल के आरक्षी अशोक चौधरी शामिल थे।

आगे की कार्रवाई

पुलिस ने अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई गोरखपुर पुलिस की अपराध नियंत्रण और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। एसएसपी गोरखपुर राज करन नय्यर ने इस सफलता पर पुलिस टीम की सराहना की और कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यह गिरफ्तारी न केवल चोरी के मामले को सुलझाने में मील का पत्थर साबित हुई है, बल्कि जनता में पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ाएगी।

खज़नी के दर्जनों गांवों में अब तक नहीं हुई फार्मर रजिस्ट्री, सूची जारी होते ही मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात

खजनी- ब्लॉक क्षेत्र के दर्जनों गांवों में अभी तक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पाई है। कृषि विभाग द्वारा जारी लिस्ट में यह खुलासा होते ही किसानों में हड़कंप मच गया है। खज़नी ब्लॉक के डोडो, सहिदाबाद नैपुरा, रावतडाड़ी, सेमरडाड़ी, सतुआभार ,बरपार बारगाह, गौरापार, रुदपुर खजनी, खुटहना, अशापार, टिकरिया नाथ सिंह, बेलडाड़ समेत कई गांव ऐसे हैं, जहां के किसानों की फार्मर रजिस्ट्री से अब तक वंचित है। गौरतलब है कि कृषि विभाग ने किसानों को सरकारी योजनाओं और अनुदान का लाभ देने के लिए फार्मर रजिस्ट्री को अनिवार्य किया है। रजिस्ट्री न होने की वजह से किसानों को खरीफ सीजन में उर्वरक और बीज जैसी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा सकेंगे, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई । कृषि सहायक रविन्द्र नाथ ने बताया कि जिन गांवों का नाम लिस्ट में है, वहां के किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हुई है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द कैंप या सहज जन सेवा केंद्र पर जाकर अपनी फार्मर रजिस्ट्री करवा लें ताकि सरकारी योजनाओं, उर्वरक, बीज और अनुदान का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। यदि समय रहते रजिस्ट्री नहीं कराई गई तो किसान सरकारी लाभ से वंचित हो जाएंगे। कृषि विभाग की सूची जारी होने के बाद गांव-गांव में किसानों में जागरूकता बढ़ी है, परंतु कई किसान अब भी जानकारी के अभाव में रजिस्ट्री कराने नहीं पहुंच पा रहे हैं। विभाग ने किसानों से अपील की है कि रजिस्ट्री प्रक्रिया को प्राथमिकता दें ताकि आगामी कृषि सीजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।हालांकि लेखपाल सतुआभार क्षेत्र में चार बार कैंप लगा चुके है ,जागरूक किसान कैम्प का लाभ नही ले पा रहे है । बहराल कृषि विभाग का कहना है कि किसी भी जन सहज केंद्र पर फार्मर रजिस्ट्री करवा सकते है।

हिस्ट्रीशीटर समेत दो को पुलिस ने तमंचा-कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

चित्रकूट- जनपद में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में चित्रकूट पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर सहित दो आरोपियों को तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। इस अभियान के तहत थाना मऊ के उपनिरीक्षक अंकित सिंह व उनकी टीम आरक्षी शुभम त्रिपाठी व सोनपाल द्वारा क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर इष्ट देव पाण्डेय उर्फ पनसुखी निवासी शाति नगर थाना मऊ तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध थाना मऊ में आधा दर्जन मुकदमें पंजीकृत है। इसी प्रकार चौकी प्रभारी सीतापुर श्री अनिल कुमार गुप्ता व उनकी टीम आरक्षी अनुज यादव व अजय कुमार द्वारा आरोपी घनश्याम निषाद निवासी चकमाली अमानपुर कोतवाली कर्वी को तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए दोनों आरोपियों के विरुद्ध सम्बन्धित थानों में आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किए गए।

गोला विद्युत उप केंद्र का पडौली फीडर बना उपेक्षा का शिकार

●तीन दिनों से शाम को रहता है ब्रेकडाउन उपभोक्ता विभागीय व्यवस्था से बने त्रस्त

स्वतंत्र प्रभात

गोलाबाजार गोरखपुर। गोला तहसील मुख्यालय पर स्थित विद्युत उप केंद्र गोला की स्थिति बेहद बद हाल बनी हुई है।इस उप केंद्र से संचालित होने वाला पड़ौली फीडर का विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बीते तीन दिनों से ब्रेकडाउन हो जा रहा है। इसके अतिरिक्त बार बार फॉल्ट होने से आपूर्ति बंद रहती है।जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस फीडर से संचालित होनेवाले बरहजपार, भरसी,धौसहर डेहरीभार, घराावल, कुशहा, मांफी, चिलवा दलित बस्ती व शुकुलपुरा सहित अन्य गांवों मे कल शाम पाच बजे से विद्युत आपूर्ति ठप है। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि पडौली फीडर का विभाजन होना है जिसके लिए टेंडर भी हो चुका है । कुछ पोल भी छ माह पूर्व खडे कर दिए गए है लेकिन अभी तक विभाजन का कार्य पूरा नही हुआ । विद्युत उप केंद्र की इस व्यवस्था से उपभोक्ताओं में काफी असंतोष व्याप्त है।उपभोक्ताओं ने विभाग के आला अफसरानों से मांग किया है कि शासन की मंशा को ध्यान में रखते हुए विद्युत आपूर्ति व्यवस्था रोस्टर के अनुसार बहाल करें। अन्यथा उपभोक्ता सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी।

दहेज की भूख ने रिश्तों को किया तार-तार, विवाहिता की शिकायत पर पति समेत सात पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात

गोरखपुर। रिश्तों की डोर दहेज की आग में जलकर टूट गई। दो वर्ष पहले सजे सपनों के घरौंदे में जब दहेज की नई मांगों की आंधी आई तो प्यार की जगह धमकी और मारपीट ने ले ली। इसी दर्द को लेकर एक विवाहिता ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मुकदमा कायम कर जांच शुरू कर दी है। गोला तहसील न्यूज संवादाता बृजनाथ त्रिपाठी अनुसार शादी के बाद कुछ दिन तो हंसी-खुशी बीते, लेकिन हफ्ता भर भी नहीं हुआ कि दहेज की नई मांगें शुरू हो गईं। विवाहिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने दो लाख रुपये नकद और एक बाइक की मांग की। साफ जवाब मिला कि पिता अब और कुछ देने में असमर्थ हैं, तो ससुराल वालों का रवैया बदल गया। मायके से दहेज लेकर आने की धमकी दी जाने लगी और जब विवाहिता ने विरोध किया तो घर के भीतर उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना का सिलसिला शुरू हो गया।

विवाहिता ने बताया कि मारपीट और उत्पीड़न की जानकारी पिता और भाई को हुई तो वह उसे मायके वापस ले आए। मायके आने के बाद भी ससुराल पक्ष की धमकी जारी रही। कहा गया कि जब तक मांगी गई रकम और बाइक लेकर नहीं लौटोगी, तब तक घर में कदम मत रखना। इस पूरे प्रकरण की शिकायत सीओ के आदेश पर गोलाबाजार पुलिस को दी गई। पुलिस ने विवाहिता की तहरीर पर पति समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपितों में पति, तीन ननदोई और ननद भी शामिल हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं व दहेज प्रतिषेध अधिनियम में दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान व साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच तेजी से कराई जाएगी। यदि आरोप सही पाए गए तो सभी आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई भी की जाएगी। दहेज की भूख रिश्तों को निगलती जा रही है और यह मामला उसी का ताजा उदाहरण बन गया है।

फुलवारी पब्लिक स्कूल, पंतनगर में शहंशाहे ग़ज़ल खुमार बाराबंकवी की याद में ऑल इंडिया मुशायरा सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। उ.प्र. उर्दू अकादमी के आर्थिक सहयोग एवं जी.जी. वेलफेयर ट्रस्ट, बाराबंकी की कन्वीनरशिप में दिनांक 14 जुलाई 2025 को फुलवारी पब्लिक स्कूल, पंतनगर में ÷शहंशाहे ग़ज़ल÷ हजरत खुमार बाराबंकवी की याद में एक भव्य ऑल इंडिया मुशायरे का आयोजन हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता मशहूर शायर शोएब अनवर बाराबंकवी ने की एवं संचालन प्रसिद्ध मंच संचालक आसिम काकोरवी ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में साहित्य भूषण शिवाकान्त मिश्र %विद्रोही% तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर कारवाने इंसानियत के सदर तारिक जीलानी, प्रसिद्ध शायर फैज़ खुमार और एडवोकेट शहाबुद्दीन किदवई उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत वसीम मज़हर गोरखपुरी ने नाते-पाक से की। इस अवसर पर गुलज़ार बानो एडवोकेट की विशेष भूमिका रही। स्कूल सचिव क्रांति कुमार सिंह ने सभी अतिथियों और शायरों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किए।डॉ. मोहम्मद सुहैल के संयोजन में आयोजित इस साहित्यिक संध्या में देशभर के रचनाकारों ने शहंशाहे ग़ज़ल खुमार बाराबंकवी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शायरों और कवियों में प्रमुख रूप से -शिवाकान्त मिश्र 'विद्रोही', प्रदीप सारंग (बाराबंकी), लता श्रीवास्तव (एडवोकेट), फैज़ खुमार बाराबंकवी, याक़ूब 'अज़्म' गोण्डवी, किरन भारद्वाज, वसीम मज़हर गोरखपुरी, अली बाराबंकवी, विराज मंज़र काकोरवी, अभिश्रेष्ठ तिवारी लखनवी, गुफरान चुलबुल, चांदनी मुस्कान, नासिर अंसारी, फैज़ आतिश, साहब नारायण शर्मा, अलहाज गोण्डवी, सत्यम् रौशन लखनवी, अभिषेक श्रीवास्तव और शिवम् मिश्रा ने एक से बढ़कर एक कलाम पेश कर महफिल को परवान चढ़ाया।कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. मोहम्मद सुहैल ने सभी का आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से उन्होंने ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में प्रमुख सचिव, भाषा विभाग श्री आलोक कुमार एवं उर्दू अकादमी के सेक्रेटरी जनाब शौकत अली का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया कि उनके सहयोग से इस प्रकार के प्रेरणास्पद आयोजन सम्भव हो पाते हैं, जो सामाजिक सौहार्द और साहित्यिक वातावरण को सुदृढ़ करते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत एक पेड़ माँ के नाम कार्य हुआ क्रम सम्पन्न

●वृक्ष हमे प्राण वायु प्रदान करते है तथा फल, फूल लकड़ी तथा औषधि देते है डा0 के पी, चौरसिया

स्वतंत्र प्रभात

खजनी- गोरखपुर राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम में ग्राम सभा हरिहरपुर स्थित वीर बहादुर सिंह स्मारक महाविद्यालय हरिहरपुर में वृक्षारोपण का कार्य संपन्न किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पंच बहादुर सिंह,गणमान्य सुभाष सिंह, संजय सिंह ने सभी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डा.के.पी.चौरसिया प्राचार्य वीर बहादुर सिंह पी.जी.कालेज हरनहीं महुराव गोरखपुर ने कहा कि वृक्ष हमें प्राण वायु प्रदान करते हैंतथा फल, फूल, लकड़ी, ईधन तथा औषधि देते हैं वृक्षारोपण कर रखरखाव किया जाना आवश्यक है। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अजीत कुमार पाण्डेय ने कहा कि वैश्विक आधुनिकता के इस दौर में बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के रोकथाम का एओकमात्र उपाय अधिक से अधिक वृक्षारोपण और उन वृक्षों का संरक्षण ही है। महाविद्यालय के प्राध्यापकगण,गीता दुवे,रजनीश पाण्डेय, सत्येन्द्र कुमार, कर्मचारी, छात्र - छात्राओ की उपस्थिति रही।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे आठ घायल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बहरामपुर गांव में बुधवार की देर रात मामूली बात को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। जिसमें दोनों पक्षों से आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। दोनों पक्षों की तरफ से पुलिस को तहरीर दी गई। गांव निवासी रामबाबू सिंह ने बताया कि वह पैदल घर की तरफ जा रहे थे, तभी गांव के ही केशन ने उन पर बाइक चढ़ा दी। उलाहना देने पर मारपीट करने लगे। मारपीट में एक पक्ष से रामबाबू सिंह, राम अवतार, कमल सिंह व मालती देवी जबकि दूसरी तरफ से लखन, केशन, सुबेदार सिंह व उषा देवी गंभीर रूप से चोटिल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां उनका इलाज हुआ। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

आज 18 जुलाई को फुलवारी पब्लिक स्कूल में पंचम साहित्योत्सव के अंतर्गत होगा भव्य कवि सम्मेलन

●कुंवर कृष्णा सिंह के जन्मदिवस पर देशभर के कविगण करेंगे काव्यांजलि अर्पित, दो विशिष्ट व्यक्तित्व होंगे सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। फुलवारी पब्लिक स्कूल, पंतनगर में साहित्य और संस्कृति की बहुप्रतीक्षित भव्य संध्या का आयोजन 18 जुलाई को किया जाएगा। इस अवसर पर पंचम साहित्योत्सव के अंतर्गत एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जो कि विद्यालय परिवार द्वारा कुंवर कृष्णा सिंह के जन्मदिवस की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल साहित्यिक उन्नयन का प्रतीक बनेगा, बल्कि समाज में संवाद, सहिष्णुता और संवेदनशीलता के भाव को भी सशक्त करेगा।कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार 18 जुलाई को संध्या 7 बजे दीप प्रज्वलन और अतिथि स्वागत के साथ होगा। मंचीय कार्यक्रम की बागडोर संयोजक वीर विक्रम सिंह और आयोजक क्रांति कुमार सिंह के कुशल संचालन में आगे बढ़ेगी। आयोजन की परिकल्पना और सांस्कृतिक सूत्रधार डॉ. नीता सिंह (नवेल) होंगी, जिनके सतत प्रयासों और विद्यालय की साहित्यिक परंपरा के चलते यह आयोजन एक प्रतिष्ठित रूप ले चुका है।कवि सम्मेलन में देश-प्रदेश के प्रख्यात कविगण मंच की शोभा बढ़ाएंगे। इस संध्या में जिन रचनाकारों की भागीदारी सुनिश्चित है, उनमें शामिल हैं- शिवाकान्त मिश्र 'विद्रोही', स्वयं श्रीवास्तव, सुनहरी लाल वर्मा 'तुरंत', नीरज पांडेय, मनोज चौहान, सौरभ शुक्ला, डॉ. मीना वंदन, योगेश सिंह चौहान, कृष्ण कुमार सौम्य 'सरल', विशेष शर्मा, विपिन 'मन', चंदन तिवारी 'रूद्र', शिवम मिश्र और शिखा सिंह।

ये सभी कविगण अपनी विविध विधाओं और अनूठी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं को काव्य रस में सराबोर करेंगे।

इस कवि सम्मेलन की एक विशेष कड़ी के रूप में दो विशिष्ट व्यक्तित्वों को साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इनमें दिनेश 'दर्पण' (अधिशासी अभियंता) और कुमार मंजु का नाम शामिल है, जिनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को सम्मान देने हेतु यह संकल्प लिया गया है।फुलवारी पब्लिक स्कूल का यह आयोजन सिर्फ कविता पाठ नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक समर्पण है। जहां कविता, करुणा, संवेदना, राष्ट्रभक्ति, हास्य और मानवीय मूल्य मंच से उतरकर सीधे श्रोताओं के हृदय में प्रवेश करेंगे। इस कार्यक्रम में नगर के साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति भी अपेक्षित है, जो इस सांझ को और भी स्मरणीय बना देगी।कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार की ओर से प्रबन्धिका डॉ. नीता सिंह सभी अतिथियों, कविगणों और सहभागियों का आभार प्रकट करेंगी। उनका यह कथन आयोजन का सार है - ÷यह आयोजन केवल मंच नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए साहित्य और संवेदना की पाठशाला है।÷18 जुलाई की यह काव्य संध्या निश्चित ही न केवल साहित्य को समर्पित होगी, बल्कि यह समाज के भीतर जागरूकता, संवाद और रचनात्मक ऊर्जा का संचार भी करेगी।

जलभराव से त्रस्त छात्र-छात्राओं ने किया प्रदर्शन, विद्यालय प्रबंधक ने BDO को सौंपा ज्ञापन

●स्कूली बच्चों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है, समय से पहुंचना भी हो रहा मुश्किल

स्वतंत्र प्रभात

गोंडा। आर्य नगर स्थित पार्वती देवी इंटर कॉलेज के मुख्य मार्ग पर भीषण जलभराव की समस्या से परेशान होकर गुरुवार को विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। बारिश के बाद बने कीचड़ और गंदे पानी से लबालब रास्ते ने बच्चों के लिए विद्यालय पहुंचना चुनौतीपूर्ण बना दिया है।छात्रों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क की मरम्मत और समुचित जल निकासी की व्यवस्था की मांग की। उन्होंने बताया कि बरसात के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो जाता है, जिससे न केवल फिसलने का खतरा बना रहता है, बल्कि कई बार समय से विद्यालय पहुंच पाना भी असंभव हो जाता है।विद्यालय प्रबंधक वीरेंद्र राव ने छात्रों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए खंड विकास अधिकारी, रूपईडीह को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने मार्ग की त्वरित मरम्मत और जल निकासी की समुचित व्यवस्था की मांग की। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को कई बार संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।स्थानीय अभिभावकों और नागरिकों ने भी प्रशासन से अपील की है कि बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई में कोई बाधा न आए, इसके लिए संबंधित विभाग जल्द कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि यह केवल छात्रों की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामूहिक समस्या है।संलग्न चित्र में छात्र-छात्राएं जलभराव और कीचड़ से भरे रास्ते के किनारे प्रदर्शन करते हुए देखे जा सकते हैं, जो इस समस्या की गंभीरता और प्रशासनिक उदासीनता की तस्वीर पेश करते हैं।विद्यालय एक पवित्र स्थल होता है, जहां भविष्य के नागरिक गढ़े जाते हैं। लेकिन यदि वहाँ पहुंचने के मार्ग ही सुरक्षित न हों, तो यह केवल अव्यवस्था ही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्नचिन्ह है। प्रशासन को चाहिए कि वह इस प्रकार की बुनियादी समस्याओं को प्राथमिकता पर ले और भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करे।

संक्षिप्त खबरें

गन्ने के खेत में सागवन बोटे मिले, लकड़कट्टो की तलाश जारी।

सिंगाही संवाददाता। दुधवा नेशनल पार्क के बेलरायां रेंज के एक गावँ में गन्ने के खेत से करीब दो दर्जन सागवन के बोटे मिले। एसडीओ व वन विभाग की टीम ने बोटों को पकड़कर रेंज की चौकी के सुपुर्द किया। काटने वालों की तलाश जारी। जानकारी के अनुसार बेलरायां रेंज की भैरमपुर चौकी के अंतर्गत सुभंजन के गन्ने के खेत में कुछ दूरी पर मौजूद जंगल से काटकर लाई गई सागवन की लकड़ी रखी गई थी। जिसकी सूचना मुखबिर के द्वारा एसडीओ दीपक कुमार पांडे को मिली मौके पर एसडीओ व पार्क रेंजर बेलरायां वजीर हसन ने वनकर्मियों के साथ छापा मारा छापे के दौरान वहां पर रखी गई 20 सेअधिक बोटे सागवन के बरामद कर भैरमपुर चौकी की सुपुर्दगी में दे दिया है। एसडीओ ने लकड़कट्टो को तलाश कर पकड़ने के निर्देश दिए हैं इस कार्रवाई के दौरान वनदरोगा सतीश चंद्र, सहित बेलरायां रेंज का स्टाफ़ मौजूद रहा।

सच्ची प्रेम और भक्ति का उदाहरण है शिव पार्वती विवाह।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। शिव की नगरी छोटी काशी स्थित साईं मैरिज लान में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्री मद भागवत कथा में कथा व्यास संजीवनी मिश्रा ने भगवान शिव और देवी पार्वती के विवाह की कथा बहुत ही रोचक ढंग से सुनाई है। उन्होंने कहा कि देवी पार्वती भगवान शिव को अपने पति के रूप में पाने के लिए वर्षो तक कठोर तपस्या करती हैं।वह उन्हें प्रसन्न करने के लिए अपनी भक्ति और प्रेम को प्रदर्शित करती हैं।जब वह तपस्या से प्रसन्न होते हैं, तो वे उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करते हैं। शिव पार्वती का विवाह सच्ची प्रेम और भक्ति की किसी भी बाधा को पार कर सकती है। रोचक पहलू भी हैं जैसे कि भगवान शिव का विवाह के लिए तैयार होना, देवी पार्वती का सोलह श्रृंगार करना, और विवाह समारोह में देवताओं और ऋषि-मुनियों का आगमन। यह कथा हमें प्रेम, भक्ति और तपस्या के महत्व को समझाने के साथ-साथ हमें जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों को भी सिखाती है। इस मौके पर व्यापारी नेता एवं समाजसेवी पटेल अशोक कनौजिया, जिला पंचायत सदस्य शिखा कनौजिया, सतीश वर्मा, पवन वर्मा, राजदीप एडवोकेट, प्रदीप कुमार, कृष्ण मुरारी, रामसेवक प्रियंका समेत दर्जनों श्रोता मौजूद रहे।

पहली किस्त आई दूसरी का अता पता नहीं पीड़िता फसी अधर में

लखीमपुर खीरी। जिलाअधिकारी को दिए शिकायती पत्र में पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़झाला बताते चलें पीड़िता बेवा कमला देवी पत्नी स्वर्गीय बाबूराम निवासी न050 भीरा जिला खीरी की मूल निवासिनी है। पीड़िता को प्रधानमंत्री आवास की प्रथम किस्त मिली थी जिससे फाउंडेशन तैयार कर लिया गया है। द्वितीय किस्त हेतु पीड़िता ने प्रार्थना पत्र भी दिया है परन्तु आज तक जियो टेक नहीं किया गया है तब पीड़िता ने जियोटेकर से सुमित से सम्पर्क किया सुमित ने कहा कि परियोजना अधिकारी बदल चुके हैं। जब तक तुम हमे 20000/- रुपये (बीस हजार रुपये) नहीं दोगी हम जियोटेक नहीं करेंगे। हमको अधिकारियों को पैसा देना पड़ता है। पीड़िता बहुत गरीब महिला है किसी तरीके से गुजर बसर कर रही है। साहब मेरे पास 20000/- रुपये नहीं है मैं कहां लाऊंगी। पीड़िता ने बहुत मिन्नते की परन्तु द्वितीय किस्त का जियो टेक बिना पैसे के नहीं कर रहे हैं। जिससे पीड़िता काफी आहत हैं। बीना दाम नहीं हो रहा है प्रधानमंत्री आवास योजना में देखते हैं पीड़िता को जिला अधिकारी के यहां न्याय मिलता है क्या इसी तरह न्याय के लिए दर दर भटती रहेगी।

रात में खनन माफिया जौराहा नदी में बेधड़क करते अवैध बालू खनन

स्वतंत्र प्रभात

सिंगाही खीरी। थाना क्षेत्र के जौराहा नदी में अवैध बालू का खनन जोरो पर। खनन माफियाओं ने नदी के रुख को गांव की तरफ मोड़ा, नदी घाट से गांव को जाने वाले रास्ते भी अत्यंत क्षतिग्रस्त किया जिससे किसानों को अपने खेतों पर जाने में हो रही है काफी दिक्कत ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन से बार-बार शिकायत करने के बाद भी कोई भी आलाधिकारी खनन रोकने में सक्रियता नहीं दिखा पा रहे और खनन माफिया खुले आम खनन कर रहे हैं।मोतीपुर के खैरा घाट व? भौका घाट सिंगहा पंचायत के भेलौर घाट व दरेहटी पोखरी सहित दर्जनों घाटो से लगातार लगभग दर्जन भर ट्रैक्टर ट्रालियां रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक बिना रोकटोक अवैध बालू का खुले आम खनन का व्यापार चल रहा है जबकि खनन के दृष्टिकोण से या प्रतिबंधित क्षेत्र बताया जाता है फिर भी अवैध खनन जोरों से चल रहा है।इन खनन माफियाओं का नेटवर्क इतना तगड़ा है कि यदि रात में कोई साइकिल या गाड़ी भी खनन क्षेत्र की तरफ जाए तो पहले ही इनको पता चल जाता है और यह सतर्क हो जाते हैं।यदि जल्द प्रशासन के द्वारा खनन न रोका गया तो ट्विटर या फिर अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के द्वारा जिले के आला अधिकारियों से लेकर प्रदेश के आला अधिकारियों को इसकी सूचना उपलब्ध करवाई जाएगी। अब देखना या है कि यहां का क्षेत्रीय प्रशासन इन खनन माफियाओं पर कार्यवाही करता है या ये लोग यू ही खनन करते रहेंगे। निघासन एसडीएम राजीव निगम ने बताया कि जब खनन हो रहा हो तो हमें सूचना दें और आज रात में मैं खुद जाकर देखूंगा।

खनन माफियाओं के हौसले बुलंद, अधिकारी नही ले रहे कोई सुध।

स्वतंत्र प्रभात

सिगाही खीरी। मंदिर टूटने का मामला ठंडा होते ही फिर सक्रिय हो गये खनन माफिया।रात के अंधेरे मे मोतीपुर के भौकाघाट से अवैध सफेद रेती बालू का खनन करने का कारोबार खुले आम किया जा रहा है।सम्बंधित अधिकारी नही दे रहे ध्यान।सिगाही थाना क्षेत्र के ग्राम मोतीपुर के भौका जौरहा नदी से रात के अंधेरे मे सफेद रेती बालू का कालाकारोबा खुले आम किया जा रहा है। खनन माफियाओं के ट्रैक्टर ट्रली रात के अंधेरे में सड़कों पर फर्राटा भर कर सडको पर दौड़ते हैं। अभी हफ्ता भर पहले मोतीपुर मे शराब के नशे में धुत होकर ड्राइवर रेत भरी ट्रैक्टर ट्राली सड़क पर फर्राटा भरते हुए जा रहा था कि ट्रैक्टर ट्राली का मंदिर के हिस्से से टकरा जाने के कारण मंदिर टूट गया था यह विवाद मीडिया में उजागर हुआ था जिसके बाद एक हफ्ता खनन माफिया अपने कार्य को बंद कर भूमि गत होकर छुप गए थे अब खनन माफिया पुनः सक्रिय हो गए हैं और रात के अंधेरे में बालू खनन कर खरीदारों को ?4000 ट्राली बालू की बिक्री कर रहे हैं। और यह सब काम विभागीय अधिकारियों की आंख के नीचे होता है।मोतीपुर और भौंका के ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन इन बालू भारी ट्रालियों से घटनाएं होती रहती हैं और हमारे खेत पर जाने वाले चक मार्ग को इतना खराब कर दिया है कि खेत पर जाना मुश्किल हो गया है अगर इनका विरोध करो तो यह मारने व झगड़े पर आमादा हो जाते हैं और कहते हैं कि जहां जाना हो वहां जाकर हमारी शिकायत कर दो। हमे किसी का डर नहीं।

व्यापार मंडल पलिया ने विद्युत सम्बंधित तमाम समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन।

स्वतंत्र प्रभात

पलियाकलां खीरी। क्षेत्र में विगत दिनों से विद्युत की समस्या उत्पन्न हो रही है, लगातार अघोषित कटौती से परेशान होकर तमाम व्यापारियों तथा क्षेत्रीय लोगों ने तहसील पहुंचकर उर्जा मंत्री सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी पलिया को सौंपा है । आपको बता दें कि विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है जिस कारण आम जनता काफी परेशान है विद्युत विभाग द्वारा विद्युत समस्याओ का निराकरण नहीं किया जा रहा है। नगर में चल रही विद्युत समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में निम्नलिखित मांगों का ज्ञापन जनहित में तत्काल निराकरण कराये जाने की अपेक्षा के साथ प्रेषित किया जा रहा है।

यह है मांग-

1-यह कि पलिया नगर में विद्युत की अघोषित कटौती की जा रही है तथा लो वोल्टेज की भी समस्या है, प्रतिदिन विद्युत कटौती होने पर विद्युत विभाग द्वारा प्रतिदिन फाल्ट का बहाना बनाकर विद्युत आपूर्ति बन्द कर दी जाती है जिससे आम जनता काफी परेशान होती है जिसका निराकरण किया जाना आवश्यक है।

2-यह कि पलिया क्षेत्र में कई ट्रांसफार्मर काफी पुराने व जीर्ण शीर्ण अवस्था में है आये दिन खराब रहते है जिन्हे बदलना आवश्यक एवं विद्युत उपभोक्ताओं के हित में है। इसके अतिरिक्त ट्राली ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कराया जाये।

3-यह कि पलिया नगर में ग्रामीण क्षेत्र के ही अनुसार कर्मचारी है जिस कारण फाल्ट का समय पर निस्तारण नही हो पाता है जबकि पलिया नगर में नगरीय क्षेत्र के अनुसार कर्मचारी की नियुक्ति होनी चाहिए।

4-यह कि पलिया क्षेत्र नगरपालिका परिषद के अन्तर्गत है परन्तु विद्युत विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के रोस्टर के अनुसार विद्युत सप्लाई दी जा रही है। विद्युत विभाग द्वारा पलिया क्षेत्र को ग्रामीण क्षेत्र घोषित किया जा चुका है (छायापति संलग्न) परन्तु विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओ से विद्युत बिल की शहरी क्षेत्र की दरों के अनुसार वसूली की जा रही है जो कि उपभोक्ताओ के साथ छल किया जा रहा है।

5-यह कि विद्युत को जब से ठेके पर दिया गया है तब से ठेकेदार विद्युत उपभोक्ताओ से मनमाने ढंग विद्युत बिल पर अधिक लोड दिखाकर उससे अप्रत्याशित बिल की वसूली कर रहे है तथा जब उपभोक्त अपना बिल सही करवाने विद्युत कार्यालय जाता है तो बिल पर फर्जी तरीके से चढ़े अधिक लोड व पुरानी शेष रीडिंग बताकर उसको टरका देते है जब उपभोक्ता कहता है कि मेरे घर का लोड चेक कर लो तो उक्त कहते है कि तुम्हारे घर की वायरिंग में गढ़बड़ है और बिल सही न कर उपभोक्ता को वहां से भगा देते है। उनके इस प्रकार के कृत्य से विद्युत उपभोक्तागण मानसिक एवं आर्थिक रूप से काफी परेशान है।घर का लोड चेक कर लो तो उक्त कहते है कि तुम्हारे घर की वायरिंग में गढ़बड़ है और बिल सही न कर उपभोक्ता को वहां से भगा देते है। उनके इस प्रकार के कृत्य से विद्युत उपभोक्तागण मानसिक एवं आर्थिक रूप से काफी परेशान है।

6-यह कि वर्तमान समय में उक्त ठेकेदारों द्वारा स्मार्ट मीटर लगाये गये है जिनके द्वारा पुराने मीटरो की अपेक्षा दो से तीन गुनी अनुपातिक बिल में वृद्धि होकर बिल आ रहे है, जिस कारण उपभोक्ताओ को बिल सुधरवाने हेतु काफी भटकना पड़ता है तथा विद्युत उपभोक्ताओ को आर्थिक व मानसिक शोषण होता है स्मार्ट मीटर की विधिवत जांच करवाकर सही मीटर ही लगवाये जायें। ताकि उपभोक्ताओ का शोषण न हो सके।

7-यह कि पलिया में उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने हेतु जे0ई0 विद्युत को फोन किया जाता है तो उनके द्वारा फोन उठाकर समस्या का निदान नहीं किया जाता और गलती से फोन उठा भी लेते है तो उस उपभोक्ता से अभद्रता से बात की जाती है कहा जाता। है कि लाइन मैन को फोन करो मैने कोई ठेका नहीं ले रखा है। इस प्रकार का उनका कृत्य अशोभनीय एवं उपभोक्ता के अधिकारो का हनन है।

नगर व्यापार मण्डल पलिया

गौरव गुप्ता नगर अध्यक्ष,श्याम आनन्द नगर कोषाध्यक्ष,जसवीर फ्लोरा महामंत्री,अमित महाजन जिला महामंत्री जसपाल सिंह गोहानिया तहसील अध्यक्ष,गौरव अग्रवाल युवा नगर अध्यक्ष,राजेश कुमार गुप्ता, तहसील,महामंत्री,मनीष अरोड़ा युवा नगर कोषाध्यक्ष,मो0 फहीम अंसारी तहसील,कोषाध्यक्ष,आदित्य मौर्या युवा नगर महामंत्री, श्रीकृष्ण सिंघल वरिष्ठ उपाध्यक्ष,रमेश बाजपेई,मोहम्मद आरिफ,देवेन्द्र अरोड़ा,एजाज अली,अनूप कुमार गुप्ता, मो0फिरोज खान, रामप्रकाश पांडेय, नरायनदास जिन्दल,फरजन्द अली,पलिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो, महामंत्री विष्णु कुमार शुक्ला,राजीव कुमार शुक्ला,रामू त्रिवेदी, अरुण अवस्थी, दीपक पाण्डेय, आकाश वर्मा, कमलजीत सिंह,हरविंदर सिंह सोढ़ी, कुलविंदर सिंह, धीरेंद्र शुक्ला, रघुनाथ राठौर, अब्दुल खालिक, मोईनअली, अब्बासअली, मो0आरिफ, नीरज गोयल, रियासुद्दिन अली, रेफाकत अली, बब्लू, राजकुमार श्रीवास्तव, अरशद,कामरान,

सहित अनेकों अधिवक्तागण भी शामिल रहे।

जायज़ाद के चक्कर में मेरा पति मुझे मार देगा साहब

स्वतंत्र प्रभात

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में ग्राम कुकरा थाना मैलानी जिला खीरी की पीड़िता कमरूननिशा ने बताया घटना दिनांक 08- मई-2025 को रात लगभग 11 बजे तीन लोग मुंह में कपड़ा बांधे हाथ में तमंचा लिए घर में घुस आए और पीड़िता के हाथ पीछे करके बांध कर सर पर तमाचा लगाकर बोले अगर आवाज निकाली तो भेजा उड़ा देंगे घर के चार बोली गेहूं उठा ले गए जाते जाते जान से मारने की धमकी दे गये आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस आयी पीड़िता के हाथ खोले और तीनों घर में घूसे तीनों लोगो गुफरान पुत्र अज्ञात जो हैदराबाद थाना क्षेत्र का तथा दो और अज्ञात को पुलिस ने पकड़ लिया और उक्त घटना को अंजाम देने एवं दहशत फैलाने के लिए पीड़िता के पति बलीशेर पुत्र नबीशेर ने भेजा जिसकी जानकारी पुलिस ने दी थी तीनों को पुलिस ने बिठाए रखा बाद में रूपए लेकर छोड़ दिया पीड़िता ने पुलिस से तीनों से आगे होशियार रहने के लिए तीनों का नाम और पकड़ कर छोड़ने का कारण पूछा पुलिस ने नाम पता नहीं बताया सिर्फ इतना कहा की तुम्हारे पति बली शेर ने यह सब कराया पीड़िता को भगा दिया पीड़िता शांत रही शांत रहने का परिणाम दिनांक 15- जुलाई-2025 को रात आठ बजे विपक्षी बलीशेर पुनः पीड़िता के घर घूस आया बोला केस वापस लो हर्ज खर्च का और मेरे नाम खेती करो पीड़िता ने विरोध किया तो तमंचा दिखाकर डरा-धमका चला गया पीड़िता के पति की मृत्यु हो चुकी थी तीन बेटी है तीनों की शादी कर दी पुत्र कोई नहीं बिल्कुल अकेली पीड़िता है।सहारे के लिए दस वर्ष पूर्व विपक्षी बलीशेर से शादी की थी शादी के बाद से सिर्फ कभी कभार अपनी हवस मिटाने आता था 7 वर्षों से बिल्कुल नहीं आता न खाना खर्च देता उल्टे जायदाद पर नजर गड़ाए हुए हैं जिसके पास एक तमंचा है जिससे आए दिन डराता धमकाता है। अगर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया होता तो विपक्षी इतना प्रताड़ित नहीं कर पाता दिनांक 16-07-2025 को पीड़िता सुबह 9 बजे अपने समझी की पुत्री की शादी में जाने के लिए घर से निकली रास्ते में विपक्षी ने रोक लिया कहा पुलिस से शिकायत करने रंडी जा रही अभी जान से मार देंगे पीड़िता के गिड़गिड़ाती रही शिकायत नहीं शादी में जा रहे मालूम कर लो विपक्षी ने लात घूसों से मारा पीटा कहा अगर शिकायत की तो तेरी मौत निश्चित पक्की महोदय भयभीत पीड़िता पुलिस अधीक्षक से मिलकर अपनी बात बताई पुलिस अधीक्षक द्वारा फोन मैलानी थाने किया गया पीड़िता को न्याय की उम्मीद जागी।

सी. एच. सी. अधीक्षक बांकेगंज क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार , साहब साधे चुप्पी

- **विभागीय साठगांठ से झोलाछाप डॉक्टरों का चल रहा कारोबार**
- **बगैर लाइसेंस मेडिकल स्टोर संचालित होने की भी चर्चा जोरों पर**

स्वतंत्र प्रभात

बांकेगंज /मैलानी खीरी जनपद लखीमपुर खीरी के ब्लॉक बांकेगंज की सी एच सी क्षेत्र के अंतर्गत झोलाछाप डॉक्टरों की लंबी लाइन देखी जा सकती है। जो मरीज को बेहतर चिकित्सा का सब्जबाग दिखाकर उनकी जान को जोखिम में डालते देखे जा रहे हैं। और जिम्मेदार महकमें के साहबों को यह झोलाछाप डॉक्टर नजर ही नहीं आ रहे हैं आखिर क्यों ? अहम सवाल बना हुआ है। एक तरफ जहां सूबे के स्वास्थ्य मंत्री /डिप्टी सीएम का स्पष्ट निर्देश है कि गैर पंजीकृत क्लिनिक नर्सिंग होम एवं डायग्नोस्टिक सेंटर सहित झोलाछाप डॉक्टरों पर अभियान चलाकर छापामार करवाई की जाए, जिसके तहत जनपद के अन्य क्षेत्रों में कार्यवाही होते दिखाई भी पड़ रही है ।लेकिन सी एच सी बांकेगंज अधीक्षक साहब को ग्राम कुकरा ,जटपुरा, खंजरपुर, में मरीजों की जान से खिलवाड़ करते यह झोलाछाप डॉक्टर आखिर क्यों नहीं दिखाई पड़ रहे हैं? यदि दिखाई पड़ रहे हैं तो उक्त डॉक्टर के ऊपर सीएचसी अधीक्षक बांकेगंज द्वारा कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है?ग्रामीण और विभागीय सूत्रों की माने तो यह सारा खेल विभागीय जिम्मेदारों के संज्ञान में किया जा रहा है और साहब को नजराना जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं, हालांकि मैं इस इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं करता हूं। सूत्र बताते हैं कि कूकरा में कई झोलाछाप डॉक्टर अपनी मेजों पर नीली पीली गोलियां सजाए बैठे देखे जा सकते हैं ।और वहीं खंजरपुर में चर्चित झोलाछाप डॉक्टर भूपेंद्र यादव व धीरज यादव तथा कुकरा सुनहरा भूड़ पर दो झोलाछाप डॉक्टर मरीजों की जान जोखिम में डालने के साथ-साथ शासन के आदेशों को खुली चुनौती देते हुए चिकित्सा करते देखे जा रहे हैं ।उक्त के पास कोई भी बैठे डिग्री डिप्लोमा ना है और ना ही मेडिकल स्टोर का लाइसेंस है इसके बावजूद काफी प्रतिबंधित दवाइयां सहित अन्य दवाइयां का भारी मात्रा में स्टाक किये हुए हैं। ठीक ऐसा ही मामला जटपुरा में डॉक्टर सुमित शुक्ला के यहां भी देखा जा सकता है इन जनाब के पास भी कोई भी डिग्री डिप्लोमा ना होने कामामला जन चर्चा का विषय बना है इसके बावजूद उक्त डॉक्टर सुमित शुक्ला बेखौफ होकर धड़ल्ले से चिकित्सा व्यवस्था का संचालन करते देखे जा सकते हैं, ।जटपुरा में डॉक्टर राकेश बंगाली भी अपनी क्लिनिक संचालित करके शासन के आदेशों का मजाक उड़ा रहे हैं सूत्रों की माने तो डॉक्टर सुमित सीएससी अधीक्षक बांकेगंज के बेहद करीबी जाने जाते हैं और बेधड़क खुल्लम-खुल्ला मरीजों का इलाज करते देखा जा सकता है। उक्त आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाए गए हैं।आखिर इन लोगों के पास कौन सी वैध चिकित्सा पद्धति की डिग्री है जिस पर चिकित्सा कर रहे हैं और सीएससी अधीक्षक बांकेगंज इन पर खासा मेहरबान दिखाई पड़ रहे हैं। सी एच सी अधीक्षक करें कार्यवाही तो काफी हद तक इस गोरख धंधे पर लगाया जा सकता है लगाम और शासन के आदेशों का प्रभावी अनुपालन कराया जा सकता है।

वर्जन

इस संबंध में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांकेगंज के अधीक्षक डॉक्टर अमित सिंह से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया मामला मेरे संज्ञान में आया है शीघ्र ही जांच कर झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कारवाई की जाएगी।

अपराध का रास्ता क्यों अपनाते युवा आखिरकार सिर्फ पछतावा ही रह जाता है लाता है मायूसी

स्वतंत्र प्रभात

ऐसा ही एक दृश्य उस समय देखने को मिला जब एक गांव में पिता के अंतिम संस्कार के लिए, जेल में बंद बड़े बेटे को पुलिस सुरक्षा में श्मशानघाट लाया गया। छोटे भाई ने जैसे ही बड़े भाई को देखा, दोनों एक-दूसरे से लिपटकर फूट-फूट कर रो पड़े। पुलिस की मौजूदगी में, हथकड़ी लगे हाथों से बेटे ने पिता को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर हर आंख नम हो गई। परिवार के लोग, रिश्तेदार और यहां तक कि मौजूद पुलिसकर्मी भी भावुक हो उठे। यह घटना केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं है, यह एक संदेश है उन लोगों के लिए जो ग़लत

रास्तों पर चल पड़ते हैं "अपराध क्यों करते हो फिर अपनों से दूर हो जाते हो घर में मां-बाप, भाई-बहन रोते हैं और तुम रोते हो जेल में। हर युवा को इस तस्वीर और इस क्षण से सीख लेनी चाहिए कि मानव जीवन ग़लत कार्यों का अंजाम देने के लिए नहीं है यह जीवन मनुष्य को बड़े शुभ कर्मों से प्राप्त हुआ है इसे पाकर क्राइम रास्ता छोड़कर व्यक्ति को शुभ कार्य करके समाज में अपना अस्तित्व बनाकर रखने के साथ ही समाज को एक संदेश देने का कार्य करके महान व्यक्ति बनना चाहिए। ना के अपराध की रास्ता अपनाकर अपने परिवार से अलग होकर दूसरों का नुकसान कर उन्हें दर्द देकर स्वयं को जेल नहीं,जाना चाहिए जोकी बल्कि अपनों से बिछड़ने का दर्द भी होता है - जो उम्रभर चलता भी है इससे स्वयं ही नहीं मित्रा गढ़ एवं रिश्तेदार सभी शर्मसार होते हैं।

नकटी से शिव भक्तों का जत्था हरिद्वार सेजल लेनेको हुआ रवाना

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/नवाबगंज तहसील के गांव नकटी नारायनपुर में आज शिव भक्तों का एक जत्था गांव में स्थित शिव मंदिर पर पूजा अर्चना करने के बाद हरिद्वार से कावड़ लेने के लिए रवाना हुआ इस कावड़ यात्रा में 51 से अधिक शिव भक्त सम्मिलित हैं इस जत्थे के महंत सुरेश चंद्र गंगवार है इनके साथ हीरालाल गंगवार पत्नी नीलम गंगवार ग्राम प्रधान देवेश कुमार गंगवार हरीश कुमार गंगवार अंकित कुमार श्यामा चरण अमित कुमार गंगवार पूरनलाल राठौर संतोष कुमार कश्यप आदि प्रमुख व्यक्ति हैं। यह सब भक्त डाक कावड़ के तहत हरिद्वार से जल लेकर 31 जुलाई को दूसरे सोमवार वापस आकर गांव के शिव मंदिर पर जल अभिषेक करेंगे और भगवान भोलेनाथ का आशीष प्राप्त करेंगे इसी क्रम में आज क्षेत्र से अनेकों ग्रामों से शिव भक्तों के जत्थे विभिन्न स्थानों से कछला घाट से गंगाजल लेने के लिए रवाना हुए हैं यह सभी 21 जुलाई को वापस लौटकर शिव मंदिरों में जल अभिषेक करेंगे।

डीएम से बोले बच्चे 'मास्टर साहब बढ़िया पढ़ाते हैं'

- **डीएम ने गौसना में स्थित प्राथमिक विद्यालय का किया औचक निरीक्षण**

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने विकास खण्ड राया के ग्राम गौसना में स्थित प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र गौसना एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर आरोग्य परमं धनम् उपकेंद्र गौसना का जायजा लिया। दोनों केन्द्र मौके पर बंद मिले। जिलाधिकारी ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर आरोग्य परमं धनम् उपकेंद्र गौसना के अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने स्कूल में संचालित स्मार्ट क्लास में बच्चों से जाकर गिनती, गणित के सवाल और कविता सुनी। जिलाधिकारी को एक बच्चे ने एक से लेकर 35 तक गिनती सुनाई, एक बच्ची ने कविता सुनाई, जिसपर जिलाधिकारी ने उत्साहवर्धन करते हुए ताली बजाई। क्लास में पढ़ रहे बच्चों से पूछा कि मास्टर साहब अच्छा पढ़ाते हैं या नहीं, जिसपर बच्चों ने कहा कि मास्टर साहब बढ़िया पढ़ाते हैं। जिलाधिकारी ने मिड डे मील की गुणवत्ता की जानकारी ली तथा बच्चों से पूछा कि आज क्या खाना खाया है। बच्चों ने बताया कि आज आलू-छोले की सब्जी, दाल और रोटी खाई है। बच्चों ने बताया कि खाना बहुत अच्छा है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने स्कूल परिसर का निरीक्षण किया, जिसमें गंदगी मिलने पर नाराजगी जाहिर की और अध्यापकों को फटकार लगाते हुए स्कूल की छुट्टी होने के बाद तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर की सफाई के साथ साथ कक्षाओं की भी सफाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने परिसर में लगे हैण्डपम्प को चलाया और पानी की गुणवत्ता को चेक किया। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को निर्देश दिये कि स्कूल परिसर में प्रतिदिन सफाई की जाये, शौचालय की सफाई सुनिश्चित करें, शौचालय में पानी की व्यवस्था हो, स्कूल परिसर को एकरूपी करते हुए जहां जरूरत पड़े वहां इंटरलॉकिंग टाइल लगायें। इसके बाद जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी कक्षाओं में जाकर बारी बारी से स्कूली छात्र छात्राओं को पढ़ाया, उनसे गिनती, पहाड़े, एबीसीडी, कविता आदि की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने एक बच्चे से चार का पहाड़ा भी सुना। जिलाधिकारी ने बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर तथा अध्यापकों की उपस्थिति रजिस्टर को भी चेक किया।

संक्षिप्त खबरें

बारिश से गिरा पीपल का पेड़, गाय के ऊपर गिरी डाल, गाय घायल

भदोही। ऊंज थाना क्षेत्र के बेलहुआ गांव में बुधवार की रात बारिश और हवा से एक विशाल पीपल का पेड़ गिर गया जिससे एक गाय उसके चपेट में आ गई। परिजनों ने रात में ही पुलिस को सूचना दी। रात में काफ़ी मशक्कत के बाद गाय को निकाला गया। पीड़ित ने प्रशासन से मदद की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक बेलहुआ निवासी मुकेश पाल की गाय पीपल के पेड़ के पास बंधी थी और बुधवार की रात बारिश और तेज हवा से पीपल का पेड़ गिर पड़ा जिससे पीपल की एक डाली के चपेट में गाय आकर दब गई। काफ़ी मशक्कत के बाद लोगों ने गाय को बाहर निकला लेकिन गाय के पीठ में चोट लग गयी है। सुबह सूचना के बाद वन विभाग के लोग आये और सड़क पर गिरी डाल को काटकर अवागमन चालू कराया। पीड़ित मुकेश पाल ने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

बिहरोजपुर में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व निकाली गई शोभायात्रा

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के बिहरोजपुर गांव में स्थित मां सिद्धिदात्री के प्रांगण में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व वृहस्पतिवार को भव्य और विशाल शोभायात्रा निकाली गई जो पूरे बिहरोजपुर गांव में भ्रमण करते हुए बेरासपुर में स्थित बाबा बेरासनाथ मंदिर तक फिर वहां से वापस होकर सुजातपुर तक यात्रा निकाली गई। नगर भ्रमण के दौरान लोग भक्ति गीतों पर नाचते गाते रहे। लोग अबीर गुलाल लगाकर भक्ति के रंग में रंगे नज़र आये। इस शोभायात्रा और नगर भ्रमण कार्यक्रम में पंडित त्रिभुवन नाथ पाडेय, शिवांक त्रिपाठी, लक्ष्मन पाण्डेय, प्रशांत मिश्रा, रत्नाकर पाण्डेय,शरद पाण्डेय, पंडित गुलाब मिश्रा, रामधनी मिश्रा, हौसिला प्रसाद, लालमणि मिश्रा, सभाजित, जिलाजीत, इंद्रजीत, सर्वजीत, विकास, रविन्द्र, श्रवन कुमार, आशुतोष, अवधेश मिश्रा समेत भारी संख्या में गांव और क्षेत्र के लोग शामिल हुए।

उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था से संबंधित की गई बैठक

भदोही 17 जुलाई 2025-जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था से संबंधित बैठक आयोजित की गयी थी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल कृष्ण शुक्ल, डा0 अश्वनी कुमार सिंह उप कृषि निदेशक भदोही, इरम जिला कृषि अधिकारी, राम प्रकाश सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता उपस्थित रहे। बैठक में उप कृषि निदेशक द्वारा बताया गया कि जनपद की समस्त सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के दुकानों पर यूरिया एवं डी0ए0पी0 की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है। उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 65 प्रतिशत फसल की बुवाई/रोपाई की जा चुकी है तथा कृषकों से अपील किया गया कि उर्वरक निर्धारित दर पर क्रय करें। यदि कोई समस्या होने पर कंट्रोल नं0 9450558789 या 9794691952 पर तत्काल सूचित करें। जिससे संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध कार्यवाही किया जा सके। जिला कृषि अधिकारी ईरम द्वारा बताया गया कि जनपद में यूरिया 7104 मै0टन, डी0ए0पी0 1419 मै0टन, एम0ओ0पी0 102 मै0टन, एन0पी0 के0 1222 मै0टन उर्वरक जनपद में उपलब्ध है। जिसे सहकारिता एवं निजी विक्रेता के प्रतिष्ठान से निर्धारित दर पर विक्री कराया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समय-समय पर उर्वरक बिक्री दुकानों का निरीक्षण करते रहें। जिलाधिकारी द्वारा ए0आर0 कापरेटिव को निर्देश दिया गया है कि आवश्यकता के अनुसार समस्त समितियों पर यूरिया, डीएपी एवं एनपीके की उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा प्रतिदिन साधन सहकारी समितियों पर स्टाक एवं वितरण की समीक्षा करें। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला कृषि अधिकारी द्वारा कृषि विभाग के क्षेत्रीय कार्मिकों को निर्देशित किया गया कि जनपद के साधन सहकारी समिति एवं निजी उर्वरक विक्रेता के पॉश मशीन से भौतिक सत्यापन करके 03 दिन के अन्दर सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिससे जिलाधिकारी को प्रस्तुत किया जा सके।

भदोही का अनोखा शिवलिंग जिसकी नहीं होती प्राण प्रतिष्ठा

स्वतंत्र प्रभात

भदोही। काशी और प्रयागराज के मध्य स्थित कालीन नगरी अपने कालीन के लिए पुरे विश्व में प्रसिद्ध है। भदोही जनपद कालीन के अलावा तमाम धर्मिक स्थलों के लिए भी जाना जाता है जहां पर तमाम पर्व पर विभिन्न आयोजन किया जाता है। एक ऐसा ही अनोखा शिव मंदिर भदोही के नगुआ में स्थित है, जिसकी महत्ता अपने आप में बहुत ही महत्वपूर्ण है। नगुआ में स्थित विश्व नाथेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना 3 मई 2023 को की गई, जहां मात्र दो वर्षो में कई चमत्कार से लोग प्रभावित है। मंदिर के संस्थापक विश्वनाथ दूबे ने कहा कि इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग भेड़ाघाट से लाया गया है जो अपने आप में बहुत ही खास है। बताया कि मंदिर के अंदर का गर्भ गृह 525 वर्ग फीट है जहां पर राम दरबार, शिव परिवार की प्रतिमा भी स्थापित होगी। बताया कि मंदिर परिक्षेत्र में 108 बेल के पौधों का रोपड़ किया गया है जिसका शुभारम्भ भदोही जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने किया। कहा कि बेल के वृक्षों के नीचे भविष्य में शिवलिंग स्थापित की जाएगी। कहा कि यह विश्व नाथेश्वर धाम भविष्य में ऐसा केंद्र बने जो भक्ति के साथ साथ सनातन संस्कृति के लिए एक अहम भूमिका निभाए। विश्वनाथ दूबे ने समाज की दशा पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि लोग आज दिखावा के पीछे भागते है जो कहीं न कहीं उनकी उन्नति के लिए बाधक है। लोगों को अपने हैसियत के अनुसार तमाम कार्यक्रमों में खर्च करना चाहिए। कहा कि आज की शिक्षा व्यवसाय पर आधारित हो गई है लेकिन संस्कार का अभाव देखने को मिल रहा है जो बहुत ही देश के लिए चिंताजनक है। जब तक लोग शिक्षा के साथ साथ संस्कारवान नहीं होंगे तब तक देश की सही तरक्की संभव नहीं है। आज पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव लोगो के मन मस्तिष्क पर पड़ रहा है जो भारत को सच में उन्नति से रोक रहा है। लोगों को अपने संस्कृति और संस्कार के प्रति श्रद्धाभाव रखकर कार्य करना जरूरी है।

नवयुवकों द्वारा श्रमदान कर गांव में चलाया गया सफाई अभियान

स्वतंत्र प्रभात

सुरियावां 17 जुलाई 2025 गुरुवार को ब्लाक के तुलापुर बहादुरान में युवा समाजसेवी विवेक कुमार दूबे के साथ गांव के युवाओं ने गांव के एक रोड जो मुस्लिम बस्ती के बगल ठाकुर बस्ती में था को मिलकर साफ कर दिया जहां आने जाने में लोगों को बहुत परेशानी होती थी,और यह रोड तुलापुर बहादुरान गांव की रीड की हड्डी हैं यही मार्ग से सभी का सुरियावां, अभिया,पंचायत भवन या अन्य जगह आने जाने में यही रोड गांव का मुख मार्ग हैं, यहाँ आये दिन राहगीर गिरते रहते थे जिससे उन्हें चोटे भी आती थी. लेकिन आज तुलापुर बहादुरान के युवाओं ने विवेक दूबे जी के साथ मिलकर उस रोड को साफ करके आने जाने योग्य बनाया, इस रोड पर किसी भी जनप्रतिनिथि का ध्यान नहीं जाता हैं, जब चुनाव नजदीक आता हैं तो सब लोग आ जाते हैं लेकिन चुनाव के बाद गांव कहाँ हैं कोई खोज खबर लेने वाला नहीं बचता सब अचानक गायब हों जाते हैं, आज गांव के मुस्लिम बस्ती के बगल ठाकुर बस्ती के पास सभी लोगों ने मिलकर श्रमदान करने दूबे के साथ लगे रहे, अब राश्ता आने जाने योग्य हों गया, सभी लोग खुश हुए. जिसमे विवेक दूबे के साथ साथ गांव के गुड्डू सिंह, नसीम, अजहरुद्दीन, कलीम, रमेश गौड़, विजय गौड़, नसरुद्दीन इत्यादि लोग लगे रहे।

सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

● निर्माणाधीन/निर्मित 49 परियोजनाओं के सत्यापन हेतु गठित कमेटी के आख्या रिपोर्ट पर डीएम ने की समीक्षा

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में खराब प्रगति एवं बेसिक विद्यालयों में पुस्तकें न पहुॅचने, बीआरसी पर डम्प रहने पर डीएम ने लगाई कड़ी फटकार

स्वतंत्र प्रभात

भदोही 17 जुलाइ 2025ः.सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्राप्तांक एवं ग्रेडिंग के आधार पर विकास कार्यो की मासिक समीक्षा सहित निर्माणाधीन ध्निर्मित 49 परियोजनाओं के सत्यापन समीक्षा जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान अधिकारियों के अच्छे बेहतर प्रयास से माह जून में जनपद 21 वे रैंक पर हो गया। ए श्रेणी से नीचे रहने वाले 09 विभागों पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अगले माह प्रथम श्रेणी में आने को निर्देशित किया। डी श्रेणी में नेडा विभाग पीएम सूर्य घर समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2024.25, 2025.26, 2026.27, 3 वर्ष का लक्ष्य 4873 के सापेक्ष 217 की प्रगति कम होने पर पीओ नेडा का वेतन रोकते हुए कड़ी फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में जो वेल्डर सही कार्य नही कर रहे है उन्हें ब्लैकलिस्टेड करें। बेसिक शिक्षा विभाग के निपुण परीक्षा अप्रैल में प्रगति लाने का निर्देश दिया। औराई व भदोही ब्लाक के ज्यादातर विद्यालयों में पुस्तकें न पहुॅचने व बीआरसी में डम्प रहने की शिकायत को जिलाधिकारी ने एबीएसए औराई व डीसी कम्युनिटी का वेतन रोकने का निर्देश दिया। बीएसए को निर्देशित किया कि सम्बन्धित विद्यालयों पर पुस्तकें आरक्षित वाहनों द्वारा तत्काल पहुॅचाना सुनिश्चित करें। बेसिक के 150 निष्प्रयोज्य विद्यालयों को ध्वस्तिकरण करने हेतु स्टीमेट पीडब्ल्यूडी से बनवाकर अनुमोदन हेतु शासन को तत्काल भेजने का निर्देश दिया। लापरवाही दर्शित होने पर डीसी कन्ट्रक्शन का वेतन रोकने का निर्देश दिया। सी श्रेणी में रहे पर्यटन विभाग की समीक्षा में केपीआई की रिक्वायरमेंट पूरी करने का निर्देश दिया। सहायक पर्यटन अधिकारी को विकास भवन स्थित पर्यटन कार्यालय में स्थायी रूप से आफिस खोलकर बैठने का निर्देश दिया। सी श्रेणी में रहे लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में भूमि अधिग्रहण का पैसा व्यय न कर पाने के कारण प्रभावित हो रहे रैंकिंग को सुधार करने का निर्देश दिया। 17.15 किलो मीटर के सापेक्ष 16.12 मीटर सड़क बनकर तैयार होना व शेष 1 किलो मीटर सड़क अविलम्ब बनाने का निर्देश दिया। बी श्रेणी में जल जीवन मिशन हर घर जल, योजना के निर्माण में रोड कटिंग का निर्माण पूर्णतया न करने की शिकायत समस्त बीडीओ द्वारा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए वे सभी बीडीओ को रैण्डम फीगर में सैम्पलिंग व बेरीफिकेशन करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देशित किया कि जिन ग्रामों में पाईप लाइन, मोटर अन्य कार्य हो गये है। वहाॅ वाटर सप्लाई देना सुनिश्चित करें। बी श्रेणी में नियोजन विभाग की फैमली आईडी की 55 प्रतिशत प्रगति पर डीएम ने समस्त ईओ व बीडीओ को अधिकाधिक फैमिली आईडी पंजीकृत कराने पर बल दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि राशन कार्ड विहिन सभी परिवारों का ईओ व बीडीओ पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिया कि विद्युत से अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा का लाभ लाभ दिलाए साथ ही समस्त विकास खंड, नगर पंचायत नगर पालिका परिषद में निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए अपनी.अपनी क्षेत्र में पीएम सूर्य योजना का कैंप लगवाना सुनिश्चित करें जिसमें सहयोग नगर पंचायत अध्यक्ष वार्ड सभासद ब्लॉक प्रमुख ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम पंचायत सदस्य कोटेदार रोजगार सेवक की भागीदारी सुनिश्चित कराए, साथ ही मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि पीएम सूर्य योजना की प्रगति हेतु साप्ताहिक बैठक अधिशासी अभियंता विद्युत पीओ नेडा समस्त अधिशासी अधिकारी समस्त खंड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रगति कराए।

बारिस के मौसम में भी तालाबों में पर्याप्त पानी न भरने को जिलाधिकारी ने गम्भीरता से लेते हुए समस्त खण्ड विकास अधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि कैच द रैन के अन्तर्गत सभी तालाबों में चारों तरफ से बहाव के अनुकूल नाली आदि को ठीक करते हुए तालाबों में पानी भरा रहना सुनिश्चित कराये। राजकीय नलकूपों के पुनः निर्माण में 600 मीटर से अधिक लम्बाई वाले नाली का कार्य मनरेगा से कराने हेतु डीसी मनरेगा को निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने लम्बित कार्यो से सम्बन्धित विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्यो का निष्पादन समय.सीमा में करना सुनिश्चित करें। विकास कार्यो में शिथिलता व लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित लक्ष्यों को ससमय पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि आंकड़ों को सी0एम0 डैश बोर्ड पर ससमय एवं त्रुटिविहीन भेजे जाएं।

कार्यदायी संस्था यू0पी0पी0सी0एल द्वारा जिला कारागार में 30 क्षमता की 02 नग बैरक की निर्माण, सीड स्टोर, किसान कल्याण केन्द्र का कार्य स्लैब लेवल तक होने, जिला चिकित्सालय में 50 बेड क्रिटिकल केयर का निर्माण, न्यायिक अधिकारी के श्रेणी 05 का 06नग आवास के प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जल्द ही पूर्ण करने का निर्देश दिया। भदोही मामदेवपुर में 100 बेडेड बालिका छात्रावास पूर्ण होने पर संचालन हेतु डीएम ने डीआईओएस को निर्देशित किया कि प्रोजेक्ट अलंकार के तहत चल रहे सभी कार्यो को समय रहते पूर्ण कराए।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में विकास योजना सहित जनपद में निर्माणाधीन निर्मित 49 परियोजनाओं का गठित समिति द्वारा सत्यापन संबंधी समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। निर्माण कार्यो के स्थलीय सत्यापन हेतु जिलाधिकारी द्वारा सभी कार्यो हेतु तीन-तीन अधिकारियों को नामित किया गया है। कार्यदायी संस्था यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा किये जा रहे कार्यो में वर्क मैनशिप सहित अन्य आयामों पर कमी व लापरवाही दर्शित होने पर जिलाधिकारी ने शासन को पत्र भेजने हेतु सीडीओ को निर्देशित किया। महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य हेतु अग्निशमन अधिकारी, सीएमएस, सहायक अभियंता आरईडी की टीम गठित कर जल्द ही सत्यापन आख्या प्रेषित करने का निर्देश दिया। जिला इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब के स्थापना कार्य में विलंब होने पर डीएम ने सीएमओ को कार्य तेजी से करने का निर्देश दिया। राजकीय पॉलिटेक्निक के निर्माण कार्य सहित अन्य निर्माण कार्यो में उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम सोनभद्र ईकाई द्वारा कार्य विलंब से किए जाने पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था के एमडी को पत्र लिखने का निर्देश दिया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय औराई गिर्दबड़गांव एवं सागर रायपुर के बाउंड्री वॉल के निर्माण को सही ढंग से करने हेतु निर्देशित किया। नगर पालिका परिषद भदोही में कल्याण मंडप के निर्माण में अवरोध बन रहे विद्युत तारों को शिफ्ट कर दिया गया है तत्पश्चात डीएम ने कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाते हुए अगस्त में कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिससे कल्याण मंडप में सामूहिक विवाह आयोजन संपादित किया जा सके। प्रोजेक्ट अलंकार योजना अंतर्गत वीएन जीआईसी ज्ञानपुर में निर्माणाधीन शौचालय, प्रयोगशाला एमल्टीपरपज हाल एवं पुस्तकालय निर्माण में कार्रवाई संस्था सीएलडीएफ द्वारा शिथिलता व लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी ने डीआईओएस को निर्देशित किया कि कार्य में काफी विलंब होने के दृष्टिगत कार्य को अभिलंब पूर्ण कराना सुनिश्चित करें

जिलाधिकारी ने समस्त कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया जो भी निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करना सुनिश्चित कराए कार्य में कोताही/लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संतोष चक, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

क्षेत्र में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

● तीन दिनों से बिजली आपूर्ति बंद

स्वतंत्र प्रभात

हलिया, मिर्जापुर। हलिया क्षेत्र में भारी बारिश के कारण आम जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है ज्ञात हो कि यह क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र है थोड़ी सी बरसात से नदी नालों में उफान आ जाता है और नदियां खतरनाक हो जाती हैं ड्रामड ग?ज से हलिया से जोड़ने वाला पुल तक पानी भर गया है आवागमन रुक गया है बाजार के चौराहे पर नई पुलिया बनने के बाद जल की निकासी का कोई रास्ता होने के ना कारण चौराहे पर जल जमाव हो गया है लोगों के घरों में पानी घुस गया है देवघाट रोड स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंदर तक जल जमाव है बगल में नाला होने के कारण बदबूदार गंदगी युक्त पानी भरा हुआ है स्थानीय कंपोजिट प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय में 1 से 2 फुट पानी भरा हुआ है क्षेत्र की सभी नदियां नाले उफान पर हैं आना जाना बंद है जनजीवन अस्त व्यस्त है उस पर बिजली विभाग की मेहरबानी के कारण तीन दिनों से बिजली आपूर्ति बंद है इससे अनुमान लगाया जा सकता है की क्षेत्र की आम जनता संबंधित विभाग से कितना खुश होगी बिजली न होने के कारण पानी एवं अन्य विद्युत संबंधी उपकरण बंद है यह समस्या पुरे लालगंज तहसील क्षेत्र की है मार्च के बाद लगभग सितंबर अक्टूबर तक विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पटरी से उतरी हुई होती है यह प्रत्येक वर्ष की समस्या है इसमें सुधार कब होगा इसको विभाग वाले ही बता सकते हैं इसके कारण मच्छरों जहरीले जंतुओं का भय हमेशा बना रहता है।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा प्रतिदिन की भांति जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

स्वतंत्र प्रभात

भदोही प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रतिदिन की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक-17.07.2025 को अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस कार्यालय पर जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

रंगारंग कार्यक्रमों के बीच गणित विभाग के सीनियर्स को दी गई विदाई

स्वतंत्र प्रभात

चुनार मिर्जापुर। गुरुवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार मिर्ज़ापुर में गणित विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एमएससी अंतिम वर्ष के छात्र -छात्राओं के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर माधवी शुक्ला ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। प्राचार्य ने कहा कि आप सभी राष्ट के भविष्य हैं, इसीलिए आशा है आप सभी समाज में अपनी पहचान अवश्य बनाएंगे।तत्पश्चात् सिम्मी कुशवाहा एवम् आकांक्षा सिंह ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया।गणित विभाग के प्रभारी डॉ सत्येन्द्र कुमार एवं सहप्रभारी डॉ गुरुप्रसाद सिंह ने प्राचार्य को स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर छात्र -छात्राओं ने नृत्य एवं मधुर गायन के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के छात्र -छात्राओं के बीच एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मिस फेयरवेल आफरीन एवं मिस्टर फेयरवेल विनोद कुमार पॉल चुने गए डॉ रजनीश कुमार, डॉ भास्कर द्विवेदी, डॉ दीपक कुमार सिंह, डॉ शिव कुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई।इस दौरान डॉ सत्येन्द्र एवं डॉ गुरू प्रसाद सिंह ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद फैय्याज, मानसी एवं सत्यप्रकाश ने किया।इस अवसर पर डॉ कुसुमलता, डॉ अरूणेश कुमार, डॉ अवधेश सिंह यादव,डॉ अरविंद कुमार, डॉ शेफालिका राय, डॉ नलिनी सिंह, डॉ शिखा सिंह,डॉ मंजुला सिंह, डॉ विद्या सिंह, डॉ अदिति सिंह,डॉ रीता मिश्रा, कमलेश शुक्ला, धर्मेंद्र कुमार सिंह, राम केश सोनकर सहित समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं गणित विभाग के छात्र -छात्रायें उपस्थित रहे।

विंध्य कॉरिडोर के दूसरे चरण में बनेगा रिंग रोड

स्वतंत्र प्रभात

मीरजापुर। विंध्याचल धाम में विंध्य कॉरिडोर के निर्माण का प्रथम चरण पूरा हो गया है। धाम में अब व्यवस्था की जिम्मेदारी विंध्य तीर्थ प्रकाश परिषद सम्हालेगा । इसके लिए हैंड ओवर की तैयारी की जा रही है। इसी के साथ कॉरिडोर के दूसरे चरण का भी खाका खींचा जा रहा है।

गुरुवार को विंध्याचल धाम में पहुंची जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन नगर ने नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय के साथ धाम की गलियों में भ्रमण किया। विंध्याचल के विभिन्न घाटों पर व्यवस्था को देखा। जिलाधिकारी ने बताया कि विंध्य कॉरिडोर बनने के बाद धाम में पहले 10 से 20 लाख यात्री आते थे। अब इनकी संख्या प्रतिवर्ष 2 से ढाई करोड़ हो गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या देखते हुए सुविधा में वृद्धि किया जाना है। गंगा घाट जाने वाले मार्गो को लेकर एक रिंग रोड का निर्माण दूसरे चरण में किया जाना है । इसके लिए पर्यटन की दृष्टिकोण से विकास कार्य किया जाएगा। जिसका खाका बनाकर तीर्थ विकास परिषद को देना है। जो विंध्याचल धाम की समस्त व्यवस्था को संभालेगा। विभाग का स्थायी भवन परासिया ग्राम पंचायत में बन रहा है। अस्थाई कार्यालय धाम परिसर में संचालित हैं।

प्रथम चरण का कार्य पूरा होने के बाद विंध्य कॉरिडोर की समस्त व्यवस्था तीर्थ विकास परिषद करेगा। कॉरिडोर स्थानांतरण की प्रक्रिया चल रही है। व्यवस्था के लिए जल्द निविदा निकाला जायेगा।

बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात

चुनार मिर्जापुर। गुरुवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में 900 बालिकाओं के साथ जागरूकता बैठक किया गया जिसमें एचपीयू प्रभारी रामपाल मिश्रा, चाइल्ड लाइन से सिद्धनाथ ,आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था से प्रोग्राम मैनेजर दिव्य प्रकाश शुक्ला, फील्ड कोऑर्डिनेटर रतन कुमार मिश्रा प्रधानाचार्या रश्मि सिंह इत्यादि मौजूद रहे। सर्वप्रथम रतन कुमार मिश्रा फील्ड कोऑर्डिनेटर के द्वारा कार्यक्रम का शुरूआत किया गया सभी बालिकाओं को अपना तथा अपने संस्था का परिचय उद्देश्य भूमिका इत्यादि विषयों पर जानकारी देते हुए आरंभ किया गया जिसमें एंटी रोमियो मिशन शक्ति,मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना,कन्या सुमंगला योजना, स्कॉलरशिप इत्यादि विषयों पर विस्तार पूर्वक बालिकाओं को जानकारी दिया गया उसके बाद HTU प्रभारी रामपाल मिश्रा के द्वारा विभिन्न टोल फ्री नंबर चाइल्डलाइन ,महिला हेल्पलाइन पुलिस हेल्पलाइन, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन इत्यादि की विस्तार पूर्वक जानकारी साझा किया गया ।और बताया गया कि किन-किन परिस्थितियों टोल फ्री नंबर का प्रयोग कर सकते हैं। अंत में टोल फ्री नंबर का पंपलेट वितरण किया गया।

देशी गायों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु गौशाला का उद्घाटन कल

सीखड़, मीरजापुर। अमृताय फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एवं नव चेतना एग्रो सेन्टर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में देशी गायों विशेषकर गंगा तीरी,गीर और साहीवाल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु एक विशेष हरित डेयरी एवं गौ अहार मिशन की स्थापना सीखड़ में की जा रही है।यह मिशन 51000 देशी गायों के लिए बनाया गया है, जिसमें दुग्ध उत्पादन,गौ अहार, जैविक खेती, गोबर गैस, गोमूत्र आधारित उत्पाद और सम्पूर्ण गौ संरक्षण प्रणाली को पर्यावरण संवेदनशील ढंग से विकसित किया जाएगा। यह एक हरित डेयरी केन्द्र है, जिसका उद्घाटन 18 जुलाई को प्रतिभा शुक्ला राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी (न्यायिक),मंझनपुर को उप नियन्त्रक, नागरिक सुरक्षा कोर किया नामित

कौशाम्बी। नागरिक सुरक्षा अधिनियम-1968 (अधिनियम संख्या-27,सन् 1968) की धारा-4 की उप धारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुये राज्यपाल ने जिलाधिकारी को नागरिक सुरक्षा कोर,जनपद कौशाम्बी में नियन्त्रक के रूप में नियुक्त किया है। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने नागरिक सुरक्षा अधिनियम-1968 की धारा-4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मंझनपुर अजेन्द्र सिंह मो0 नं0- 8318341303 को उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा कोर, जनपद कौशाम्बी नामित किया है। नामित उप नियत्रक,नागरिक सुरक्षा के अधीन कार्य करते हुये जनपद में नियुक्त होने वाले सहायक उप नियन्त्रकों एवं अन्य सम्बन्धित स्टाफ के कार्यो का पर्यवेक्षण,जनपद स्तर पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, प्रदर्शनों/अभ्यासों का आयोजन, स्वयं सेवकों की भर्ती व प्रशिक्षण के लक्ष्यों को पूर्ण कराने, नागरिक सुरक्षा योजनाओं को तैयार कराने तथा निदेशालय/नियन्त्रक द्वारा सौंपे गये निर्देशों के अनुपालन के लिये उत्तरदायी होंगें।

जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय बारा का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज उच्च प्राथमिक विद्यालय बारा का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने आकस्मिक निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया, जिसमें सहायक अध्यापिका संजीता प्रजापति चिकित्सीय अवकाश तथा प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक रिजवान अहमद एवं सहायक अध्यापिका प्रभा सिंह उपस्थित पाई गई। निरीक्षण के दौरान नामांकित 101 बच्चों के सापेक्ष 34 बच्चे उपस्थित पाए गये। उन्होंने प्रधानाध्यापक को बच्चों की उपस्थिति और बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कक्षा 06 में पहुंचकर बच्चों से अंग्रेजी की पुस्तक पढ़वाकर शिक्षा की गुणवत्ता को परखा। शिक्षा की गुणवत्ता ठीक पाई गई। उन्होंने बच्चों से मध्यान्ह भोजन में आज क्या मिला एवं भोजन की गुणवत्ता की जानकारी प्राप्त करते हुए प्रधानाध्यापक से कहा कि बच्चों को मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन प्रदान किया जाय। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि घर जाकर क्लास में पढ़ाए गये लेसन का अभ्यास करें तथा मेहनत के साथ मन लगाकर पढ़ाई करें।

रेलवे ने किया उसका बाजार में सीमांकन

सिद्धार्थनगर। रेलवे विभाग उसका कस्बा में इन दिनों अपने जमीन को संरक्षित कर रहा है। विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में पुराने टैक्सी स्टैंड से रानीगंज रेलवे क्रॉसिंग तक रेलवे की जमीन का सीमांकन लाल निशान लगाकर किया गया। ज्ञातव्य हो कि ससनी से कस्तूरबा गांधी विद्यालय तक सीमांकन के बाद बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य चल रहा है। कानूनगो गयादीन मौर्य, लेखपाल संजय पाण्डेय की टीम ने सीमांकन कार्य किया। उसका कस्बा एवं रानीगंज के कई दर्जन लोगों का मकान एवं दुकान रेलवे की सीमा में आ रहा है। इससे प्रभावित लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। उसका रेलवे स्टेशन के आसपास लगभग रेलवे की सैकड़ों बीघा जमीन है।

यूपी के इन सात प्राचीन मंदिरों का होगा कायाकल्प

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की सरकार अब प्रदेश के उन सात प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प करने जा रही है जिससे ना सिर्फ उस इलाके का विकास होगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा. इसके लिए यूपी टूरिज्म विभाग, यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड और यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड का सहयोग सरकार ले रही है. इन तीनों संस्थाओं की मदद से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पर्यटन इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी में है. योगी सरकार की इन परियोजनाओं में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाओं का विकास और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है. इनमें से अधिकांश वो प्राचीन शिवमंदिर हैं, जो पिछली सरकारों में उपेक्षा के कारण दुर्दशाग्रस्त हो चुके हैं. बता दें कि बीते आठ साल में योगी सरकार ने 188 छोटे-बड़े प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया है. जिससे न केवल धार्मिक पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी बल मिल रहा है।

पर्यटन विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक यूपी सरकार द्वारा प्रदेश की धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इनमें आगरा के फतेहाबाद में भट्टा की पिपरी मौजा मेवालीखुर्द स्थित शिव मंदिर परिसर, फिरोजाबाद में चकलेश्वर महादेव मंदिर और समौर बाबा मंदिर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्य यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा करने की तैयारी है.वहीं गोरखपुर जिले में भूलेश्वर मंदिर, खजनी महादेव शिव मंदिर और झारखंडी महादेव मंदिर के साथ-साथ गोंडा जिले में तीरे मनोरमा मंदिर का पर्यटन विकास कार्य यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा. ये परियोजनाएं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय कला और संस्कृति को भी संरक्षित करेगी. इसके अलावा मैनपुरी में घंटाघर का सौंदर्यीकरण यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

योगी सरकार मिर्जापुर मंडल के तीन जिलों मीर्जापुर, भदोही और सोनभद्र में ग्रामीण पर्यटन विकास रणनीति तैयार करने और ग्रामीण होमस्टे विकसित करने के लिए एक एजेंसी का चयन किया जा रहा है. इसके तहत कुल 8 गांवों में इस योजना को लागू करते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा. यह पहल न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहित करेगी बल्कि स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी मदद करेगी. बता दें कि पर्यटन विकास परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि ये स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं. होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाइड सेवाओं और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में नए रोजगार के द्वार खुल रहे हैं. विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को इन योजनाओं से लाभ मिल रहा है. योगी सरकार का विजन यूपी को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्य स्थलों में शुमार करना है. इसके साथ ही प्रदेश सरकार यूपी में हेरीटेज पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है. प्रदेश के 11 विरास्त स्थलों को विकसित करने जैसी गतिविधियां न केवल निवेशकों को आकर्षित करने और नए अवसरों को तलाशने में मदद करेंगे, साथ ही पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं. इन प्रयासों से यूपी न सिर्फ एक पर्यटन हब के रूप में उभरेगा बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक भी बनेगा।

बस्ती में करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा, गोंडा के दो शातिर ठग गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज- उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. बस्ती साइबर क्राइम थाना और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई ने करोड़ों की साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है. इस कार्रवाई में एक अंतरजनपदीय गिरोह के सरगना समेत दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल इस गिरोह ने बस्ती के बालक राम ज्वेलर्स के मालिक प्रज्वल गुप्ता को अपना निशाना बनाया था, जिनसे इन शातिर ठगों ने 2,06,550 रुपए की ठगी की थी. ठगों ने पहले सोने के सिक्के खरीदे और भुगतान किया, लेकिन बाद में चालाकी से भुगतान की गई राशि को वापस अपने खाते में ले लिया. इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4) और 319(2) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (IT Act) की धारा 66ष्ठ के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से ठगी को अंजाम देता था. वे फर्जी सिम कार्ड, 'म्यूल 'यानी किराए पर लिए गए बैंक खाते और इंटरनेट बैंकिंग का इस्तेमाल करते थे. ठगी का इनका तरीका बेहद चौंकाने वाला था. वे ज्वेलरी की दुकानों से सोना खरीदते थे और भुगतान के बाद किसी तरह पेमेंट वापस ले लेते थे. इसके बाद, जो नकदी वे एटीएम से निकालते थे, उसे आपस में बंदरबांट कर लेते थे. पुलिस से बचने के लिए ये अपराधी नकली दस्तावेजों, फर्जी पहचान और अलग-अलग मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करते थे, जिससे उन्हें ट्रैक करना बेहद मुश्किल हो जाता था। इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान श्रीकांत वर्मा के रूप में हुई है, जो गोंडा के मनकापुर स्थित पटेल नगर का रहने वाला है, और सोनू कुमार, जो गोंडा के खोडारे स्थित मदनपुरा का निवासी है. इनके पास से पुलिस ने 4 एंड्रॉयड/आईओएस मोबाइल फोन जिनकी अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये है, एक मोटरसाइकिल, 2,200 नकद, 5 फर्जी पासबुक, 10 एटीएम कार्ड, 7 सिम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक ये अभियुक्त तकनीकी रूप से बेहद दक्ष थे और पुलिस को चकमा देने के लिए उन्नत तरीकों का इस्तेमाल करते थे. यह पूरी ठगी एक सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र का हिस्सा थी, जिसे एक संगठित गिरोह के रूप में अंजाम दिया गया था. इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में साइबर थाना प्रभारी विकास यादव, स्व्हृत प्रभारी चंद्रकांत पांडेय और कुल 20 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे. इस टीम ने अपनी सूझबूझ और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए इस बड़े साइबर गिरोह का पर्दाफाश किया।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कौशाम्बी की पैथोलॉजी लैब को मिला एन0ए0बी0एल0 सर्टिफिकेटश

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है चिकित्सालय की सेन्ट्रल पैथोलॉजी लैब को नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एन0ए0बी0एल0) द्वारा मान्यता प्राप्त हुई है। यह प्रमाणन जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे न सिर्फ मरीजों को उच्च गुणवत्ता की जांच सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि निदान और उपचार की सटीकता में भी सुधार आएगा उच्च स्तरीय जांच सुविधा देने में सक्षम हुए एनएबीएल मान्यता का अर्थ यह है कि अब स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय की पैथोलॉजी लैब देश के अन्य बड़े मेडिकल संस्थानों की तरह राष्ट्रीय स्तर की जांच सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम है। मरीजों को जांच रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर पूरा भरोसा होगा। इससे न केवल समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि मरीजों को मानसिक राहत भी मिलेगी।

सटीक जांच, आधुनिक उपकरण और प्रशिक्षित स्टाफ से मिली मान्यता

कौशाम्बी।प्रधानाचार्य डा0 हरिओम कुमार सिंह एवं पैथोलॉजी लैब की प्रभारी डॉ. रविरंजन सिंह के अथक प्रयास के उपरान्त एनएबीएल प्रमाण प्राप्त हुआ है। लैब को सटीक परीक्षण, उच्च गुणवत्ता के उपकरणों का उपयोग, प्रशिक्षित तकनीशियनों की उपस्थिति और सख्त गुणवत्ता नियन्त्रण प्रक्रियाओं पर खरा उतरना पड़ा है। इन सभी मानकों को पूरा करने के बाद ही लैब को यह मान्यता मिली है। एनएबीएल मान्यता मिलने के बाद लैब की प्रमाणिकता अधिक हो गयी है।

24 घण्टे संचालन और बेहतर सेवाएं

कौशाम्बी। गौरतलब है कि डेढ़ साल पहले जिला अस्पताल में 24 घण्टे लैब सेवा शुरू की गई थी। तब से लैब लगातार 24 घंटे सेवाएं दे रही है और हर दिन लगभग 5000 से 6000 जांच की जा रही है। एनएबीएल मान्यता मिलने के बाद अब लैब में जांचों की संख्या और प्रकार में वृद्धि होगी। इससे जटिल और विशेष प्रकार की बीमारियों की जांच स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सकेगी, जिससे मरीजों को अन्य शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में आएगा सुधार

कौशाम्बी।यह मान्यता न केवल अस्पताल की साख को मजबूत करेगी, बल्कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और गुणवत्ता को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। अधिक से अधिक लोगों को इससे लाभ मिलेगा और विश्वास बढ़ेगा कि कौशाम्बी जैसे जिले में भी आधुनिक, सटीक और विश्वसनीय जांच सेवाएं मौजूद हैं ए0एस0एम0सी0 कौशाम्बी की यह उपलब्धि न केवल अस्पताल के लिए, बल्कि समूचे जिले के लिए गर्व की बात है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, लैब स्टाफ और प्रबन्धन की यह मेहनत अब आमजन की सेहत सुधारने में मील का पत्थर साबित हुयी है।

वी0बी0एस0,आई0टी0आई0 कालेज,सैयद सरांवा तेरहमील के विरुद्ध विधिक कार्यवाही के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीदार चायल पुष्पेन्द्र कुमार एवं खण्ड शिक्षाधिकारी मूरतगंज ने संयुक्त रूप से आज परीक्षा केन्द्र वी0बी0एस0 आई0टी0आई0 (संस्था कोड-3293) पता-सैयद सरांवा तेरहमील,जी0टी0रोड , कौशाम्बी का प्रातः 10 बजे निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केन्द्र में मात्र 4 परीक्षार्थ, कक्ष के बाहर पाये गये एवं निरीक्षण के दौरान कोई भी स्टाफ/शिक्षक परीक्षा केन्द्र में उपस्थित नही पाया गया, मात्र एक प्राइवेट व्यक्ति मिला। नीचे बेसमेन्ट में 02 परीक्षा कक्ष मिले, जिसमें कोई परीक्षार्थी नही पाया गया व शिक्षण कक्ष में कोई भी प्रकाश की व्यवस्था उपलब्ध नही है। कक्षों में टाइलीकरण नही है, जो पूर्ण अव्यवस्था में परीक्षा संचालित कराई जा रही है। परीक्षा प्रारम्भ होने का समय प्रातः 09ः30 बजे से है,किन्तु निरीक्षण के दौरान परीक्षा कक्ष में कोई भी छात्र उपस्थित नही पाया गया तथा जगह-जगह गन्दगी पाई गई व सीढीयों पर जल भराव व काई लगी हुई पाई गई, जिससे किसी दुर्घटना से इन्कार नही किया जा सकता है। इस प्रकार परीक्षा में अव्यवस्था एव अंधेरे में संचालित किया जा रहा है। संस्थान के पास वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था संचालित नही पाई गई। वर्कशॉप में इंस्टूमेन्ट बिखरे/ अव्यवस्थित अवस्था में पाये गये। वर्कशॉप की छत टीन चद्दर की है, जिसमें कई स्थानों पर छेद है, जिससे वर्षा जल वर्कशॉप में टपकता पाया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य मौके पर नही मिले। उपस्थित संगीता सिंह एवं उनके सहायकों द्वारा संस्थान की मान्यता/मानकों से सम्बन्धी कोई भी दस्तावेज नही दिखाया गया। आई0टी0 लैब में कम्प्यूटर गैर संचालित अवस्था में मिले। लाइब्रेरी एवं रिडिंग कक्ष, प्ले ग्राउंड एवं शौचालय/दिव्यांग सहयोगी शौचालय, पार्किंग आदि की व्यवस्था अनुपलब्ध/अत्यन्त खराब स्थिति पाई गई। (प्रशिक्षण महानिदेशालय के मानक, 2024 के अनुरूप नही है) वी0बी0एस0 आई0टी0आई0 कालेज ग्राम सैयद सरांवा की खतौनी आराजी संख्या 183 में बना हुआ है, जिससे सटा हुआ उत्तर दिशा में एक ईट भट्ठा पूर्व से संचालित हो रहा है। जिसका नाम पंकज ब्रिक फील्ड है। स्कूल से सटा हुआ ईट भट्ठा होने के कारण स्कूल के छात्रों एवं स्टॉफ को खतरा हो सकता है। इस प्रकार प्रथम दृष्टया आई0टी0आई0 कालेज का संचालन मानक के अनुरूप नहीं है। तहसीलदार चायल ने बताया कि नोडल प्राचार्य,राजकीय आईटीआई को वी0बी0एस0 आई0टी0आई0 कालेज के विरुद्ध कार्यवाही विधिक करने के निर्देश दिये गये हैं।

पुरानी रंजिश में की गयी अधेड़ की हत्या दो गिरफ्तार

●अभियुक्तों के कब्जे से आला कत्ल बरामद भेजे गए जेल

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। जनपद में मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के भेलखा में 15 जुलाई की रात में प्रेमचन्द की गांव के बाहर समरसेबुल पर सोते समय धारदार चाकू कुल्हाडी एवं फरसा से मार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी बेटे अरविन्द की तहरीर पर थाना मंझनपुर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था घटना की गम्भीरता को देखते हुये राजेश कुमार पुलिस अधीक्षक द्वारा टीमों का गठन कर घटना के शीघ्र सफल अनावरण हेतु निर्देशित किया गया था।घटना के अनावरण के क्रम में थाना मंझनपुर व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुखबिर की सटीक सूचना पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये 02 अभियुक्तों रमेश सरोज पुत्र स्व0 जवाहर सरोज निवासी ग्राम भेलखा थाना मंझनपुर वा उसके रिश्तेदार सरजू पुत्र रामभरोसे निवासी ग्राम ट्डहर थाना कोखराज को ग्राम पाता जाने वाले मार्ग पर स्थित तालाब के पास से गिरफ्तार किया गया है। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया हैं।

गिरफ्तार अभियुक्तों से गहन पुछताछ करने पर अभियुक्त रमेश नें बताया कि मेरे व मृतक प्रेमचन्द्र के मध्य पुरानी रंजिश थी। जिसको लेकर मेरे द्वारा मृतक प्रेमचन्द्र के विरूद्ध न्यायालय में मुकदमा डाला गया था जिसको वापस लेने के लिए प्रेमचन्द्र दबाव बनाता था, इसी बात को लेकर मेरी कहासुनी हो गयी थी एवं मुकदमा वापस न लेने पर मुझे व मेरे बच्चों को जान से मारने की धमकी दी थी । मुझे 20 जुलाई को काम से मुम्बई जाना था, मुझे डर था कि मेरे जाने के बाद ये मेरे बच्चों को मार देगा इसलिए मैने अपने रिस्तेदार सरजू के साथ मिलकर योजना बनाकर दिनांक 15 जुलाई की रात्रि को गांव के बाहर ट्यूबवेल पर सो रहे प्रेमचन्द्र के ऊपर डण्डो तथा खुर्पी से हमला किया और तब तक मारते रहे जब प्रेमचन्द्र मरणासन्न हो गया था। इलाज के दौरान प्रेमचन्द की मौत हो गई थी।

उपजिलाधिकारी द्वारा किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

स्वतंत्र प्रभात

कौशाम्बी। उपजिलाधिकारी आकाश सिंह की अध्यक्षता में किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ तहसील चायाल में बैठक की गयी। जिनके साथ निम्न बिन्दुओ पे चर्चा की गयी फसल बीमा योजना के अन्तर्गत अधिक से अधिक किसानों को लाभ करने हेतु मांग की गई, उर्वरक ओवर रेटिंग ना हो इस सम्बन्ध में सतत निगरानी कर ली जाये और किसानों से भी सम्पर्क कर लिया जाये, धान के फसल (हाइब्रिड)की खरीद न होने के कारण आगामी धान फसल के विक्रय हेतु हाइब्रिड धान का अधिक से अधिक कृषकों का सरकारी क्रय केन्द्रो के माध्यम से क्रय किया जाये, उच्च गुडवत्ता वाले बीज की उपलब्धता आगामी रवि सीजन में समय से कराई जाए जिससे किस समय से बुआई कर सके, फायर ब्रिगेड स्टेशन स्थापित करने की मांग की गयी, चल और नेवादा में किसान कल्याण भवन की मांग की गयी, मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का क्रय किया जाए और समय से मृदा परीक्षण भी किया जाये मिलेट्स को बढ़ावा देने हेतु विषयों पे विस्तार से चर्चा हुई।इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी डॉ सन्तराम, सहायक आयुक्त/सहायक निबन्धक सहकारिता मोहिसिन जमील, अधिशाषी अभियन्ता सिंचाई विभाग जगदीश लाल, देवेन्द्र नाथ तिवारी सहायक विकास अधिकारी कृषि विकास खण्ड चायल, भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष चन्दू तिवारी, जिला प्रवक्ता आशीष शुक्ला, तहसील अध्यक्ष मोहम्मद साहिद, किसान यूनियन् के पदाधिकारियों मे कैलाश, शोभनाथ, उत्तम कुमार, प्रमोद कुमार, सगीर अहमद प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 -25 की सूची में प्रयागराज मण्डल में अझुआ नगर पंचायत दूसरे पायदान पर

अझुवा कौशाम्बी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 - 25 की सूची में, नगर पंचायत अझुवा उत्तर प्रदेश 95 वां स्थान और प्रयागराज मण्डल में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह सर्वेक्षण आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है और इसका उद्देश्य भारत के शहरों और कस्बों में स्वच्छता की स्थिति का आकलन करना है। 2024 के सर्वेक्षण में, अझुवा ने अपनी स्वच्छता में सुधार किया है और पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।स्वच्छ सर्वेक्षण सूची 2024द्ध25 में नगर पालिका भरवारी 86 अंक और नगर पंचायत अझुवा प्रदेश की रैंकिंग में शीर्ष 100 में शामिल हुई हैं भरवारी प्रथम वहीं अझुवा को दूसरा स्थान मिला है चरवा 110,करारी 307,मंझनपुर नगर पालिका 341, सिराथू 363,दारानगर 535,सराय अकिल 538, पूरब पश्चिम शरीरा 580 और नगर पंचायत चायल 753 अंक हासिल किए हैं। यह सर्वेक्षण 2016 में शुरू किया गया था तब से यह भारत का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण बन गया है इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता और सफाई के महत्व के बारे में जागरूक करना और शहरों को रहने के लिए बेहतर स्थान बनाना है सर्वेक्षण में शहरों को विभिन्न मानदण्डों पर आंका जाता है जैसे की ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, खुले में शौच से मुक्ति और सामुदायिक भागीदारी शामिल है ।स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में कौशांबी में दूसरा स्थान हासिल करने पर नगर पंचायत अध्यक्ष शान्ति देवी कुशवाहा ने नगर पंचायत कर्मियों,अपने सहायकों,सफाईकर्मियों विशेष रूप से अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह को बधाई दी है।

सी बी आई अधिकारी बन डॉक्टर से 85 लाख की थी ठगी, कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई

●यूपी में पहली बार डिजिटल अरेस्ट मामले में सजा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ- खुद को CBI अधिकारी बताकर महिला डॉक्टर को डराने और डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी देकर 85 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले देवाशीष राय को अदालत ने सात साल की कठोर सजा सुनाई है। लखनऊ की सीजेएम कस्टम कोर्ट ने 16 जुलाई 2025 को यह ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी पर जुर्माना भी लगाया। यह उत्तर प्रदेश का पहला मामला है, जिसमें डिजिटल अरेस्ट साइबर फ्रॉड में इतनी तेज़ी से सुनवाई पूरी कर दोष सिद्ध किया गया है।

1 साल से भी कम समय में पूरा हुआ ट्रायल

अभियुक्त देवाशीष राय को 5 मई 2024 को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने 2 अगस्त 2024 को चार्जशीट दाखिल की और 348 दिन में ट्रायल पूरा कर लिया गया। गिरफ्तारी के 438 दिन के भीतर अदालत ने सजा सुना दी, जो राज्य में त्वरित न्याय की दिशा में एक उल्लेखनीय मिसाल मानी जा रही है।

कैसे दिया गया अपराध को अंजाम?

देवाशीष राय, जो मूल रूप से आजमगढ़ का निवासी है, वर्तमान में लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार स्थित सुलभ आवास में रह रहा था। उसने फर्जी आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और सिम कार्ड के ज़रिए एक फर्जी नेटवर्क खड़ा किया। 1 मई 2024 को लखनऊ की प्रसिद्ध डॉक्टर डॉ. सौम्या गुप्ता को ड्यूटी के दौरान कॉल किया गया। पहले खुद को कस्टम अधिकारी बताया गया और कहा गया कि उनके नाम पर एक कार्गो में जाली पासपोर्ट और MDMA (नशीला पदार्थ) मिला है। कॉल को फिर एक कथित CBI अधिकारी के पास ट्रांसफर कर दिया गया, जिसने वीडियो कॉल पर 'डिजिटल अरेस्ट' दिखाकर पीड़िता को लगातार मानसिक दबाव में रखा। 10 दिनों तक डराकर 85 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए गए।

अदालत की टिप्पणी- यह आम आदमी की सुरक्षा और विश्वास पर हमला है

अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह गंभीर, सुनियोजित और तकनीकी रूप से उन्नत साइबर अपराध है, जिसमें आम लोगों को सरकारी एजेंसियों का भय दिखाकर ठगा जाता है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर सजा जरूरी है, ताकि समाज में भय का वातावरण कम हो और अपराधियों में कानून का डर बना रहे।

फर्जी फर्म और दस्तावेजों का इस्तेमाल

जांच में सामने आया कि आरोपी ने फर्जी कंपनियों, फर्जी बैंक खातों और सिम कार्ड के ज़रिए पूरे फ्रॉड को अंजाम दिया। डिजिटल माध्यमों का दुरुपयोग कर पीड़िता को मानसिक रूप से पंगु बना दिया गया और भरोसे का लाभ उठाकर रकम हड़पी गई।

एक दो नहीं पूरे 9 कोबरा! कुशीनगर में घर से निकला सांपों का जखीरा- हड़कंप

प्रयागराज। कुशीनगर के सेवरही कस्बे में बुधवार को एक घर में एक साथ 9 कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। घर में सफाई के दौरान सांपों के दिखने से परिजन दहशत में आ गए। स्नेक कैचर को बुलाकर सभी सांपों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया गया और जंगल में छोड़ दिया गया। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में बुधवार को एक सनसनीखेज मामला सामने आया, जब सेवरही कस्बे के किदवई नगर स्थित एक घर में एक साथ 9 कोबरा सांप निकल आए। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। घरवालों के मुताबिक, वे रोज की तरह सुबह घर की सफाई कर रहे थे, तभी एक कमरे के कोने में सांप की फुंकार सुनाई दी।जब घर के लोग सामान्य रूप से घर की सफाई कर रहे थे जैसे ही फर्श और कोनो की सफाई शुरू की गई, तो वहां से एक-एक कर कुल 9 कोबरा सांप निकल आए। इतने विषैले सांपों को एक साथ देखकर परिजन घबरा गए और तुरंत स्थानीय प्रशासन व स्नेक कैचर को सूचना दी गई। कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे स्नेक कैचर की टीम ने सतर्कता से सभी कोबरा सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। रेस्क्यू टीम ने बताया कि सभी सांप पूरी तरह ज़हरीले हैं और यदि समय रहते इन्हें पकड़ा न जाता तो यह हादसे का कारण बन सकते थे।सांपों को पकड़ने के बाद उन्हें सुरक्षित जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया। राहत की बात यह रही कि किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। मकान मालिक ने बताया कि यह घर काफी पुराना है और लंबे समय से नीचे की ज़मीन में नमी बनी हुई थी, जिससे अंदेशा है कि सांपों ने वहां अपना ठिकाना बना लिया था।घटना के बाद आसपास के लोगों में भी दहशत है। लोगों ने नगर पंचायत से इलाके में साफ-सफाई और फॉगिंग कराने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

संक्षिप्त खबरें

दनुआ से देवघर के लिए दर्जनों युवाओं ने किया रवाना

चौपारण, हजारीबाग, झारखंड- चौपारण प्रखंड अंतर्गत चोरदाहा पंचायत के दनुआ से दर्जनों युवक देवघर के लिए रवाना हुए। युवाओं ने देवघर रवाना से पहले गाँव मे स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना किया। मौके पर मौजूद पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष सुखेदव पासवान ने कहा कि देवघर श्रवण मास में पूरे भारत के लिए जाना जाता है। अलग अलग राज्यो से कावड़ियां जल लेकर देवघर बाबा बोले पर जलाभिषेक करते है। वही सौभाग्य की बात है हमारे पंचायत से युवा बाबा नगरी देवघर में जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने बताया कि सुल्तानगंज से जल उठाकर बाबा बैजनाथ धाम में जलाभिषेक करेंगे। कांवरिया जत्थे में सुरेंद्र केशरी, ब्रजेश गुप्ता, सौरभ विश्वकर्मा, दिलीप यादव, राजेश गुप्ता, सन्नी गुप्ता, मुन्ना सिंह, सोनू केशरी व अन्य युवा श्रद्धालु शामिल है।

विधानसभा परिसर में जमकर चले लात-घूंसे, विधायकों ने एक-दूसरे के फाड़े.

महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान एक बड़ी घटना सामने आई है। विधानसभा की लॉबी में एनसीपी के नेता जितेंद्र आव्हाड और भाजपा विधायक गोपीचंद पड़लकर के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई तक हो गई। इस झड़प का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों विधायक एक-दूसरे के बाल नोचते, शर्ट फाड़ते और थप्पड़ मारते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान अन्य विधायक और कार्यकर्ता बीच-बचाव करते नजर आए। झड़प के बाद दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी लगाते दिखे। महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में दो विधायकों और उनके कार्यकर्ताओं के मारपीट का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, जितेंद्र आव्हाड और गोपीचंद पड़लकर के बीच पहले से ही किसी मामले को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को विधानसभा के गेट पर भी दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी।

IPS अधिकारी शालिनी अग्निहोत्री को केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी, आदर्श वर्मा ने सेना में संभाली मेजर जनरल की कमान

जिला कांगड़ा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) शालिनी अग्निहोत्री को केंद्र सरकार में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वीर भूमि हमीरपुर के जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर-5 के रहने वाले आदर्श वर्मा पुत्र अंगत राम वर्मा भारतीय सेना में मेजर जनरल बन गए हैं। किन्नौर की वादियों में वीरता और बलिदान की गूंज उस समय सुनाई दी, जब गांव थैमगारंग ने अपने सपूत 29 वर्षीय पुष्पेंद्र नेगी को अंतिम विदाई दी। जिला कुल्लू में देव स्थलों को अपवित्र किए जाने के चलते बिजली महादेव मंदिर कमेटी ने बड़ा निर्णय लिया है। एक ओर परिवार दुख में डूबा था, वहीं दूसरी ओर शातिर चोरों ने उसके घर में दिल दहला देने वाली वारदात को अंजाम दे डाला। सशस्त्र सैन्य बल में एएसआई के पद पर तैनात रमेश कुमार की उनके पैतृक गांव में आज सैन्य सम्मान के साथ अंत्येष्टि कर दी गई। पांवटा साहिब-शिलाई नैशनल हाईवे-707 पर लगातार खतरा बढ़ता जा रहा है। श्रीखंड महादेव यात्रा से लौटते समय चंडीगढ़ के एक श्रद्धालु की पहाड़ी रास्ते में तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। पुलिस थाना सदर की टीम ने नाकाबंदी के दौरान 2 युवकों से 12.51 ग्राम चिट्टा बरामद किया है।

केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में पीएम धन- धान्य कृषि योजना की मंजूरी स्वागत योग्य : पवन साहू

स्वतंत्र प्रभात

रांची, झारखंड- झारखंड प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने केंद्र सरकार द्वारा पीएम धन धान्य कृषि योजना को कैबिनेट में मंजूरी की स्वागत किया है। पवन साहू ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस योजना को कैबिनेट में मंजूरी देकर किसानों को बहुत बड़ी सौगात दी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में तीन बड़े फैसले लिए हैं। किसानों के लिए हैं। पीएम धन-धान्य योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर साल 24 हजार करोड़ रुपये से 100 जिलों में कृषि सुधार होगा। दूसरा रिनुअल एनर्जी में इनटीपीसी को 20 हजार करोड़ रुपये के इंवेस्टमेंट करने को भी हरी झंडी दिखाई है। तीसरे फैसले में सरकार ने एनएलसीआईएल को रिनुअल एनर्जी में निवेश के लिए 7 हजार करोड़ रुपये मंजूर किया गया है। कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है। मंत्रिमंडल ने नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से इनसीएल इंडिया लिमिटेड को विशेष छूट देने को भी मंजूरी दी। इस निर्णय से एनएलसीआईएल अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ईएन ईएलसीआई इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश कर सकेगी और बदले में, एनआईआरएल विभिन्न परियोजनाओं में निवेश कर सकेगी। कहा कि इस योजना की मंजूरी से किसानों में खुशी की लहर है। इस योजना से देश की किसानों की स्थिति में काफी सुधार होगी।

पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

साहेबगंज, झारखंड- उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गाय एवं भैंसों के टीकाकरण कार्य की समीक्षा करते हुए प्रतिदिन 100 वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। गंगा नदी में संभावित बाढ़ की आशंका को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा की एवं कैटल शेड निर्माण के लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान शीघ्र करने का निर्देश दिया, ताकि आपदा की स्थिति में पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त, गव्य विकास योजनाओं के अंतर्गत संचालित दो गाय योजना, पाँच गाय योजना तथा दस गाय योजना की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभागीय पदाधिकारियों को पात्र लाभार्थियों का चयन, समय पर वितरण एवं स्थलीय निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक में पशुपालन पदाधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सिंह तथा गव्य विकास पदाधिकारी संतलाल प्रसाद सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

चर्चित डॉक्टर बी.एन. पासवान के आरजेडी में शामिल होने की अटकलें तेज, त्रिवेणीगंज में मचा सियासी हलचल

स्वतंत्र प्रभात

त्रिवेणीगंज (सुपौल)। विधानसभा क्षेत्र के चर्चित चिकित्सक डॉक्टर बी.एन. पासवान के राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल होने की अटकलें इन दिनों जोरों पर हैं। स्थानीय राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक, डॉक्टर पासवान को आगामी विधानसभा चुनाव में राजद के संभावित प्रत्याशी के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो डॉक्टर बी.एन. पासवान इन दिनों राजद के कई वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में हैं। हाल ही में उनकी मुलाकात राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल से हुई है, जिसे राजनीतिक समीक्षक बेहद अहम मान रहे हैं। इसके साथ ही डॉक्टर पासवान की लगातार सक्रियता और जनसंपर्क ने चर्चा को और बल दे दिया है। वहीं, त्रिवेणीगंज विधानसभा क्षेत्र के लोग भी डॉक्टर पासवान को एक मजबूत उम्मीदवार के रूप में देख रहे हैं। जनता के बीच उनकी पकड़ और लंबे समय से की जा रही सामाजिक सेवा उन्हें एक सशक्त विकल्प बनाती है। सोशल मीडिया पर तो उन्हें लेकर "अगला विधायक बी.एन. पासवान" जैसे पोस्ट वायरल हो रहे हैं, जिससे साफ झलकता है कि आमजन उन्हें राजनीतिक मंच पर देखना चाहती है।हालांकि, अभी तक डॉक्टर बी.एन. पासवान या राजद की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह से घटनाक्रम तेजी से बदल रहे हैं, उससे यह कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में त्रिवेणीगंज की राजनीति में बड़ा उलटफेर संभव है।

बड़ा निकला होमगार्ड को गोली मारने का मामला

● गैंग का नाम आया सामने अब तक दो शूटर सहित तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। होमगार्ड को जान से मारने की नीयत से गोली मारने का मामला बडा निकला। पुंलिस ने दो और गिरफ्तारियां की हैं। एक आरोपी को पुलिस ने 16 जुलाई को गिरफ्तार किया था। पड़ताल के बाद दा लाइंस ऑफ ग्रुप बजोटा गैंग का नाम पुलिस ने इस मामले में जोडा है। दो नामजद वांछित शूटरों को पुलिस ने मुठभेड के दौरान गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दो तमंचा, चार जिन्दा कारतूस व तीन खोखा कारतूस व एक बाईक प्लसर बरामद की है। थाना नौहझील पुलिस ने शिवम चौधरी पुत्र हरवीर उर्फ हब्बो निवासी मोहल्ला दाऊजी नगर कस्बा बाजना थाना नौहझील, मनीष चौधरी पुत्र सुखवीर सिंह निवासी ग्राम जरैलिया थाना नौहझील को मुठभेड के बाद गिरफ्तार किया है। 14 जुलाई को ड्युटी से घर लौट रहे होमगार्ड जवान को गोली मार दी थी। होमगार्ड का आगरा के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। गैंग के बदमाश इंस्टाग्राम पर दा लाइंस ऑफ ग्रुप बाजोटा के नाम से ग्रुप बनाकर सोशल मीडिया पर अवैध शस्त्र का प्रचार प्रसार व भडकाऊ विडियो बनाकर जनता मे भय व्याप्त करते है। कार्यवाही करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सोनू कुमार थाना नौहझील, एसआई दीपक नागर, एसआई अंकित कुमार, एसआई सोहनपाल सिंह, एसआई महिपाल सिंह, एसआई संजय कुमार, एसआई यशपाल सिंह, एसआई अंकुश थाना नौहझील आदि पुलिसकर्मी थी।

गौरक्षक बनकर करते हैं अवैध वसूली

गौरक्षक बनकर ग्वालो व पशु व्यापारियो के साथ अवैध वसूली के लिए मारपीट व धमकी देकर अपने शौक पूरे करते है। कुछ भले लोग इनकी शिकायत पुलिस तक नही करते और ये उनसे दबाव बनाकर पैसे लेते है और राजीनामा करा लेते है। दबंगई वाली रील बनाने का है शौक हरियाणा व पंजाब के बदमाशी वाले गानो पर रील बनाकर नवयुवकों को अपने गैंग मे जोडते है और उन्हे अवैध शस्त्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करते है। इस गैंग की ओर गहराई से छानबीन व शस्त्र उपलब्ध कराने के स्त्रोत की जानकारी की जा रही है। ये गैंग वर्दी वाले होमगार्ड व पुलिस पार्टी पर भी फायर करने व उन पर बदमाशी की रील बनाकर जनता मे भय का माहौल पैदा कर रहे है। किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे पुलिस को सूचना मिली कि फिर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में आये हैं। सूचना पर थाना नौहझील पुलिस द्वारा मानागढी रोड पर अंडरपास एक्सप्रेसवे के पास घेराबंदी की गई तो जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायरिंग की गई। जिसमें पुलिस द्वारा बचाव में की गई फायरिंग में दोनो अभियुक्त पैरों में गोली लगने से घायल हो गये।

7000 KM पैदल चला भोले बाबा का भक्त, फिर अमरनाथ गुफा... हैरान कर देगी शख्स की कहानी

स्वतंत्र प्रभात

अमरनाथ यात्रा पवित्र गुफा के रास्ते में खराब मौसम और भूस्खलन के कारण कुछ समय के लिए स्थगित रही, लेकिन उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के तीर्थयात्री राम प्रसाद ने अपनी भक्ति से हर बाधा को पार कर दिया। उन्होंने 5 अप्रैल से तमिलनाडु के रामेश्वरम से शुरू की गई अपनी पैदल यात्रा के बाद करीब 7000 किलोमीटर का सफर तय कर गुरुवार (17 जुलाई) को अमरनाथ धाम पहुंचकर बाबा के दर्शन किए। राम प्रसाद ने बताया, "मैंने 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक रामेश्वरम से अपनी यात्रा शुरू की। करीब 111 दिनों की यात्रा के बाद सावन के पहले सोमवार को पहलगाम पहुंचा, जो मेरी यात्रा का आधार शिविर है।" उन्होंने आगे कहा कि वह पवित्र गुफा में शिवलिंग पर पवित्र जल चढ़ाने का इच्छुक थे, लेकिन समय की वजह से वे केवल पहलगाम पहुंच सके। ÷मैं अब यह जल बाबा के नंदी को अर्पित करूंगा, जो इसे स्वयं भगवान तक पहुंचाएगा। मुझे खुशी है कि मैं अपनी यात्रा पूरी कर पाया।"राम प्रसाद ने उन यात्रियों से भी अपील की जो पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई सुरक्षा चिंताओं के कारण यात्रा करने से डर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यहां हर जगह सेना तैनात है, सुरक्षा मजबूत है। मैं सभी से कहता हूं कि वे डरें नहीं और बाबा के दर्शन अवश्य करें।"

भारी मानसूनी वर्षा से खेतों में भरा पानी कृषक हुए हर्षित, वर्षा से मौसम हुआ सुहाना

स्वतंत्र प्रभात

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड- पाकुड़िया में विगत दिनों से हो रही मानसून की वर्षा से खेतों में पानी भरने के कारण कृषि कार्य में आशा के अनुरूप धान की रोपनी प्रारंभ हो गई है। बताया जाता है कि पाकुड़िया में 17 जून को मानसून की वर्षा हुई, हालांकि भूमि में पर्याप्त पानी नहीं रहने एवं धान के बीज तैयार नहीं होने से रोपनी प्रारंभ नहीं की जा सकी। लेकिन 23 जून को 68 मिमी बारिश होने से कृषकों में हर्ष दिखा और वे खेतों को धान रोपाई के लिए तैयार करने में तत्परता से जुट गए। यद्यपि 2 जुलाई के बाद प्रखंड के कई ग्रामीण क्षेत्रों में धान की रोपनी धीमी गति से प्रारंभ हुई। विगत कई दिनों से रिमझिम बारिश होती रहने तथा धान के बीज पूरा तैयार होने से पूरे प्रखंड में धान की रोपनी तेज़ी से की जाने लगी है। पाकुड़िया में फिलहाल अच्छी मानसूनी वर्षा से खेतों में पानी भर गया है, जिससे किसानों में हर्ष देखा जा रहा है। वर्षा के मौसम में भी पाकुड़िया में कभी-कभी मौसम साफ तथा धूप खिलने से कृषकों के साथ सामान्य जन और व्यापारी वर्गों में भी बारिश और मौसम के साफ होने से प्रसन्नता की झलक स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। प्रखंड के प्रसिद्ध कृषक - उत्तम साहु, रफीक आलम, श्याम सुंदर भगत, सनातन सोरेन, कालीदास टुडू, रैनी हांसदा, अर्नेस्ट मुर्मू, सोदा किस्कू, बुदिश्वर हेम्बरम, बुदीश्वर सोरेन, रामजीत रविदास, सेंटू साहु - सहित बड़ी संख्या में कृषकों ने बड़े उत्साह से कहा कि अब तक मानसूनी वर्षा समय-समय पर होने और धान के बीज तैयार हो जाने से आशा के अनुरूप धान की रोपनी की जा रही है। किसानों का मानना है कि यदि समय-समय पर खेती योग्य बारिश होती रही, तो हमें आशा है कि इस साल कई वर्षों के बाद धान की रोपनी शत-प्रतिशत हो सकती है। एक सवाल के जवाब में कृषकों ने आशान्वित होकर कहा कि अच्छी मानसूनी वर्षा से सिंचाई कूपों, तालाबों, नदियों, जोरियों में वर्षा का पानी भरने पर धान के अलावा रबी एवं बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती होगी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। पाकुड़िया में अब तक हुई वर्षा से जान-माल की कोई बड़ी क्षति की सूचना नहीं मिली है। मौसम विभाग से मिल रही सूचना के आधार पर पाकुड़िया में सिविल और पुलिस प्रशासन चौकस है। वर्षा से किसानों एवं आम जनमानस में हर्षोल्लास दिख रहा है, वहीं प्रकृति भी मंद-मंद समीर और वर्षा की फुहारों के साथ निखरते सौंदर्य पर इठलाती हुई प्रतीत हो रही है। लेकिन वर्षा से प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया में पक्की नालियों और बाजार की कई सड़कों पर कीचड़ एवं पानी भर जाने से आवागमन में लोगों को कुछ परेशानी हो रही है। पाकुड़िया बाजार की मुख्य दो सड़कें 20 वर्षों से पुनर्निर्मित नहीं की गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों, विद्यार्थियों के अलावा विभिन्न सरकारी कार्यालयों, बैंकों तथा आवश्यक कार्यों हेतु पाकुड़िया आने-जाने वाले ग्रामीणों में भी अत्यधिक नाराजगी देखी जा रही है। आरईओ विभाग तथा जनप्रतिनिधियों को आमजन की आवागमन में हो रही भारी कठिनाइयों को देखते हुए उक्त मार्गों की स्थलीय जांच कर पीसीसी पथ निर्माण की स्वीकृति प्रदान करनी चाहिए। यह कदम जनहित में अत्यंत आवश्यक होगा।

भू-अर्जन विभाग एवं पथ निर्माण कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

स्वतंत्र प्रभात

साहेबगंज, झारखंड- साहेबगंज जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में भू-अर्जन विभाग के कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में द्धद्धद्ध परियोजना अंतर्गत किए जा रहे पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (ऋ×ऋ) कार्यों तथा जिले में चल रहे पथ निर्माण योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि द्धद्धद्ध की परियोजना के तहत कुल 417 आवासों का निर्माण प्रस्तावित है, जिनमें से 190 आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और इनमें लगभग 70 प्रतिशत परिवारों ने आवासन भी प्रारंभ कर दिया है। शेष 227 आवासों के निर्माण में पूर्व में मौजा समदा में विश्राम भूमि विवाद के कारण विलंब हुआ था, जिसके पश्चात अब आंचल तलझारी अंतर्गत मौजा बोसाकोला में नई भूमि का चयन कर लिया गया है। इन आवासों के निर्माण कार्य हेतु विशेष प्रमंडल, साहेबगंज को कार्य एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और मार्च 2026 तक सभी आवास पूर्ण कर लिए जाने का लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त ने कार्यालय अभियंता पथ प्रमंडल द्वारा संचालित निम्नलिखित पथ निर्माण योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की जोजोदारी से मोहब्बतपुर पथ, शोभनपुर भट्ठा से राजगाँव पथ, हरिणचरा से शिवगादी पथ, पंचकठिया से तलबड़िया पथ, शिवगादी-सनमनी मोड़-डहुजोर पथ, कोटालपोखर से पश्चिम बंगाल सीमा तक पथ, पतना-हिरणपुर पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण, गुमानी नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण (6वें किमी, पतना-हिरणपुर पथ), तीनपहाड़-धमधमिया सेक्शन (एल0/सी0 नं0-47/सी0) पर प्रस्तावित आरओबी, बाबुपुर पंडित टोला से चुटिया मोड़ पथ, लालबाँध से मोहनपुर पथ, महाराजपुर से शर्मापुर पथ, मोगलपाड़ा से महाराजपुर फरीदपुर पथ, बरहरवा रेलवे स्टेशन समीप एल0सी0 नं0-19 एवं 45 पर प्रस्तावित आरओबी (लब्दा), उधवा-सिरासीन एवं कटहलबाड़ी से आतापुर पथ निर्माण कार्य का जायजा लिया गया बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में गति लाने, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू, कार्यपालक अभियंता एवं अंचलाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिनियम बना आम जनता का भरोसा, सुपौल के राम प्रसाद मेहता को मिला न्याय

स्वतंत्र प्रभात

सुपौल (बीरपुर)। शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 आम जनता के लिए उम्मीद की किरण बन गया है। इसी कड़ी में सुपौल जिले के बीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बलभद्रपुर वार्ड संख्या 03 निवासी राम प्रसाद मेहता को वर्षों से लंबित समस्या का समाधान मिला। राम प्रसाद मेहता अपने दिवंगत पुत्र के बाद पारिवारिक सूची प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए महीनों से अंचल कार्यालय, बसंतपुर का चक्कर काट रहे थे। लेकिन जब समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्होंने 18 जून 2025 को अधिनियम के तहत अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, वीरपुर के समक्ष परिवाद संख्या 506410218062505425 के तहत शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही विभाग ने तत्परता दिखाते हुए अंचलाधिकारी, बसंतपुर को पत्र जारी किया। इसके बाद 2 जुलाई 2025 को पारिवारिक सूची प्रमाण-पत्र निर्गत कर दिया गया। इसकी सूचना पत्रांक 1010, दिनांक 14 जुलाई 2025 को आधिकारिक रूप से दी गई। राम प्रसाद मेहता ने बताया कि जो कार्य महीनों से रुका था, वह कुछ ही दिनों में बिना किसी जटिलता के निपट गया। उन्होंने इस अधिनियम को आम नागरिकों के लिए एक मजबूत औजार बताते हुए सरकार की पहल की सराहना की। उल्लेखनीय है कि अधिनियम लागू होने के बाद अब तक 17 लाख से अधिक मामलों का समयबद्ध समाधान किया जा चुका है। शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है – इसके लिए न तो कार्यालय जाने की जरूरत है, और न ही लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। शिकायत ऑनलाइन पोर्टल (https://lokshikayat.bihar.gov.in/), जन समाधान ऐप या टोल फ्री नंबर 18003456284 के माध्यम से की जा सकती है। इस अधिनियम के तहत शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारी को आमने-सामने बैठाकर समाधान सुनिश्चित किया जाता है, जिससे जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025: मथुरा वृंदावन नगर निगम ने हासिल 11 वां स्थान

● 94 वें स्थान से छलांग लगाते हुए 11 में नम्बर पर पहुंचा नगर निगम

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। 94वें स्थान से छलांग लगाकर मथुरा वृंदावन नगर निगम ने पूरे देश में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में 11 वा स्थान हासिल किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता सर्वेक्षण के मामले में नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत को अलग अलग श्रेणी में प्राप्त केटेगिरी के आधार पर प्रमाण पत्र वितरित किए। मथुरा वृंदावन नगर निगम ने 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में देश भर में 11 वीं रैंक हासिल की है। वाटर प्लस प्रमाणन और जीएफसी 3 स्टार रेटिंग प्राप्त कर नगर निगम मथुरा वृंदावन देश के अग्रणी नगरों की सूची में शामिल हुआ है। यह गौरवशाली रैंकिंग नगर निगम के सतत प्रयासों, नागरिकों की भागीदारी और स्वच्छता मित्रों की मेहनत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विगत वर्ष 2023 की तुलना में नगर निगम ने इस वर्ष असाधारण सुधार किया है। 4589 शहरी स्थानीय निकायों ने इस बार सर्वेक्षण में भाग लिया। इनमें से सिर्फ 209 नगर निकायों को वाटर प्लस प्रमाणन प्राप्त हुआ जिसमे मथुरा-वृंदावन निगम भी शामिल है। नगर आयुक्त जगप्रवेश के अनुसार मथुरा-वृंदावन को 2022 तक कोई जीएफसी स्टार प्राप्त नहीं था। 2023 में 1 स्टार और अब 2024-25 में सीधे 3 स्टार मिला है। इस उपलब्धि पर महापौर विनोद अग्रवाल का कहना है कि नगर निगम मथुरा-वृंदावन ने अब यह सिद्ध कर दिया है कि हम न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं बल्कि स्वच्छता में भी देश के अग्रणी नगरों में हैं। यह सफलता सिर्फ प्रशासन की नहीं बल्कि पूरे महानगर की जनता की जागरूकता सफाई मित्रों की निष्ठा और निगम टीम की कड़ी मेहनत का परिणाम है। नगर आयुक्त जग प्रवेश का कहना है कि 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में 11वीं रैंक प्राप्त करना हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने नगरवासियों से पुनः आग्रह किया है कि वे स्वच्छता को केवल एक सरकारी अभियान न मानें बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

संक्षिप्त खबरें

कानूनगो के बेटे ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर। लाइनबाजार थाना क्षेत्र के विंध्यवासिनी कॉलोनी, हुसेनाबाद में बुधवार की शाम उस वक्त मातम छा गया, जब रिटायर्ड कानूनगो सुभाष श्रीवास्तव के इकलौते बेटे राहुल श्रीवास्तव (32) ने अपने ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। राहुल की पत्नी की चीखें सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार राहुल की शादी पिछले साल 12 जुलाई को धूमधाम से हुई थी और दो महीने पहले ही वह पिता बना था। मां-बाप के इकलौते बेटे और एक बहन के भाई राहुल के ऊपर पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। उसकी असामयिक मौत से परिवार बुरी तरह टूट गया है। माता-पिता बेसुध हैं और पत्नी बार-बार बेहोश हो रही है। अभी तक आत्महत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस इसे गंभीरता से जांच रही है और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। राहुल की मौत ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। लोगों का कहना है कि वह मिलनसार और जिम्मेदार युवक था, उसके इस कदम से हर कोई स्तब्ध है। जिस मासूम बेटे ने अभी "पापा" कहना ठीक से नहीं सीखा था, उसके सिर से पिता का साया उठ जाना पूरे समाज के लिए पीड़ा का विषय बन गया है। घटना ने न सिर्फ एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि पूरे मोहल्ले को गहरे शोक में डुबो दिया है।

राशन की दुकानों से नि:शुल्क खाद्यान्न का वितरण 20 जुलाई से 10 अगस्त तक

जौनपुर। जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों में अगस्त माह का आवश्यक वस्तुओं का वितरण 20 जुलाई 2025 से 10 अगस्त 2025 तक किया जाएगा। यह जानकारी प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी ने देते हुए बताया कि अगस्त माह का राशन वितरण 20 जुलाई से होगा। जिसमें अन्त्योदय कार्डधारकों को 17 किग्रा0 गेहूं तथा 18 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल, (35 किग्रा0) तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को 2 किग्रा0 गेहूं प्रति यूनिट एवं 3 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल प्रति यूनिट (कुल 05 किग्रा0 प्रति यूनिट) खाद्यान्न का नि:शुल्क वितरण किया जायेगा। जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थी उक्त दिवस पर अपने उचित दर विक्रेता के यहां से उपरोक्तानुसार आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं।

यूपी में होम्योपैथी निदेशक प्रो अरविंद वर्मा निलंबित

प्रयागराज –

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में लगातार भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आयुष विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। ट्रांसफर-पोस्टिंग में भारी अनियमितताओं और निजी हितों की पूर्ति के आरोपों में होम्योपैथी निदेशक प्रो. अरविंद कुमार वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह निर्णय प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' के निर्देश पर लिया गया है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में निदेशक की भूमिका को संदिग्ध पाया गया, जिसके बाद सभी विवादित तबादलों को तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए यह कठोर कदम उठाया गया है। प्रो. अरविंद पर आरोप है कि बीते दिनों ट्रांसफर-पोस्टिंग में उन्होंने अनियमिताएं की थीं। इसके साथ ही उन्हें गाजीपुर राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय से संबद्ध कर दिया गया है। राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय के निदेशक अरविंद कुमार वर्मा ने 8 महीने पहले ही पदभार संभाला था. लेकिन, इन्हीं 8 महीने में उन पर पोस्टिंग और तबादले में अनियमिता बरतने के गंभीर आरोप लगे हैं। कई दिन से यूपी के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु के संज्ञान में यह मामला था। इस मामले को लेकर के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात भी की थी. उन्हें इस मामले के बारे में पूरे विस्तार से अवगत कराया था।

सांसद इकरा के समर्थन में मछलीशहर विधायक ने ट्विटर पर उठाई आवाज

●कहा– लोकतंत्र को कमजोर कर रही है भाजपा सरकार

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर (मछलीशहर)– सांसद इकरा हसन के साथ एक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा बीते दिनों की गई अभद्रता को लेकर अब सियासत दिखने लगी है। इस पूरे मामले को लेकर मछलीशहर विधायक डॉ. रागनी सोनकर ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर न सिर्फ इकरा हसन के प्रति समर्थन जताया, बल्कि भाजपा सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का गंभीर आरोप भी लगाया। विधायक ने अपने ट्वीट में लिखा कि भारत के संविधान और लोकतांत्रिक स्तंभों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अधिकारी लगातार जनप्रतिनिधियों का अपमान कर रहे हैं और भाजपा सरकार इस प्रवृत्ति को खुलकर बढ़ावा दे रही है। यह स्थिति न सिर्फ जनप्रतिनिधियों के लिए अपमानजनक है, बल्कि सीधे-सीधे जनता की आवाज को दबाने की साजिश भी है।

विधायक ने लिखा कि चाहे एडीएम द्वारा सांसद से अभद्रता हो या जिलाधिकारियों द्वारा दिशा बैठक जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विधायकों और सांसदों की उपेक्षा की जाती हो, यह सब एक खतरनाक परिपाटी का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि, अधिकारी आज इतने घमंड में चूर हैं कि वे जनप्रतिनिधियों के फोन तक उठाना जरूरी नहीं समझते, उनके कार्यों को टालते हैं और अहंकार में अपने आप को सर्वोपरि मानने लगे हैं। यह मानसिकता लोकतंत्र के लिए घातक है और भाजपा शासन इस अहंकारी व्यवस्था को बढ़ावा दे रहा है।

सांसद इकरा हसन के प्रति सहानुभूति और समर्थन व्यक्त करते हुए विधायक ने उन्हें देश की बेटियों की आवाज बताया। उन्होंने कहा कि, इकरा हसन केवल एक महिला सांसद नहीं, बल्कि वे उन तमाम आवाजों की प्रतीक हैं जो अन्याय के खिलाफ खड़ी होती हैं। उनके साथ किया गया व्यवहार हर उस बेटी का अपमान है जो अपने अधिकारों के लिए लड़ना जानती है। विधायक ने ट्वीट में यह भी कहा कि हम इस संघर्ष में इकरा हसन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। भाजपा सरकार जितना दबाव बनाए, लेकिन हम लोकतंत्र और जनप्रतिनिधियों की गरिमा के लिए लड़ते रहेंगे। अंत में उन्होंने जनता से भी आह्वान किया कि, इस अपमान का जवाब अब आने वाले समय में दिया जाएगा। जो सरकार जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मान नहीं कर सकती, वह संविधान का सम्मान नहीं कर सकती। जनता सब देख रही है और समय आने पर वह लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब ज़रूर देगी। मालूम हो कि, विधायक के इस ट्वीट के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष जहां इस बयान को लोकतंत्र के पक्ष में बताया है, वहीं सत्ता पक्ष की ओर से अभी कोई आधिकारिक

विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 18- 19 जुलाई को प्रवेश परीक्षा

जौनपुर- वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए परीक्षाएं तीन पालियों में उमानाथ इंजीनियरिंग संस्थान में 18 व 19 जुलाई 2025 को आयोजित की गई है. 18 जुलाई को प्रथम पाली 9:00 से 11:00 में डी. फार्मा और बीकॉम ऑनर्स में प्रवेश परीक्षा, दुसरी पाली 12:00 से 2:00 तक में एलएलबी 5 वर्ष इंटीग्रेटेड, बीटेक के 10 प्रोग्राम में तथा तृतीय पाली 3:00 से 5:00 में बीसीए होना है.19 जुलाई को प्रथम पाली 9:00 बजे से 11:00 बजे बीएससी के सभी प्रोग्राम में, दुसरी पाली 12:00 से 2:00 के एमबीए, एमबीए के फाइनेंस एंड कंट्रोल, एचआरडी, ई-कॉमर्स, बिजनेस इकोनॉमिक्सम तथा तीसरी पाली 3:00 से 5:00 के बीच बीबीए, एल एल म, एमसीए, इंटीग्रेटेड एमसीए, एमएससी के बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी परीक्षा होनी है समन्वयक पीयूकैट ने बताया कि कुल 34 विषयों के लिए प्रवेश पत्र जारी किया गया है अभ्यर्थी अपने समर्थ लागिन से

केजरीवाल और सिसोदिया ने आप सरकार के दौरान कई महंगे मोबाइल फोन खरीदे- आशीष सूद

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान कई महंगे मोबाइल फोन खरीदे थे। सूद ने कहा कि 2013 के एक आधिकारिक परिपत्र के अनुसार, दिल्ली के मुख्यमंत्री 50,000 रुपये और अन्य मंत्री 45,000 रुपये के मोबाइल फोन खरीदने के हकदार थे, लेकिन 2015 से 2022 तक शीर्ष पद पर रहते हुए केजरीवाल ने लाखों रुपये के आईफोन के चार नवीनतम मॉडल खरीदे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने दावा किया कि इसी तरह, सिसोदिया ने 2017 और 2022 के बीच तीन आईफोन सहित पांच महंगे फोन खरीदे।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी 2023 में एक आईफोन खरीदा था। सूद ने दावा किया कि केजरीवाल और अन्य लोगों द्वारा अक्सर महंगे मोबाइल फोन खरीदे जाते थे और फिर बाद में उन्हें मंजूरी दे दी जाती थी। मंत्री ने केजरीवाल

और सिसोदिया पर यह निशाना तब साधा है जब आम आदमी पार्टी (आप) ने मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के लिए मोबाइल फोन प्रतिपूर्ति की संशोधित सीमा को लेकर दिल्ली सरकार की आलोचना की है। नौ जुलाई को जारी एक कार्यालय ज्ञापन में दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने मोबाइल हैंडसेट की लागत और मुख्यमंत्री तथा अन्य मंत्रियों द्वारा सेवा प्रदाताओं को देय मासिक शुल्क की अधिकतम सीमा को संशोधित किया है। मुख्यमंत्री के लिए मोबाइल हैंडसेट की अधिकतम कीमत अब 1.5 लाख रुपये और अन्य मंत्रियों के लिए 1.25 लाख रुपये तय की गई है। मासिक कॉल शुल्क वास्तविक बिलों के अनुसार तय किया गया है।

ट्रेलर और ट्रैक्टर की जोरदार भिड़ंत, चालक की मौत दो घायल

● गुरैनी में हुआ सड़क हादसा, थोड़ी देर के लिए हाइवे बाधित

ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने डेड बॉडी को कब्ज़े में लेकर भेजा पोस्टमार्टम हाउस

स्वतंत्र प्रभात

खेतासराय(जौनपुर) – स्थानीय थाना क्षेत्र के गुरैनी पेट्रोल पंप के पास बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सामने से आ रहे ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई । ट्रैक्टर सवार दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज़ रफ़्तार ट्रेलर और ट्रैक्टर भिड़न्त इतनी जबर्दस्त थी की ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल भेजवाया । ट्रेलर को जब्त कर नेशनल हाईवे

से जाम हटवाया । घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फ़रार हो गया ।बताया जाता है कि अंबेडकर जनपद के निवासी तीन मजदूर पुलिस लाइन से ईद उतार कर वापस आ रहे थे । बीती रात्रि करीब 9:30 बजे शाहगंज की तरफ से तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी । जिससे ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई ।

मृतक की पहचान महेंद्र (28)वर्ष पुत्र नोहरलाल निवासी अमीनपुरवा थाना इब्राहिमपुर जिला अंबेडकर नगर के रूप में हुई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दो अन्य लोगों की पहचान चिरजो पुत्र मगरु (74) वर्ष निवासी दराफपुर और राजकुमार पुत्र रामदुलार निवासी भरौली थाना जलालपुर जिला अम्बेडकर नगर के रूप में हुई है। जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है । थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। हादसे के बाद चालक मौके से फ़रार हो गया ।तलाश की जा रही है । परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है । अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

पीएम हाउस पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

खेतासराय(जौनपुर) बीती रात्रि एक्सीडेंटल जोन गुरैनी में सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक महेंद्र की मौत से घर से लेकर जौनपुर तक स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है । कम स्पीड में जौनपुर के पुलिस लाइन से ईंट उतार कर लौट रहा युवक की मौत से जहां घर मे कोहराम मचा हुआ है वही उसके गांव अमीनपुरवा थाना इब्राहीमपुर में मातम का माहौल है । मृतक परिवार में पत्नी समेत एक दो वर्षीय मासूम पुत्री है । स्थानीय लोगों के मुताबिक हर माह यहाँ सड़क में हादसे में लोग

विवेकानंद पुस्तकालय में 21 प्रशिक्षुओं ने किया कार्यभार ग्रहण

● प्रशिक्षण पूरा करने वाले को दी गई समारोह में विदाई

स्वतंत्र प्रभात

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में प्रशिक्षुओं का नया प्रभात उत्साह, अनुभव और उम्मीदों की रोशनी लेकर आया। विश्वविद्यालय एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग बोर्ड, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में चयनित 21 नवप्रवेशी प्रशिक्षुओं ने कार्यभार ग्रहण किया, वहीं पूर्व प्रशिक्षुओं ने सफलता पूर्वक एक वर्षीय प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रमाणपत्र प्राप्त किए। पूर्व प्रशिक्षुओं ने साझा किया कि जब वे यहां आए थे, तो उनके पास केवल पुस्तकीय ज्ञान था, लेकिन यहां से विदा होते समय वे पुस्तकालय संचालन के हर पहलू में दक्ष हो चुके हैं। टाइम

मैनेजमेंट, बुक्स की एक्सिसनिंग, प्रोसेसिंग, सर्कुलेशन, और स्हरु सॉफ्टवेयर जैसे तकनीकी अनुभवों ने उनके व्यक्तित्व को निखार दिया। इस शुभ प्रभात का श्रेय कुलपति प्रो. वंदना सिंह के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह के सहयोग को जाता है, जिनके प्रयासों से पुस्तकालय ऑटोमेशन की दिशा में सार्थक कदम बढ़ा है। कार्यक्रम में प्रो. राजकुमार ने नियुक्तिपत्र एवं प्रमाणपत्र वितरित करते हुए सभी प्रशिक्षुओं को आशीर्वाद दिया। प्रभारी डॉ. इंद्रेश कुमार गंगवार ने जहां नवप्रवेशियों का स्वागत किया, वहीं पूर्व प्रशिक्षुओं को भावपूर्ण विदाई दी। यह कार्यक्रम सिर्फ एक प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुशासन और तकनीकी दक्षता के प्रभात की शुरुआत है। यह एक ऐसी रोशनी जो प्रशिक्षुओं के भविष्य को आलोकित करेगी। विदाई समारोह में अवधेश प्रसाद, मसूदुल हसन खान, शशांक, विकास, नीरज, जयचंद, दीपिका , उपासना, वरूणा, खुशी, पूनम, प्रिया सिंह यादव आदि अन्य लोगों उपस्थित थे।

वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास में गुणवत्ता का रखे ख्याल- डीएम

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट- धर्मनगरी स्थित वाल्मीकि आश्रम लालापुर के पर्यटन विकास से सम्बन्धित समीक्षा बैठक गुरुवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें डीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए सम्बन्धितों को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी ने यूपीपीसीएल को वाल्मीकि आश्रम के परिक्रमा मार्ग के लिए डीपीआर बनाकर प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही पुलिस चौकी निर्माण के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिस पर उप जिलाधिकारी मानिकपुर भूमि चिन्हित होने की बात कही। तमसा नदी पर चेक डैम व आरती घाट के निर्माण के सम्बन्ध में डीएम ने सिंचाई विभाग को भी डीपीआर बनाकर प्रेषित करने व एनओसी देने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग को निर्देशित किया कि आश्रम परिसर में हाई मास्क की लाइट की व्यवस्था भी सुनिश्चित

कराएं। जल निगम के अधिशासी अभियंता को वाल्मीकि आश्रम में बड़ी टंकी के लिए डीपीआर बनाकर प्रेषित करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि बाल्मीकि आश्रम के पास अस्पताल के लिए भी प्रपोजल बनाकर भेजें। मानिकपुर एसडीएम को बस स्टैंड की व्यवस्था के लिए भूमि चिन्हित करने को निर्देशित किया। पर्यटन अधिकारी को बोड़ी-पोखरी चौराहे के सौंदर्यीकरण के संबंध में प्रपोजल तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने रोप-वे की प्रगति की जानकारी ली, जिस पर यूपीपीसीएल के अधिकारी ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेज दी गई है। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने दायित्वों का निवर्हन करते हुए जल्द से जल्द कार्य पूरा करे, इसमें शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर उप जिलाधिकारी राकेश कुमार पाठक, उप जिलाधिकारी मानिकपुर मोहम्मद जसीम, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल धर्मन, अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रमोद मिश्रा, अधिशासी अभियंता जल निगम आशीष भारती, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी अखिलेश कुमार, पीएम यूपीपीसीएल सुनील कुमार कनौजिया, बाल्मीकि आश्रम के महंत

धर्मनगरी में किया गया 'भारत सांस्कृतिक यात्रा' कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट – भारत सरकार के उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र संस्कृति मंत्रालय द्वारा तीन दिवसीय भारत सांस्कृतिक यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को दीनदयाल शोध संस्थान सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय के विवेकानंद सभागार में किया गया। जिसका उद्घाटन मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वर्चुअल माध्यम से किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है, जो विविध भाषाओं, कलाओं, संगीत और परंपराओं के अद्भुत संगम से सजी है। उन्होंने उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निरंतर आयोजित हो रहे ऐसे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान से आई ममता राठौर एवं दल द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक कालबेलिया और घूमर नृत्य से हुई, जिसने दर्शकों को राजस्थानी लोकजीवन की झलक दिखाते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गुंजायमान कर दिया। इसके पश्चात लखनऊ की कलाकार नेहा सिंह सैंगर एवं उनके दल ने कथक नृत्य-नाटिका के माध्यम से मानव सभ्यता के विकास, प्रकृति के दोहन और शांति की खोज जैसे गंभीर विषयों को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया। इसके बाद रीवा की विनीता दोहरे ने पारंपरिक बधाई नृत्य की मनोहारी

प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं अजिता द्विवेदी एवं उनके दल ने बघेली लोकगायन के माध्यम से बुंदेली-संस्कृति की मिठास से भरपूर प्रस्तुति दी। इसके साथ ही शिखा पाल एवं दल ने फाग नृत्य, और करिश्मा केसरी ने शास्त्रीय भरतनाट्यम की अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

इस दौरान केंद्र के प्रभारी निदेशक आशीष गिरि ने कहा कि 'भारत सांस्कृतिक यात्रा' का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक मंच पर लाकर उसे उत्सव का रूप देना है, जिससे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना और मजबूत होती है। कार्यक्रम प्रभारी एमएम मणि द्वारा सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। आगामी दो दिनों तक यह सांस्कृतिक यात्रा सतना एवं रीवा की लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियों से चित्रकूटवासियों को समृद्ध अनुभव प्रदान करती रहेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, कला प्रेमी और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को गरिमा प्रदान की। इस मौके पर पद्म विभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महराज को भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार, डॉ बीके जैन निदेशक एवं ट्रस्टी सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट को प?द्मश्री सम्मान एवं डॉ भरत मिश्रा कुलगुरु के प्रयास से महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट को प्रत्यायन परिषद द्वारा ।। ग्रेड एवं यूजीसी द्वारा श्रेणी वन की स्वायत्तता प्राप्त हुई है। इसके लिए दीनदयाल शोध संस्थान, साधु संत एवं चित्रकूट वासियों की ओर से डीआरआई के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन द्वारा सांस्कृतिक मंच से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गायत्री शक्ति पीठ के प्रबंधक डॉ रामनारायण त्रिपाठी, नगर पंचायत चित्रकूट की अध्यक्ष साधना पटेल, जिला पंचायत चित्रकूट के अध्यक्ष अशोक जाटव, बांदा कोपरेटिव बैंक के

7 करोड़ के घोटाले में असिस्टेंट इंजीनियर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

प्रयागराज । आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने राजकीय निर्माण निगम के असिस्टेंट इंजीनियर को 7 करोड़ रुपये गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है. टीम ने उन्हें लखनऊ कार्यालय से गिरफ्तार किया है.उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के अवर अभियन्ता सिविल जितेन्द्र सिंह को लखनऊ के निशातगंज स्थित कार्यालय से आर्थिक अपराध शाखा (E O W) की टीम ने गिरफ्तार किया है. साथ ही उनके खिलाप कार्रवाई शुरू कर दी है. उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के अवर अभियन्ता सिविल जितेन्द्र सिंह को लखनऊ के निशातगंज स्थित कार्यालय से आर्थिक अपराध शाखा (E O W) की टीम ने गिरफ्तार किया है. साथ ही उनके खिलाप कार्रवाई शुरू कर दी है. पर्यटन विकास की योजनाओं के नाम पर हुए करीब 7 करोड़ के शासकीय घोटाले में राजकीय निर्माण निगम के उप अभियंता वांछित था. जानकारी के अनुसार वर्ष 2012-13 में गाजीपुर ज़िलें के भदौरा ब्लाक स्थित 5 स्थलों परेमन शाह का तालाब, सेवराई चीरा का पोखरा, माँ कामाख्याधाम गहमर, देवकली स्थल एवं कीनाराम स्थल, देवल, शामिल है, उनका पर्यटन विकास और सौन्दर्यीकरण योजनाओं हेतु चयन किया गया था. शासन द्वारा उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम यूनिट वाराणसी इकाई को कार्यदायी संस्था नियुक्त किया गया था. कार्यदायी संस्था के अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के द्वारा इन स्थलों का कार्य अपूर्ण रखा गया और मानक के अनुरूप कार्य नहीं किया गया. जानकारी के अनुसार इससे सरकार को लगभग 07 करोड़ की शासकीय धन की क्षति हुई. मामले में जॉइंट डायरेक्टर पर्यटन वाराणसी अविनाश चंद्र मिश्रा द्वारा गाजीपुर जिले के थाना गहमर पर कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदारों के विरूद्ध शासकीय धन गबन किये जाने का अभियोग पंजीकृत कराया गया था. कुल 26 अभियुक्तों इसमें शामिल थे जिसमें जितेंद्र सिंह अभियुक्त भी वांछित था. अभियुक्त के द्वारा कुल 32 अग्रिम भुगतान विभिन्न फर्मो को विभिन्न तिथियों में कुल धनराशि 2,41,07,499 रूपए (02 करोड़ 41 लाख 07 हजार, 499 रूपए) का किया गया है. इस प्रकरण में अब तक 14 अभियुक्तों के विरूद्ध आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया जा चुका है.

मासिक किसान दिवस में उठा खाद की समस्या का मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात

चित्रकूट – मासिक किसान दिवस का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें किसानों ने खाद एवं अन्ना प्रथा की समस्याओं की जानकारी देते हुए निराकरण कराने की मांग की। कलेक्टरेट सभागार में हुई बैठक में भाकियू के जिला महामंत्री अरुण कुमार पाण्डेय ने बताया कि धान की फसल रोपाई होने के बाद भी जिले में किसानों के लिए खाद की किल्लत बनी हुई है। किसानों के ऊपर नैनो यूरिया लेने का दबाव बनाया जा रहा है। सदर तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित मण्डी में दुकान आवंटित होने के बावजूद किसानों के लिए बने छायादार नीलामी चबूतरों में अतिक्रमण कर लिया गया है। जिससे सब्जी उत्पादक किसान रास्ते व जमीन में बैठने को मजबूर होता है। राजापुर तहसील अध्यक्ष

राजकिशोर पटेल ने कहा कि अन्ना मवेशियों को 30 जुलाई तक हर हाल में गौशालाओं में संरक्षित करा दिया जाए, ऐसा न करने पर किसान आंदोलन करने को मजबूर होगा। पहाड़ी ब्लाक अध्यक्ष जसवंत सिंह ने कहा कि प्रसिद्धपुर से सिकरिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराया जाना चाहिए। कर्वी ब्लाक अध्यक्ष नरेश सिंह ने बताया कि खोह स्थित साधन सहकारी समिति के ऊपर बनी पुलिस चौकी की पानी टंकी से गोदाम की दीवारों में सीलन आ जाती है और खाद खराब हो रही है। इस समस्या का निस्तारण किया जाना चाहिए। इसके अलावा किसानों ने ग्राम पंचायत सगवारा के मजरा पाण्डेय पुरवा में स्थित आश्रम में पेयजल समस्या का निराकरण कराए जाने की मांग की है। इस मौके पर मंडल सचिव छेदीलाल सिंह, मऊ प्रभारी नीलकण्ठ द्विवेदी, रामेश्वर सिंह, जिला कोषाध्यक्ष नरेश तिवारी, श्रीकेशन राजपूत, कमलेश, शिव सिह आदि मौजूद

दिल्ली एनसीआर समेत हरियाणा में फिर डोली धरती- रोहतक में 3.3 तीव्रता का भूकंप, 8 दिन में चौथा झटका

स्वतंत्र प्रभात

हरियाणा के रोहतक में बुधवार देर रात 12.46 बजे 3.3 तीव्रता का भूकंप आया. भूकंप का केंद्र रोहतक शहर से 17 किलोमीटर पूर्व में धरती के 10 किलोमीटर नीचे था. आसपास के खेरी सांपला और खरखौदा कस्बों में लोगों ने 2 से 5 सेकंड तक कंपन महसूस किया. देर रात अचानक आए झटकों से नींद टूटी और लोग डर के मारे घरों से बाहर खुले मैदानों में आ गए. राहत की बात यह रही कि इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं मिली.

पिछले कुछ दिनों में हरियाणा में भूकंप के हल्के झटके लगातार महसूस किए जा रहे हैं. 11 जुलाई को झज्जर जिले में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका असर दिल्ली-एनसीआर तक पहुंचा. इससे एक दिन पहले 10 जुलाई को उसी क्षेत्र में 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था. नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, 10 जुलाई से अब तक रोहतक के 40 किलोमीटर के दायरे में 2.5 से अधिक तीव्रता के चार भूकंप आ चुके हैं. इनमें 10 जुलाई को झज्जर में सुबह 9:04 और 9:06 बजे दो मिनट के अंतराल में दो झटके शामिल हैं.

दिल्ली-एनसीआर में भी खतरे की घंटी-इस साल की शुरुआत में 17 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था. एनसीएस के मुताबिक, ये भूकंप धरती के 5 किलोमीटर नीचे था और इसका केंद्र नई दिल्ली से 9 किलोमीटर पूर्व में धौला कुआं के पास था. सुबह 5:36 बजे आए इस भूकंप ने दिल्ली-एनसीआर के लोगों को नींद से जगा दिया. लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए. दिल्ली भूकंपीय जोन IV में आता है, जो मध्यम से तीव्र भूकंपों के लिए जोखिम वाला क्षेत्र माना जाता है.

संक्षिप्त खबरें

कानपुर के दो अधिवक्ताओं द्वारा महिला अधिवक्ता से रेप की कोशिश, जाति सूचक शब्दों से दी गालियां

कानपुर। कानपुर शहर की कोतवाली में एक विधवा महिला अधिवक्ता ने दो साथी अधिवक्ताओं पर रेप के प्रयास समेत एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता महिला अधिवक्ता का आरोप है कि आरोपी अधिवक्ताओं ने उनके साथ अश्लील हरकतें की थी, जिसकी शिकायत उन्होनें बार एसोसिएशन में भी की थी। मुकदमा वापस न लेने पर आरोपियों ने महिला अधिवक्ता को धमकाया भी था। स्वरुप नगर निवासी महिला अधिवक्ता ने बताया महिला अधिवक्ता के पति भी वकील थे पति की मौत के बाद वह अपने पति के चेंबर में बैठती थी। इस दौरान अधिवक्ता पति के मित्र अधिवक्ता धीरज पांडे अपने साथी अधिवक्ता मित्र कौशल उपाध्याय के साथ उनके चेंबर में आते थे।

कुछ दिनों बाद दोनों लोग चेंबर पर शराब पीने के साथ और उनके साथ अश्लील हरकतें की, जिसकी शिकायत उन्होंने बार एसोसिएशन में की थी। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत वापस न लेने पर वे उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की आरोपी धमकी देते हैं। आरोप है कि 9 मई को दोनों आरोपियों ने चेंबर का दरवाजा बंद कर जाती सूचक शब्द बोलते हुए उनके साथ रेप करने का प्रयास किया। किसी तरह भाग कर उन्होंने अपनी जान बचाई। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त अखिल कुमार से की। थाना प्रभारी कोतवाली जगदीश प्रसाद पांडे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बालिका को बरामद कर परिवार के हवाले किया

कानपुर। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर के द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं मिशन शक्ति के तहत व अपर पुलिस आयुक्त कानून/ अपराध के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त दक्षिण व अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण के कुशल नेतृत्व में व सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता के निकट पर्यवेक्षण में उ0नि0 सुमित सिंह व उ0नि0 ऋषि बाजपेई व म0हे0का0 रचना सिंह द्वारा 65 सीसीटीवी कैमरों को चेक करते हुए थाना पर पंजीकृत मुकदमे से सम्बन्धित पीड़िता/अपहृता आरजू मिश्रा पुत्री करुणेन्द्र कुमार निवासी थाना गुजैनी कानपुर नगर उम्र करीब 21 वर्ष को सकुशल बरामद किया गया। जिससे पीड़ित परिवारीजन द्वारा पुलिस के इस कार्य प्रणाली की भूरि भूरि प्रशंसा की गई ।

छात्रा से छेड़छाड़ मामले में शीघ्र होगी गिरफ्तारी

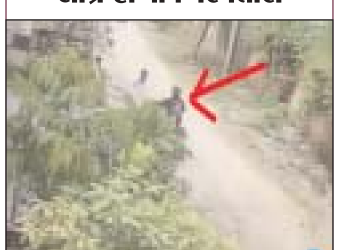

कानपुर। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में चकेरी थाना क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल सवार द्वारा छात्रा से छेड़खानी की घटना सामने आई है। पीड़िता की तहरीर पर कल ही थाना चकेरी में अभियोग पंजीकृत किया जा चुका है। पुलिस द्वारा चार टीमें गठित की गई हैं, जिन्हें महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए हैं। आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने कौशल विकास एवं दीनदयाल उपाध्याय कौशल्य योजना के रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

प्रतापगढ़। दीन दयाल उपाध्याय कौशल्य योजना के अन्तर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों हेतु कौशल विकास एवं दीन दयाल उपाध्याय कौशल्य योजना के प्रचार-प्रसार हेतु लखनऊ से रवाना किया गया रथ गुरुवार को प्रतापगढ़ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पहुंचा जिसको जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने विकास भवन से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक/नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आलोक कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पट्टी परवेज कमर, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बिहार अभिषेक पटेल सहित रवीन्द्र नाथ पाण्डेय डीपीएम एवं संस्थान के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था व अभियोजन कार्यों को लेकर की समीक्षा बैठक

●मामलों के निस्तारण में तेजी लाने व न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर दिया बल

स्वतंत्र प्रभात

अमेठी। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान एवं पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक की संयुक्त अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, अभियोजन विभाग के अधिकारी सहित राजस्व और पुलिस प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावशीलता केवल मामलों के त्वरित निस्तारण से ही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने अभियोजन कार्यों में गति लाने, लंबित मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित कराने और स्पीडी ट्रायल को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अभियोजन से जुड़े मामलों की नियमित मॉनीटरिंग की जाए, ताकि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे मामले जो सामान्य वाद, राजस्व वाद अथवा आपराधिक प्रकृति के हैं, उन्हें विभागीय समन्वय से शीघ्र निस्तारित किया जाए। गत माह में दर्ज मामलों, उन पर लिए गए निर्णयों, डिस्पोज्ड केस और पुराने लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमित समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या को कम करने हेतु अभियोजन विभाग, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर गम्भीर आपराधिक मामलों में साक्ष्य एवं गवाहों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी उन्होंने दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कहा कि अपराध नियंत्रण और अभियोजन की प्रभावशीलता के लिए पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि रखनी होगी। उन्होंने कहा कि विवेचनाओं की गुणवत्ता बेहतर होनी चाहिए ताकि न्यायालयों में ठोस साक्ष्य प्रस्तुत कर अपराधियों को सजा दिलाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि महिला अपराध, साइबर क्राइम और अन्य संवेदनशील मामलों को गंभीरता से लिया जाए तथा पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह, जिला अभियोजन अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारीगण, थानाध्यक्षों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष की पहल से कैंसर पीड़ित का शुरू हुआ ईलाज

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। नेताओं की भाषणबाजी से परे एक जनप्रतिनिधि की मानवीयता की चर्चा इलाके में हो रही है।नगर पंचायत रामगंज अध्यक्ष राकेश सिंह की पहल से आर्थिक तंगी से जूझ रहे कैंसर पीड़ित को जीवनदान मिला।रामगंज नगर पंचायत के सैलखा निवासी विनोद पांडेय असाध्य रोग कैंसर से पीड़ित थे और आर्थिक तंगी के कारण ईलाज नहीं करवा पा रहे थे और अपनी तंगी की हालत के फलस्वरूप विनोद की जिंदगी पूरी तरह निराशा मे डूब चुकी थी। समाजसेवी यशवंत यादव विनोद को लेकर प्रतापगढ़ के सांसद एसपी सिंह पटेल के पास पहुंचे जहां सिर्फ आश्वासन मिला और महीनों गुजर गए।कैंसर पीड़ित विनोद पांडेय की आर्थिक तंगी एवं कैंसर से बीमारी की चर्चा सोशल मीडिया पर आने पर कैंसर पीड़ित का दर्द नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश सिंह की जानकारी में आया।अध्यक्ष ने बिना देरी किए जीवन संजीवनी मिशन के नाम से एक व्हाट्सअप ग्रुप बनाया जिसमें उन्होंने देश में फैले अपने सहयोगियों को जोड़ा और सिर्फ 48 घंटों मे कैंसर पीड़ित विनोद पांडेय की मदद के लिए लोगों ने हाथ बढ़ाए जिससे 03 लाख रुपए की धनराशि एकत्रित हो गई जिससे विनोद पांडेय के ईलाज की व्यवस्था हो सकी। अब कैंसर पीड़ित विनोद पांडेय का ईलाज शुरू हो चुका है और उन्हें ईलाज से राहत मिलने की उम्मीद की लौ जगी है। अध्यक्ष राकेश सिंह की पहल की पूरे क्षेत्र में भरपूर प्रशंसा हो रही है।कैंसर पीड़ित विनोद पांडेय को असाध्य रोगों पर मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली धनराशि दिलाने की तैयारी की जा रही है।

कानपुर युवा उद्योग व्यापार मंडल ने उपेंद्र सोनी को दी नई जिम्मेदारी बनाए गए बर्रा व्यापार मंडल के अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। कानपुर युवा उद्योग व्यापार मंडल द्वारा गुमटी स्थित एक गेस्ट हाउस में कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के व्यापारियों ने बाजार में आने वाली विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस आयोजन में व्यापारियों ने अपनी चिंताओं को साझा किया और उनसे निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान कानपुर उद्योग व्यापार मंडल के द्वारा बर्रा इकाई का भी गठन कर दिया गया है जहां अध्यक्ष के रूप में उमेंद्र सोनी को नियुक्त किया गया। वहीं, हिमांशु मिश्रा को कोषाध्यक्ष का पदभार सौंपा गया साथ ही वरिष्ठ महामंत्री अजय तिवारी को बनाया गया बनाया गया सभी पदाधिकारी को प्रदेश अध्यक्ष मुकुल मिश्रा व जिला अध्यक्ष सुनील बजाज ने पटका पहनाकर सम्मानित किया।

उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त पदाधिकारियों के नेतृत्व में इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उमेंद्र सोनी ने अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनकी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करेंगे। हिमांशु मिश्रा ने भी वित्तीय पारदर्शिता और संगठन को मजबूत करने का आश्वासन दिया प्रदेश अध्यक्ष मुकुल मिश्रा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उन्हें व्यापारियों के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल हमेशा व्यापारियों के साथ खड़ा रहेगा और उनकी हर समस्या के समाधान में सहयोग करेगा। यह कार्यक्रम व्यापारियों के बीच एकजुटता और उनके मुद्दों को सामूहिक रूप से उठाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी ने कार्यभार संभाला, कार्यालय में पड़ी सीएमओ की कुर्सी पर बदला तौलिया का कलर

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर । काफी जद्दोजहद के बाद डॉ हरिदत्त नेमी ने कानपुर में एक बार फिर से सीएमओ कानपुर का पदभार ग्रहण कर लिया है। लेकिन इस बार हाईकोर्ट से स्टे और शासन की मंजूरी के बाद पक्के ढंग से उन्होंने यह कार्य किया है। इससे पहले जब तीन दिन पहले डॉ हरिदत्त नेमी हाईकोर्ट से निलंबन का स्टे लेकर आए थे तब डॉ उदयनाथ सीएमओ की कुर्सी पर काबिज थे और 24 घंटे नाट्य क्रम चला था और अंत में डा. हरिदत्त नेमी को प्रशासन की सख्ती के बाद हटना पड़ा था लेकिन इस बार वह पूरी मजबूती से आये हैं। पहले निलंबन पर स्टे, फिर तबादले पर स्टे के बाद शासन की मंजूरी के बाद वह सीएमओ कानपुर की कुर्सी पर बैठे हैं।

आज जैसे ही अपनी गाड़ी से डा. हरिदत्त नेमी सीएमओ आफिस पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद पत्रकारों ने उनसे सवाल किए लेकिन उन्होंने किसी सवाल का जबाब नहीं दिया। और सीधे अपने रुम की तरफ प्रस्थान कर गए। डा. नेगी जब सीएमओ आफिस में प्रवेश किए तब वहां का नजारा भी अलग था। क्यों कि जिस समय जिलाधिकारी से उनका टकराव हुआ था और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व दो अन्य विधायकों ने उनके समर्थन में चिट्ठी लिखी थी तब डॉ हरिदत्त नेमी की कुर्सी पर पड़ी तौलिया का रंग भगवा था। इसके बाद शासन ने डॉ हरिदत्त नेमी पर निलंबन की कार्यवाही थी तथा स्वास्थ्य निदेशालय में अटैच किया तो वह हाई कोर्ट की शरण में चले गए और जब स्टे लेकर वापस आये तो उनके कार्यकाल में कुर्सी पर पड़े तौलिए का रंग नीला था। डा. नेमी ने आरोप लगाया था कि उनपर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर सबके सामने बेइज्जत किया गया है। इसमें तौलिए के रंग बदलने की कहानी किसी के समझ में नहीं आ रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में बुधवार को कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला स्तरीय स्थायी समिति के सदस्य के रूप में पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सीओ सिटी शिव नारायन वैश, जिला सूचना अधिकारी सविता यादव सहित मान्यता प्राप्त पत्रकार जौवाद अली, मो0 इस्तियाक, अजय कुमार पाण्डेय, गिरीश पाण्डेय एवं ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष रंजन त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिला सूचना अधिकारी ने कहा कि जिला स्तर पर पत्रकारों और जिला प्रशासन के मधुर एवं सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने और प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रखने के उद्देश्य से शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों के क्रम जिला स्तरीय स्थायी समिति का गठन किया गया है। डीएम ने कहा कि जिला स्तरीय स्थायी समिति के बैठक का उद्देश्य पत्रकारों के उत्पीड़न से सम्बन्धित है। बैठक में पत्रकार सदस्यों द्वारा फर्जी पत्रकारों यूट्यूबरों, फेसबुक के सम्बन्ध शिकायती की जिस पर जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। बैठक में पत्रकार सदस्यों ने कहा कि अस्पतालों में पत्रकारों हेतु ओपीडी के लिये अलग से काउण्टर की व्यवस्था की जाती थी जो कि वर्तमान में नहीं है जिस पर जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित किया कि सीएमओ एवं सीएमएस को जिलाधिकारी की ओर से पत्र भेजा जाये जिससे पत्रकारों को सुविधा मिल सके। पत्रकार सदस्यों ने यह भी अवगत कराया कि अधिकारियों द्वारा पत्रकारों का फोन नही उठाया जाता है जिस पर जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित किया कि पत्रकारों के फोन उठाने हेतु अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया जाये। बैठक में जनपद के पत्रकार उत्पीड़न से सम्बन्धित कोई भी प्रकरण नहीं रहा।

कानपुर में प्लंबर की हत्या की वजह महिला, पुरानी रंजिश या फिर कुछ और ? जारी 6 से पूछ ताछ

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। यहां घाटमपुर के पतारा में हुए प्लंबर हत्याकांड में पुलिस आधा दर्जन लोगों को हिरासत लेकर पूछताछ कर रही है लेकिन अभी तक घटना की सही वजह पता नहीं चल पाई है फिर भी व्यक्त की जा रही आशंका से हत्या की वजह महिला पुरानी रंजिश या फिर कुछ और जैसे सवाल भी उठ रहे हैं जिनके जवाब कीजिए पुलिस आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है। पुलिस के मुताबिक 24 घंटे से लापता प्लंबर का शव बुधवार देर शाम खेत में पड़ा मिला था। उसकी हत्या गला घोंटकर की गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। देर रात पुलिस ने आधा दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु की है। जो कि आज गुरुवार को भी जारी है।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक घाटमपुर थाना क्षेत्र के बरनाव मोड़ निवासी 45 वर्षीय राकेश कुरील पुत्र शिवराज प्लंबर का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। मंगलवार सुबह वह रोज की तरह घर से ड्यूटी जाने को कहकर निकले थे। शाम को वह वापस घर नहीं लौटे तो पत्नी ने उन्हें फोन मिलाया तो उन्होंने बताया कि वह थोड़ी देर में घर आ जाएंगे। इसके बाद से मोबाइल फोन बंद बताने लगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने खेत में युवक का शव पड़ा देखा। उसका गला गमछे के सहारे कसा हुआ था। परिजनों ने फोनकर पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद एडीसीपी साउथ योगेश कुमार, घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की थी। फिलहाल पुलिस आधा दर्जन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना की वजह पुरानी रंजिश और किसी से अवैध संबंध भी हो सकते हैं। अलबत्ता पुलिस का दावा है कि घटना का खुलासा जल्द ही किया जाएगा।जिसके लिए हर संभव प्रयास भी लगातार किए जा रहे हैं।

जीटी रोड पर जारी है गड्ढामुक्ति का कार्य, मार्ग को बनाया जा रहा है मोटरेबल

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर नगर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-91 (आईआईटी से रामादेवी चौराहा) पर बारिश के दौरान हुए क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिशासी अभियंता एनएच, कानपुर खंड श्री ए.के. जयंत ने बताया कि मार्ग को मोटरेबल बनाए रखने के लिए अनुबंधित फर्म द्वारा ÷वेट मिक्स मैकडम÷ विधि से गड्ढों को भरने का कार्य निरंतर कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्षा के चलते फिलहाल बिटुमिनस कार्य संभव नहीं है, लेकिन जैसे ही मौसम अनुकूल होगा, डामरीकरण सहित स्थायी मरम्मत प्रारम्भ करा दी जाएगी। वर्तमान समय मे मार्ग को मोटरेबल बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मार्ग खण्ड, लोक निर्माण विभाग, कानपुर के अंतर्गत रा.मा.सं. 91 (आईआईटी से रामादेवी), रा.मा.सं. 91ए (इटावा-बेला-कन्नौज मार्ग) तथा रा.मा.सं. 330डी (सीतापुर-मिश्रिख-हरदोई-बिलग्राम-कन्नौज मार्ग) की कुल 53.995 किलोमीटर लम्बाई के अनुरक्षण हेतु परफॉर्मेंस बेस्ड मेंटनेंस कॉन्ट्रैक्ट के अंतर्गत 7142.17 लाख की लागत से निविदा आमंत्रित की गई थी।

निविदा प्रक्रिया के अंतर्गत प्रथम निविदादाता के रूप में मेसर्स एमवीडी इंफ्राडेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ से 44.28 करोड़ में अनुबंध 09 जून 2025 को संपादित किया गया। इसी अनुबंध में जीटी रोड (रा.मा.सं. 91) की 18.200 किमी लम्बाई का अनुरक्षण भी सम्मिलित है, जिसके लिए पांच वर्षों में लगभग 13.40 करोड़ व्यय किए जाने हैं।बताया गया कि मार्ग के उक्त हिस्से का नवीनीकरण लगभग छह वर्ष पूर्व कराया गया था, तब से पॉटहोल्स की समय-समय पर मरम्मत होती रही है। वर्षा के कारण कुछ स्थानों पर नई क्षतियां उत्पन्न हुई हैं, जिनकी मरम्मत लगातार की जा रही है। अनुबंधित फर्म द्वारा आवश्यक मशीनरी की मदद से मार्ग को चालू रखने के प्रयास जारी हैं ताकि जनता को सुगम यातायात उपलब्ध हो सके और किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके।

विधायक सुरेश पासी द्वारा आस्था, श्रद्धा को समर्पित एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि

● हनुमानगढ़ी के सौंदर्यीकरण के लिए 75 लाख की धनराशि स्वीकृत

स्वतंत्र प्रभात

जगदीशपुर अमेठी। विधान सभा क्षेत्र जगदीशपुर के अंतर्गत ग्राम सभा कंजास में स्थित प्राचीन मंदिर महावीरन हनुमान गढ़ी के सौंदर्यीकरण हेतु विधायक सुरेश पासी के प्रयास से शासन द्वारा 75 लाख की राशि स्वीकृत कराई गई है। विधायक सुरेश पासी ने इस पुनीत अवसर पर हनुमान गढ़ी में महावीर बजरंग बली का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तथा संस्कृति-परंपरा को सहेजते इस पुनीत निर्णय हेतु मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ का हार्दिक आभार जताया । उन्होंने कहा कि इस धनराज से मंदिर का सौंदर्यीकरण? होगा। धर्म आस्था के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ेगा पर्यावरण की दृष्टि से तथा क्षेत्र की विकास की दृष्टि से भी बेहद अहम होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार देश और प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि रुद्रावतार बजरंगबली, जिन्हें हनुमान के नाम से भी जाना जाता है, सनातन धर्म में एक अत्यधिक पूजनीय और शक्तिशाली देवता हैं। हनुमान जी भगवान राम के अनन्य भक्त हैं और उनकी भक्ति और सेवा के लिए जाने जाते हैं। उनकी कहानी रामायण में वर्णित है, जो हिंदू धर्म के सबसे पवित्र ग्रंथों में से एक है। बजरंगबली को शक्ति और बल का प्रतीक माना जाता है, जो अपने भक्तों की रक्षा और उनकी इच्छाओं की पूर्ति करने में सक्षम हैं। हनुमान जी की पूजा और आराधना करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक और धार्मिक लाभ प्राप्त होते हैं। उनकी कृपा से व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति और साहस मिलता है।हनुमान जी की पूजा और अनुष्ठान करने से व्यक्ति को शनि दोष, मंगल दोष और अन्य ग्रह दोषों से मुक्ति मिलती है, उनकी पूजा करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।इन सभी कारणों से, बजरंगबली सनातन धर्म में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण और पूजनीय देवता हैं। उनकी पूजा और आराधना करने से व्यक्ति को जीवन में सुख, शांति और सफलता प्राप्त होती है।

जहां गणेश जी की पूजा होती है वहां रिद्धि और सिद्धि का होता है वास - अमित कृष्ण शास्त्री जी महाराज

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। श्री हनुमान मंदिर चिलबिला तालाब पर चल रही शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन कथा वाचक पूज्य अमित कृष्ण शास्त्री जी महराज ने कथा में गुरुवार को भगवान श्री गणेश व कार्तिकेय के जन्म की कथा का वर्णन किया।भगवान गणेश का विवाह रिद्धि और सिद्धि नामक दो देवियों से हुआ था। ये दोनों ब्रह्मा जी की मानस पुत्रियां थीं। कुछ धार्मिक ग्रंथों के अनुसार गणेश जी को रिद्धि और सिद्धि से शुभ और लाभ नामक दो पुत्र हुए।पौराणिक कथाओं के अनुसार गणेश जी ब्रह्मचारी रहना चाहते थे,लेकिन तुलसी द्वारा विवाह का प्रस्ताव ठुकराने पर उन्होंने तुलसी को दो विवाह करने का श्राप दिया। एक अन्य कथा के अनुसार गणेश जी अन्य देवताओं के विवाह में विघ्न डालते थे, जिससे परेशान होकर ब्रह्मा जी ने अपनी पुत्रियों रिद्धि और सिद्धि को गणेश जी के पास शिक्षा के लिए भेजा। गणेश जी ने रिद्धि और सिद्धि से विवाह किया।कथा में समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य, सत्य प्रकाश केडिया, पवन कुमार एडवोकेट, मनोज कुमार, रामचंद्र, शनि महराज, सोनू महराज, सुमित महाराज, विनोद यादव, आशीष कुमार, भरत लाल, अमन गुप्ता, सनी गुप्ता, सिद्धार्थ, हरिओम पांडे, मनीष यादव, आदर्श कुमार, अमर जायसवाल, सचिन, देवेंद्र गुप्ता, पूनम गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, छेदीलाल, देवानंद, संतोष कुमार, विवेक कुमार आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

तमंचा कारतूस व फर्जी रजिस्ट्रेशन के साथ दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। थाना प्रभारी आसपुर देवसरा धीरेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में उप निरीक्षक अजय कुमार अंचल मय हमराह द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग के दौरान 17 जुलाई को 01अवैध देशी तमंचा 315 बोर, 04 जिन्दा कारतूस 315 बोर, 01 मोबाइल फोन, 01 मोटर साइकिल व कूटरचित छायाप्रति रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के साथ 02 अभियुक्तों कुशू शंकर मिश्रा पुत्र दयाशंकर मिश्रा निवासी ग्राम अकारीपुर थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 37 वर्ष व सत्यम तिवारी उर्फ शिवम तिवारी पुत्र उमाकांत तिवारी निवासी ग्राम गिरधर मिश्र का पुरवा थाना रामगंज जनपद अमेठी उम्र 23 वर्ष को थाना आसपुर देवसरा क्षेत्रान्तर्गत स्टेडियम मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों पर जनपद प्रतापगढ़ जौनपुर सुल्तानपुर में डकैती, हत्या सहित डकैती,लूट, हत्या का प्रयास, गैंगस्टर, धोखाधड़ी, एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट जैसे कुल 14 अभियोग दर्ज हैं। अभियुक्तों के हुई बरामदगी के संबंध में थाना आसपुर देवसरा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

राधा रमण लाल के दर्शन करने पहुंचे प्रसिद्ध गायक बीप्राक

प्रसिद्ध गायक बीप्राक ने राधा रमण लाल के समक्ष दी भजन प्रस्तुति मंदिर परिसर में तैयार किया जा रहे हैं तरह तरह के फूल बंगले

मथुरा। नगर के सप्त देवालयों में सम्मिलित ठाकुर राधा रमण मंदिर में चल रहे अमृत महोत्सव के अंतर्गत बुधवार की शाम को ठाकुर राधा रमण लाल के दर्शन को प्रसिद्ध गायक बीप्राक पहुंचे। मंदिर के सेवायत पुंडरीक गोस्वामी के द्वारा बीप्राक का ठाकुर जी की प्रसादी और पटका पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं बीप्राक ने ठाकुर राधा रमण लाल के समक्ष भजन गाकर दिव्य और भव्य प्रस्तुति दी। भक्ति गीतों पर मंदिर प्रांगण में दूरदराज से आए हुए श्रद्धालु थिरकते हुए नजर आए। साथ ही मंदिर परिसर में विशेष फूल बंगले का भी आयोजन किया गया। विशेष फूल बंगले में अपने आराध्य के दर्शन कर भक्त आनंदित हो उठे। वहीं विस्तृत जानकारी देते हुए अमृत महोत्सव के आयोजक और मंदिर के सेवायत पुंडरीक गोस्वामी ने बताया कि राधा रमण मंदिर में सप्त दिवसीय अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें तरह-तरह के धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मंदिर परिसर में अनेकों प्रसिद्ध कलाकार ठाकुर जी के समक्ष अपनी प्रस्तुति देकर ठाकुर जी से लाड लड़ा रहे हैं। साथ ही महोत्सव के अंतर्गत ठाकुर जी के प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हजारों श्रद्धालु प्रसाद पा रहे हैं। वहीं ठाकुर जी के समक्ष प्रतिदिन 56 भोग और विशेष फूल बंगले का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही निमाई पाठशाला के विद्यार्थी इस उत्सव में अपना पूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इस बार न खादी की कमी होगी न बीच की किल्लत

खाद बीज में किसानों के साथ नहीं होगा धोखा डीएम द्वारा गठित चार टीमों की छापामार कार्यवाही से हड़कंप

मथुरा। इस बार किसानों के लिए न खाद की कमी रहेगी न बीज की। किसानों के साथ खाद बीज जैसी बुनियादी वस्तु में अब किसी तरह का धोखा नहीं होगा। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में उर्वरक की दुकानों पर छापे डालने के लिए चार टीमों का गठन किया गया। इस दौरान कल 33 छापे डाले गए और गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु उर्वरक के आठ नमूने लिए गए स बिहटा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी बिहटा विकासखंड छाता द्वारा पांच किसानों को उनके जमीनों के अभिलेख देखे बिना 50-50 बोरी यूरिया बिक्री की गई जिसके कारण तत्काल प्रभाव से इनका लाइसेंस निरस्त किया गया स वितरण एवं स्टॉक रजिस्टर तथा स्टॉक एवं रेट बोर्ड न होने के कारण भूमित्र खाद एवं बीज एजेंसी चौमुंहा का लाइसेंस निलंबित किया गया स किसानों को बिना अभिलेख देखें अधिक मात्रा में यूरिया एवं डीएपी की बिक्री करने के कारण एग्री जंक्शन जाचौड़ा. साधन सहकारी समिति बरसाना एवं सहकारी संघ लिमिटेड बरसाना को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया स इसके साथ ही सहकारी समिति बरसाना पर पोस मशीन में 50 बोरी डीएपी प्रदर्शित हो रही थी परंतु मौके पर केवल तीन बोरी डीएपी की पाई गई वहीं दूसरी ओर सहकारी संघ लिमिटेड बरसाना पर एक ही दिन में डीएपी की 263 बोरी की बिक्री दिखाई गई जो संदिग्ध प्रतीत हो रही है जिसके कारण इन दोनों समितियां को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया स जनपद के सभी उर्वरक विक्रेता सुनिश्चित कर ले कि प्रत्येक उर्वरक विक्रेता के प्रतिष्ठान पर स्टॉक रजिस्टर बिक्री रजिस्टर स्टॉक एवं रेट बोर्ड अनिवार्य रूप से होना चाहिए स सभी उर्वरक विक्रेता किसानों को निर्धारित दर पर ही यूरिया डीएपी की बिक्री करें तथा किसी भी किसान को यूरिया डीएपी के साथ अन्य कम प्रचलित उर्वरकों की टैगिंग ना करें अन्यथा उनके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जाएगी स जनपद में 15468 मैट्रिक टन यूरिया एवं 3701 मी ज्ंद डीएपी उपलब्ध है स किसान यूरिया एवं डीएपी का आवश्यकता अनुसार ही प्रयोग करें भविष्य में भी यूरिया डीएपी मिलती रहेगी . इसलिए अनावश्यक भंडारण ना करेंस

अपराध का रास्ता क्यों अपनाते युवा आखिरकार सिर्फ पछतावा ही रह जाता है लाता है मायूसी

स्वतंत्र प्रभात

ऐसा ही एक दृश्य उस समय देखने को मिला जब एक गांव में पिता के अंतिम संस्कार के लिए जेल में बंद बड़े बेटे को पुलिस सुरक्षा में श्मशानघाट लाया गया। छोटे भाई ने जैसे ही बड़े भाई को देखा, दोनों एक-दूसरे से लिपटकर फूट-फूट कर रो पड़े। पुलिस की मौजूदगी में, हथकड़ी लगे हाथों से बेटे ने पिता को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर हर आंख नम हो गई।

परिवार के लोग, रिश्तेदार और यहां तक कि मौजूद पुलिसकर्मी भी भावुक हो उठे।यह घटना केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं है, यह एक संदेश है उन लोगों के लिए जो ग़लत रास्तों पर चल पड़ते हैं अपराध क्यों करते हो फिर अपनों से दूर हो जाते हो

घर में मां-बाप, भाई-बहन रोते हैं और तुम रोते हो जेल में। हर युवा को इस तस्वीर और इस क्षण से सीख लेनी चाहिए कि मानव जीवन ग़लत कार्यों का अंजाम देने के लिए नहीं है यह जीवन मनुष्य को बड़े शुभ कर्मों से प्राप्त हुआ है इसे पाकर क्राइम रास्ता छोड़कर व्यक्ति को शुभ कार्य करके समाज में अपना अस्तित्व बनाकर रखने के साथ ही समाज को एक संदेश देने का कार्य करके महान व्यक्ति बनना चाहिए ना के अपराध की रास्ता अपनाकर अपने परिवार से अलग होकर दूसरों का नुकसान कर उन्हें दर्द देकर स्वयं को जेल नहीं,जाना चाहिए जोकी

बल्कि अपनों से बिछड़ने का दर्द भी होता है - जो उम्रभर चलता भी है इससे स्वयं ही नहीं मित्रा गढ़ एवं रिश्तेदार सभी शर्मसार होते हैं।

सिद्धार्थनगर के बढ़नी में मेडिकल स्टोर संचालक दंपती की खून से सनी मिली लाश, मचा हड़कंप

● सुसाइड नोट भी बरामद जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर।ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढ़नी कस्बे में गुरुवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां करीब 40 वर्षो से रह रहे एक मेडिकल स्टोर संचालक मदन मोहन अग्रवाल (60) और उनकी पत्नी अंजू अग्रवाल (55) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना नगर पंचायत बढ़नी कस्बा के स्टेट बैंक के पास स्थित यूरो किड स्कूल के सामने, केडिया भवन में किराए के मकान में हुई।कर्ज से परेशान एक दवा व्यापारी की गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थिति में मृत्यु हो गयी। घटना में दवा व्यापारी के पत्नी के सिर पर चोट का निशान है और दवा व्यापारी का गला रेता हुआ है। घटना की सूचना पाकर ढेबरुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंच गयी ।पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, आस पास के मिले सबूत,लड़के के बयान एवं मिले सुसाइड नोट के पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

60 वर्षीय मदन मोहन अग्रवाल की आर्य समाज रोड पर अग्रवाल मेडिकल स्टोर के नाम से दवा की दुकान थी।

मदन मोहन अग्रवाल अपनी पत्नी अंजू अग्रवाल और बड़े बेटे राहुल अग्रवाल (39), उनकी पत्नी व बच्चों के साथ केडिया भवन के दो फ्लैट में रह रहे थे। उनका दूसरा बेटा रोहन अग्रवाल (36) अपने ससुराल में रहता है, जबकि दूसरे नंबर की बेटी खुशबू उर्फ गोल्डी की शादी बलरामपुर में हुई है।

वह प्रतिदिन की भांति सुबह साढ़े छह बजे वार्ड में टहलने गए थे। उसके थोड़ी देर बाद उनके पुत्र राहुल अग्रवाल जो सामने के फ्लैट में किराये पर रहते हैं, वह दूध देने के लिए अपने पिता के पास गए। कमरे में देखते ही वह स्तब्ध हो गए। उन्होंने देखा कि कमरे में बेड पर उनकी मां 55 वर्षीया मंजू अग्रवाल का शव बेड पर है। पूरे कमरे में खून फैला हुआ है। पिता का शव बरामदे में

मृतक मदन मोहन अग्रवाल व उनकी पत्नी अंजू

पड़ा हुआ है। गर्दन किसी धारदार हथियार से रेती हुई है और मां के सिर में चोट लगी है। सीओ सुजीत राय के अनुसार, बेटे राहुल ने बयान दिया है कि पिता भारी कर्ज को लेकर मानसिक तनाव में रहते थे। लेकिन बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि कोई व्यक्ति खुद ही इतनी गहराई से अपना गला कैसे रेत सकता है। और अगर ये आत्महत्या है, तो दोनों पति-पत्नी की एक साथ मौत कैसे हुई, फिलहाल मामले की गहराई से जांच की जा रही है। फोरेंसिक रिपोर्ट और सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग जांच के बाद ही सच सामने आ सकेगा।

पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के जन्मदिन पर नर सेवा नारायण सेवा की भावना से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य आयोजन

● पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के जन्मदिन पर नर सेवा नारायण सेवा की भावना से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य आयोजन

● रमेश बिधूड़ी के जन्मदिन पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने उठाया स्वास्थ्य सेवा का लाभ

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली। यह पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी की लोकप्रियता का जीता जागता प्रमाण है कि जन्मदिन के कई दिन पहले से ही पूरे दक्षिणी दिल्ली में जन सेवा, निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, रोजगार मेला आदि का आयोजन कर उनके जन्मोत्सव को यादगार बनाया जा रहा है। इसी कड़ी में श्री बिधूड़ी के जन्म दिवस पर कृष्णा मंदिर मदनगीर अंबेडकर नगर में भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कर सैकड़ो की संख्या में लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें आवश्यक दवाई एवं परामर्श दिए गए। इस स्वास्थ्य जांच शिविर का पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने फीता काटकर शुभारंभ किया।इस शिविर में मैक्स हॉस्पिटल के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा बीपी, शुगर, कोलेस्ट्रॉल, ईसीजी, सीबीसी, आई चेकअप व क्लोव डेंटल द्वारा दांतों की जांच की गई। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो का वय वंदन योजना के तहत 10 लाख के मुफ्त इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड बनाए गए। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत रोजगार मेला का भी आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो लोगों ने अपना पंजीकरण कराया। सांसद बिधूड़ी दक्षिणी दिल्ली के जमीनी एवं लोकप्रिय नेता है। केजरीवाल सरकार के दौरान उसकी गलत एवं जन विरोधी नीतियों का सबसे ज्यादा विरोध रमेश बिधूड़ी के द्वारा किया गया। दिल्ली से आप सरकार की विदाई के पीछे सांसद बिधूड़ी की मेहनत को नहीं नकारा जा सकता।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा की भावना से वह हमेशा जन समस्याओं के समाधान, समाज के कमजोर

वर्ग की शिक्षा, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति प्लेटफार्म समाज सेवा का सबसे उम्दा माध्यम है। बतौर सांसद दक्षिण दिल्ली के सभी विधानसभाओं की अनेकों समस्याओं का समाधान कराकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि वह दक्षिणी दिल्ली की जनता के चाहते और सही अर्थों में जन सेवक है। इस अवसर पर आयोजक महरौली जिला एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल बैरवा एवं मदनगीर मंडल अध्यक्ष दिलीप देवतवाल और उनकी पूरी टीम उपस्थित रही। जिस व्यापकता एवं निष्ठा के साथ कृष्णा मंदिर में यह शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया, उसकी सर्वत्र चर्चा हो रही है।

ग्रामीण प्लास्टिक के सामान को न फेंके, घर से ले जाएंगे सफाईकर्मी

● 183 ग्राम पंचायतों में डोर टू डोर कलेक्शन के लिए तैयार किया प्लान

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना द्वारा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज 2 के अन्तर्गत जनपद के समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, समस्त ब्लाक मिशन प्रबंधक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी के साथ बीसी के माध्यम से जनपद में चलाये जा रहे प्लास्टिक मुक्त बृज की रज अभियान के अन्तर्गत 183 ग्राम पंचायतों मे डोर टू डोर कूडा कलेक्शन के लिए बोरी लगाये जाने हेतु रोस्टर निर्धारित करते हुये गली मोहल्ले आवंटित किये गये साथ ही सामूहिक जन सहभागिता के माध्यम से ग्राम पंचायत मे सफाई अभियान चलाये जाने के लिए तिथि का निर्धारण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सफाई कर्मी द्वारा घर घर से प्लास्टिक संग्रहण के लिए रूट चार्ट बनाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 अभियान के अन्तर्गत जन सहभागिता के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 मे फीडबैक कराये जाने के निर्देश दिये गये। जिसमें सभी आशा, ऑगनबाडी, कोटेदार, शिक्षक एंव शिक्षिकाओं के माध्यम से स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 फीडबैक में गति प्रदान किये जाने के निर्देश दिये गये जिससे जनपद को राज्य मे अच्छा स्थान प्राप्त हो सकें।

पुलिस को मिला जनता का साथ, दोनों लुटेरे आये हाथ

● लूटे गये एक लाख 70 हजार रुपये किये बरामद

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस ने जनता के सहयोग से लूटपाट करने वाले दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से लूटे हुए एक लाख 70 हजार रुपये भी बरामद कर लिये है। योगेश पुत्र मोहन सिंह निवासी मनोहरपुर थाना महावन को बुधवार को करीब साढ़े ग्यारह बजे सौंख मगोर्रा रोड पर नगला हमला के पास से व भूरा पुत्र निहाल सिंह निवासी ग्राम लठाकुरी थाना मगोर्रा को गुरुवार को करीब एक बजे कमलपुरा नगला धाम के पास से गिरफ्तार किया गया। योगेश के कब्जे से लूटे हुए एक लाख 70 हजार रूपये बरामद किये गये। दिगम्बर सिंह पुत्र महाराज सिंह निवासी ग्राम नगला रतु थाना मगोर्रा अपने परिचित से एक लाख 70 हजार रुपये उधार लेकर स्टेट बैंक मगोर्रा से बैग में रखकर अपनी मोटरसाइकिल से सौंख की तरफ जा रहा था तभी रास्ते में एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति पीछे से आकर उसका बैग लूटकर भागे, जिस पर भागे हुए लुटेरों में से एक लुटेरे को जनता के सहयोग से पकड लिया गया, जबकि एक लुटेरा भागने में सफल रहा। पकडे गये लुटेरे से लूटे गये एक लाख 70 हजार रुपये बरामद किये गये तथा स्थानीय पुलिस टीम द्वारा दूसरे लूटेरे की तलाश की जा रही थी । इसी क्रम में जनता के व्यक्तियों के सहयोग से दूसरे लुटेरे भूरा को भी कमलपुरा नगला धाम के पास से पकड़ लिया गया।

नकटी से शिव भक्तों का जत्था हरिद्वार से जल लेने को हुआ रवाना

स्वतंत्र प्रभात

बरेली/नवाबगंज तहसील के गांव नकटी नारायनपुर में आज शिव भक्तों का एक जत्था गांव में स्थित शिव मंदिर पर पूजा अर्चना करने के बाद हरिद्वार से कावड़ लेने के लिए रवाना हुआ इस कावड़ यात्रा में 51 से अधिक शिव भक्ति सम्मिलित हैं इस जात्थे के महंत सुरेश चंद्र गंगवार है इनके साथ हीरालाल गंगवार पत्नी नीलम गंगवार ग्राम प्रधान देवेश कुमार गंगवार हरीश कुमार गंगवार अंकित कुमार श्यामा चरण अमित कुमार गंगवार पूरनलाल राठौर संतोष कुमार कश्यप आदि प्रमुख व्यक्ति हैं।

यह सब भक्त डाक कावड़ के तहत हरिद्वार से जल लेकर 31 जुलाई को दूसरे सोमवार वापस आकर गांव के शिव मंदिर पर जल अभिषेक करेंगे और भगवान भोलेनाथ का आशीष प्राप्त करेंगे इसी क्रम में आज क्षेत्र से अनेकों ग्रामों से शिव भक्तों के जत्थे विभिन्न स्थानों से कछला घाट से गंगाजल लेने के लिए रवाना हुए हैं यह सभी 21 जुलाई को वापस लौटकर शिव मंदिरों में जल अभिषेक करेंगे।

द्वार का को स्वच्छ एवं सुसज्जित बनाने की पहल - सोलंकी ने सांसद से की शिष्टाचार भेंट

स्वतंत्र प्रभात

917 जुलाई द्वारका सहित पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र को स्वच्छ सुंदर और नागरिक सुविधाओं से सुसज्जित बनाने के उद्देश्य से एक समन्वय बैठक का आयोजन प्रस्तावित है। इस संबंध में फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन रणबीर सोलंकी ने पश्चिमी दिल्ली की सांसद माननीय कमलजीत सहरावत से भेंट कर उन्हें बैठक में सम्मिलित होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।सोलंकी ने सांसद को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यह बैठक क्षेत्र में बरसाती नालों की सफाई, स्वच्छता व्यवस्था, सौंदर्यीकरण एवं बुनियादी नागरिक सुविधाओं के समुचित रख-रखाव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सांसद महोदया की उपस्थिति इन प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगी। इस पर सांसद महोदया ने बैठक में शामिल होने की सहमति दी और यथासमय उपस्थित रहने का आश्वासन दिया।सोलंकी ने आग्रह किया कि सांसद संबंधित दिल्ली विकास प्राधिकरण ष्ठष्ठ अधिकारियों को भी इस बैठक में आमंत्रित करें, ताकि प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक निर्णय लिए जा सकें। बैठक का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिक समाज के बीच समन्वय को मजबूत कर जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना है।बैठक में क्षेत्र की विभिन्न आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक भी भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त मटियाला विधानसभा क्षेत्र के विधायक संदीप सहरावत, दिल्ली नगर निगम की चेयरमैन

सविता पवन शर्मा और द्वारका ए वार्ड के पार्षद रामनिवास गहलोत सहित प्रशासनिक अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे सोलंकी ने आशा जताई कि इस बैठक के माध्यम से द्वारका और पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र की जनसमस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल होगी।

चिमन छापरी में अखिल असम बोड़ो छात्रा संघ का प्रदर्शन , बोड़ो भाषा को शामिल न करने वाले गुवाहाटी उच्च न्यायालय के नोटिस का प्रतिलिपी दहन

स्वतंत्र प्रभात

असम धेमाजी - असम सरकार और गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने आठवीं अनुसूची में बोडो भाषा को शामिल ना कर नोड्स जारी करने की विरूद्ध में आज निखिल बोड़ो छात्रा संघ ने राज्य में प्रदर्शन किया। धेमाजी जिला समिति के चिमन छापरी में स्थित मुख्य कार्यालय के आंगन में भी पदार्शन किया गया।कार्यक्रम में संघ के केंद्रीय सचिव बोडोचा ब्रह्म में भाग लेकर कहा असमिया न्यायिक सेवा स्नातक-।॥ पेपर ड्ड के लिए प्रारंभिक और मुख्य लिखित

परीक्षा में 50 अंक और कनिष्ठ प्रशासनिक मूल्यांकन जिला संहिता के परीक्षा में 20 अंक बोडो भाषा में आधिकारिक भाषा में प्रश्न उत्तर लिखने का मांग को असम सरकार और गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने

खारिज करने की विरूद्ध में आज गुवाहाटी उच्च न्यायालय के इस नोटिफिकेशन को दहन कर प्रदर्शन किया। सरकार को बोडो समुदाय को लेकर राजनीति ना करने का भी चेतावनी दे।

खुद थाने नहीं पहुंचा प्रेमिका का हत्यारोपी, पुलिस ने दबोचा

● सोशल मीडिया पर चल रही अफवाह, पुलिस ने किया खंडन

● 16 जुलाई को हुई युवती की हत्या, 17 जुलाई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। सोशल मीडिया पर चल रही इस अफवाह का पुलिस ने खंडन किया है कि अपनी प्रेमिका की हत्या करने के बाद हत्यारोपी युवक खुद पुलिस के पास पहुंचा और हत्या की बात कबूल की। पुलिस ने इस तरह की अफवाहों का खंडन किया है। हालांकि अपने कमरे पर बुला कर प्रेमिका की गला दबाकर हत्या करने के आरोपी प्रेमी युवक को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक हत्यारोपी प्रेमिका की हत्या करने के बाद सीधा पुलिस स्टेशन नहीं पहुंचा था। युवक की गिरफ्तारी थाना कोतवाली अंतर्गत गोवर्धन चौक पर आगरा को जाने वाले सर्विस रोड़ से 17 जुलाई को रात करीब एक बजे गिरफ्तार किया। जबकि युवती की हत्या

16 जुलाई को की गई थी। सोशल मीडिया पर चल रही इस तरह की अफवाह को पुलिस ने नकार दिया जिसमें दावा किया जा रहा है कि हत्यारोपी प्रेमी युवक अपनी प्रेमिका की हत्या करने के बाद सीधे पुलिस स्टेशन पहुंचा और खुद को पुलिस के सुपुर्द करते हुए गलती होने और गलती से हत्या हो जाने की बात कही। इसके बाद थाने पहुंचे युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और युवक द्वारा बताये गये पते पर पहुंची तो कमरे के अंदर युवती का शव पड़ा मिला। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने 17 जुलाई को अभियुक्त राहुल पुत्र स्व. जगदीश निवासी ग्राम नगला सराय थाना फतेहपुर सीकरी जनपद आगरा हाल निवासी क्षेत्रपाल के मकान में किरायेदार, रामनगर कृष्णानगर थाना कोतवाली जिला मथुरा उम्र करीब 25 वर्ष को गोवर्धन चौक पर आगरा को जाने वाले सर्विस रोड़ से रात को करीब एक बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त राहुल के विरूद्ध थाना कोतवाली पर लिखित तहरीर के आधार पर धारा 103 (1) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली से विधिक कार्यवाही की गई। पुलिस के मुताबिक अभियुक्त व मृतक दोनों के प्रेम सम्बन्ध थे। 16 जुलाई को अभियुक्त राहुल ने मृतक को अपने किराये के कमरे रामनगर, कृष्णा नगर पर बुलाया था जहां पर दोनो का आपस में किसी बात को लेकर वाद विवाद हो गया जिसके बाद अभियुक्त राहुल ने युंवती की गला दबाकर हत्या कर दी । कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक देवपाल सिंह पुण्डीर थाना कोतवाली, एसआई कुशल पाल सिंह (चौकी प्रभारी कृष्णानगर) थाना कोतवाली आदि थे।

15 दिन बाद भी सर्राफा कारोबारी भोलानाथ बेसुराग

● व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल एसएसपी से मिला

स्वतंत्र प्रभात

मथुर। तीन जुलाई की सुबह करीब नौ बजे अपने घर से द्वारकाधीश मंदिर के लिए निकले शहर के प्रतिष्ठित सराफा कारोबारी भोलानाथ वार्ष्णेय अचानक गायब हो गये। दो दिन तक परिजन अपने स्तर से खोजबीन करते रहे। वह बेहद ही धार्मिक प्रवृति के थे, अक्सर गोवर्धन और वृंदावन परिक्रमा के लिए जाया करते थे। परिजनों को लगा संभवतः वह किसी धार्मिक कार्य में ही लगे होंगे। जब वह वापस नहीं आये तो पांच जुलाई को थाना गोविंद नगर में परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज करा दी। इसके बाद पुलिस लगातार लापता हुए कारोबारी के परिजनों को आश्वासन देती रही लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। 15 दिन बीत जाने के बाद 17

जुलाई को नगर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ पीडित परिवार एसएसपी से मिलने पहुंचा और अपनी पूरी पीडा बताई। लापता हुए कारोबारी भोलानाथ की पत्नी ने कहा कि मेरे पति करीब नौ बजे सुबह द्वारकाधीश मंदिर गये थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे हैं। मेरा दिल कहता है कि वह जिंदा हैं पुलिस खोज नहीं रही है। वह वृंदावन जाते हैं, गोवर्धन की परिक्रमा भी करते हैं। शुरू में हमें लगा कि वह यहीं कहीं गये होंगे लेकिन वह तो वापस ही नहीं आये थे। गायब हुए सराफा कारोबारी की बेटी ने कहा कि मेरे पापा गुल्लक सम्हालने के लिए मंदिर गए थे। वहां गुल्लक खेलते हैं। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि सराफा कारोबारी अपने प्रतिष्ठान बंद करके एसएसपी से गुहार लगाने आये हैं। नगर उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि अगर हमारा साथी बरामद नहीं हुआ तो हम आंदोलन की रहा पकडेंगे। लापता हुए भोलानाथ वार्ष्णेय की आर्थिक स्थिति अच्छी थी। धार्मिक प्रवृति के थे। ऐसी स्थिति बिल्कुल नहीं थी कि वह खुद कहीं जाते।